# प्रभारी पर बहुत भारी

प्राकृतिक क्षेत्रों की तलहटी में बसा जमुई आज विष्वविख्यात जिला बन गया है। त्रेताकालीन गिद्धराज जटायु की पुण्यस्थली, जैन धर्म के 9वें तीर्थंकर भगवान सुविधिनाथ, 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की जन्मस्थली और बाबा कोकिलचंद का धाम आदि के कारण जमुई ख्याति प्राप्त किया है। ऐसी ख्याति प्राप्त जमुई जिला के शिक्षा पदाधिकारी हैं **Jh dfiyno frokjh**। कपिलदेव नाम में प्रत्येक अक्षर और मात्रा उनमें निहित गुणों को दर्षाता है जैसे :– **d** से कर्त्तव्यपरायण, **b** से ईमानदार, **i** से पवित्र, **y** से लगनशील, **n** से दयालु, **,** से एकाग्र, **o** से वफादार अर्थात् जो व्यक्ति कर्त्तव्यपरायण, ईमानदार, पवित्र, लगनशील, दयालु, एकाग्र और वफादार हो, उसे हीं कपिलदेव कहा जाता है। उनसे केवल सच मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि प्रोफेसर **jkethou lkg** ने साक्षात्कार किया, प्रस्तुत है उसके अंश :–

**✯ आप सर्वप्रथम किस पद पर अपना पहला योगदान दिये कब और कहाँ?**

मैं सर्वप्रथम 1991 में दरभंगा का प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के रूप में योगदान दिया हूँ।

**✯ उसके बाद क्रमशः आप पदोन्नति का वर्ष और स्थान बताने का कष्ट करेंगे?**

मैं 1996 से जून 2008 तक प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय का व्याख्याता–सह–प्राचार्य रहा। क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी नासरीगंज रोहतास में रहा, जुलाई 2011से 2021 तक जिला कार्यक्रम पदाधिकारी गोपालगंज और षिवहर। अंत में सितंबर 2021 में जमुई जिला शिक्षा पदाधिकारी पद पर अपना योगदान दिया हूँ।

**✯ प्रथम पद और वर्तमान पद की संक्षेप में विवेचना करें।**

सभी पद गरिमामय पद है सभी पदों का सम्मान करना चाहिए और सभी पदों पर निष्ठा के साथ कार्य किया हूँ।

**✯ भारत सरकार की 1986 की शिक्षा नीति और 2020 की शिक्षा नीति में क्या अंतर है?**

भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अंतर है। पुरानी शिक्षा नीति के अनुसार राज्य सरकार की जिम्मा शिक्षा देने का 12 साल तक का करना होता था, अर्थात 10+2 उसके बाद का जिम्मा केंद्र सरकार का होता था परंतु नई शिक्षा नीति के अनुसार अब राज्य सरकार 15 वर्षों तक शिक्षा देगी उसके बाद की शिक्षा केन्द्र सरकार की होगी।

**✯ वर्तमान शिक्षा नीति क्या है यह कब से प्रभावित है?**

वर्तमान शिक्षा नीति 5+3+3+4 की रूप में रखा गया है। यह प्रणाली सरकार एवं गैर सरकारी विद्यालय के बच्चों के लिए है, जिसमें 12 वर्ष की स्कूली शिक्षा और 3 वर्ष की प्राक स्कूली शिक्षा दी जाएगी। इसके चार चरण हैं, जो निम्नवत् है :–

☞ Foundation Stage (3–8 वर्ष तक) कक्षा 1 से 2 तक के बच्चों को शामिल किया गया है, इसमें बच्चों को भाषा–कौशल और शिक्षण का ज्ञान दिया जायेगा ।

☞ Preparatory Stage बच्चों को क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाया जाएगा। इसके अंतर्गत कक्षा 3–5 (8–11 वर्ष तक) के बच्चे आएंगे जिनके भाषा और संख्यात्मक कौशल में विकास का उद्देश्य है।

☞ Middle Stage कक्षा 6 से 8 के बच्चें हेतु व्यावसायिक परीक्षण, इन्टर्नशिप प्रशिक्षण दिया जायेगा।

☞ Secondray Stage कक्षा 9 से 12 के बच्चों के लिए बच्चा कोई भी विषय चुन सकता है 2031 तक सभी जिलों में कम से कम एक बड़ा मल्टी सब्जेक्ट हाई इन्सटिट्यूट बनाने की योजना है। नई शिक्षा नीति भारत सरकार द्वारा 29 जुलाई 2020 से घोषित किया गया परन्तु वर्ष 2022 से प्रभावी हैं।

**✯ प्राथमिक विद्यालय के प्राथमिक शिक्षक और शिक्षिकाओं से आपकी क्या अपेक्षाएँ है?**

प्राथमिक शिक्षक/शिक्षिकाओं से मेरी यही अपेक्षा है कि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास में निष्ठापूर्ण अपनी जिम्मेदारी भूमिका निभाएँ।

**✯ पहले शिक्षा अधिकारी से प्रधानाध्यापक भयभीत रहते थे परन्तु अभी शिक्षक और शिक्षिकाएँ भी भयभीत हैं। इसका कारण क्या है?**

विद्यालय में नियमित रूप से पठन–पाठन करने वाले शिक्षक/शिक्षिका न तो पूर्व में भयभीत थे और न ही वर्तमान में भयभीत है, परन्तु नियमित रूप से विद्यालय में नही आने वाले शिक्षक/शिक्षिका पूर्व में भी भयभीत थे और वर्तमान में भी भयभीत है।

**✯ अप्रैल 2017 के पूर्व जमुई जिला में कितने प्राथमिक विद्यालय भूमिहीन और भवनहीन विद्यालय थे और वर्तमान में इस कोटि के विद्यालय कितने है और कितने का विलय हुआ है?**

अप्रैल 2017 से पूर्व जमुई जिला मे 132 प्रा0 विद्यालय भूमिहीन तथा भवनहीन थे और वर्तमान में नये उच्च विद्यालय स्थापित होने के उपरान्त इसकी सख्या 152 हैं। वर्तमान में कुल 30 विद्यालय है।

**✯ जो विद्यालय सरकारी भवन में था, फिर भी दूसरे विद्यालय में विलय कर दिया गया, इसका क्या कारण हो सकता है?**

वैसे विद्यालय जहाँ न तो शौचालय की व्यवस्था थी और न ही पेयजल की व्यवस्था थी और विद्यालय जर्जर अवस्था में थे वैसे विद्यालय को पास के विद्यालय में विलय कर दिया गया है।

**✯ आपके जिला में ऐसे भी प्रभारी है, जहाँ शिक्षकों को बच्चों की उपस्थिति अधिक नही दर्शाने पर, कभी पत्रकार बुलाया जाता है, तो कभी गुंडा तत्व को लगवाया जाता है, तो कभी अपराधी तत्व द्वारा**

**धमकाया जाता है और कभी चहेते शिक्षा अधिकारी बुलाया जाता है। इस संबंध में आप क्या कहना चाहेगें?**

इस संबंध में ऐसी कोई जानकारी मेरे संज्ञान में नही है। अन्यथा मैं उस पर कार्यवाही करता।

श्रीमान् जी आपने इस प्रश्न को गंभीरता से नहीं लिया धुआँ वही निकलती है, जहाँ आग है। वह प्रभारी पर बहुत भारी है। आपने नहीं सोचा कोई अधिकारी बुलाने पर क्यों आ जाते इतना ही नहीं ना कोई पत्रकार ना अधिकारी यह देखते हैं कि यहाँ साफ–सुथरा शौचालय है। क्या विकास के नाम पर जो राशि आती है, उसका सही ढंग से खर्च होता है या बंदरबांट होता है। अगर इस पर चिंतन नहीं किया गया तो विद्यालय इतिहास की पुस्तक में नया अध्याय जोड़ देगा।

# जीवन दीप पब्लिक स्कूल 29वॉ वार्षिकोत्सव पर 2022 उर्जा का आगाज

● **अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह**

या देवी सर्व भूतेषु विद्या रूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमा: तथा गुरू ब्रह्मं गुरू विष्णु गुरू देवो महेश्वरा गुरू साक्षात पर ब्रह्मं तस्मै श्री गुरूवै: नम: के साथ सुर्यनारायण सत्य नारायण ने मनमोहन रूप से गणेश वंदना मंत्रोचारण से गुंजा उठा जीवन दीप पब्लिक स्कूल का प्रांगण मंत्रमुग्ध हो गये सभी मगधा का गौरव भगवान बुद्ध महावीर की धारती नवादा का गौरव जिले का पहला सी0बी0एस0ई0 1993 मान्यता प्राप्त शिक्षा का प्रकाश स्तंभ का नींव जीवन दीप पब्लिक स्कूल का 29वॉ वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित की गई मुख्य अतिथि नालन्दा विश्व विद्यालय के वाइस चांसलर प्रो0 सुनैना सिंह ने द्वीप प्रज्जवलित कर विधिवत गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। मुख्य अतिथि नालन्दा अर्न्तराष्ट्रीय विश्व विद्यालय की वाइस चांसलर प्रो0 सुनैना सिंह ने विद्यालय के प्रबंध समिति के सदस्यो विद्यालय निदेशक डॉ0 उर्मिला भगत कार्यकारी निदेशक डॉ0 एकलव्य भगत, विद्यालय प्राचार्य आशिष आर शुक्ला और विद्यालय के शिक्षको एवं अपने कार्य के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनकी प्रशंसा की। विद्यालयो के सभी छात्रों का पूर्ण रूप से अनुशासित होने तथा कार्यक्रम मे उनके उम्दा प्रदर्शन को देखते हुए उनकी प्रशंशा की। साथ ही उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होने कहा कि शिक्षा वह हथियार है जो लोगों को अंधकार और बुराईयों से जकड़े हए समाज से निकलकर प्रकाश तथा उन्नति के शिखर तक ले जाती है। इधर विद्यालय के कार्यकारी निदेशक डॉ0 एकलव्य भगत ने अभिभावको व उपस्थित सभी लोगो का अभिवादन को करते हुए स्कूल और समाज के अपने विचार को अभिव्यक्त करते हुए। अपने पिता स्व0 वासुकी प्रसाद भगत को याद किया। उन्होने कहा कि मेरे पिताजी समाज में शिक्षा का अलख जगाने के लिए इस संस्थान की स्थापना की थी ताकि समाज के सभी वर्ग के बच्चे शिक्षित हो और अपने समाज राज्य और राष्ट्र का निर्माण में अपना सम्पूर्ण योगदान दे सके डॉ0 एकलव्य भगत ने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संकल्प लिया कि वह स्वयं उनके द्वारा दिखाये गये रास्ते पर आगे बढ़ते रहेगे और समाज को सुशिक्षित करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगें। साथ ही साथ उन्होनें वाइस चांसलर सुनैना सिंह के बारे में कहा कि अगर वीसी मैम के कृति का बखान किया जाय तो कम पड़ जायेगें। इन्हें कई देशों से कई डिग्रीयॉ एवं कई सम्मान मिला इनको नालन्दा विश्वविद्यालय की खोई हुई ख्याति को प्राप्त करने के लिए इन्होने इस अर्न्तराष्ट्रीय विश्वविद्यालय को नई दिशा देने का काम किया ताकि भारत फिर से विश्व गुरू कहला सके। उन्होने कहा गुरू अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते है। गुरू का दर्जा भगवान से भी उपर होता है। एक कवि कहा कि गुरू गोविन्द दो खड़े कामो काकु पॉव, बलिहारी गुरू आप में गोविन्द दियो बताये। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चो ने बाधा शमां बांध दिया, इस दौरान बच्चो द्वारा रंगारंग कार्यक्रमो की शुरूआत की गई। जिसमें विद्यालय के दशम् वर्ग की छात्र श्रेया कुमारी मंगल भवन अमंगल हारी श्लोक को प्रस्तुत कर कार्यक्रम के वातावरण को भक्तिमय बना दी। वही विद्यालय मे चतुर्थ वर्ग के छात्र नैतिक सूर्यनारायण सत्यनारायण ने मनमोहक रूप से गणेश वंदना की प्रस्तुति दी अष्टम वर्ग की छात्र सौम्या कुमारी तथा मनहा अजहर ने फूल तुम्हे भेजा है खत में गीत प्रस्तुत किया द्वितीय वर्ग की छात्र अन्नया, सानवी मायरा, तृतीय वर्ग की छात्र अन्वी, संजना व वर्ग छ: की छात्र नंदनी को सुनी जो उनके आने की आहट गीत पर कार्यक्रम नृत्य प्रस्तुत कर दर्शको के मन को मोहित कर लिया 10वी0 छात्र श्रेया कुमारी ने विष्णु श्लोक प्रस्तुत किया। क्रिड़ा शिक्षक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं दिलीप कुमार के निदेशक मे करण कुमार रौशन कुमार यशपाल राज, हर्षराज देव, प्रियांशु कुमार रिशु कुमार राजा कुमार, आर्यन कुमार ने साहस पिरापिड़ का प्रदर्शन कर लोगो को आश्चर्यचकित कर दिया। महाभारत का दृश्य का मंचन नौवी दशवी और 12वी के कलाकार विधार्थियो ने किया। विद्यालय के शिक्षक मोहम्मद रिचाजुद्दीन के निदेशक मे नन्हे मुन्ने कलाकारो ने ईदगाह कहानी पर नाटक का मंचन किया। इधर जिला स्तर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता मे स्कल विद्यार्थियो को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य आशिष और शुक्ला ने कार्यक्रम मे अभिभावको का आभार व्यक्त किया तथा विद्यालय मे जनवरी 2023 को जेनरल नॉलेज किवज प्रतियोगिता आयोजित करने की घोषणा की साथ ही सफल प्रतिभागियो को पुरस्कार देने की घोषणा की गई। आलोक राज नारायण 2021 मे इस स्कूल का IPS में 2021 में स्कलता प्राप्त कर जीवन दीप स्कूल नाम देश मे सर्वोच्च परीक्षा UPSC मे परचम लहराया। अपने जिला और राज्य का नाम रौशन किया। ●

# साइबर क्राइम में राष्ट्रीय पहचान बना रहा नवादा

## नालंदा के कतरीसराय से शक्ति वर्धक दवाई से शुरू हुआ ठगी का धंधा अब ले चुका है कई रूप

## *पुलिस प्रशासन ठगों के विरुद्ध कार्रवाई करने में असफल*

● **मिथिलेश कुमार**

डिजिटल युग में तीव्र गति से बढ़ते डिजिटल क्राइम ने जनसामान्य लोगों को जीना दुश्वार कर दिया है। यहां तक कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करने वाले लोगों अपने जरूरत के बेबसाइट को तलाशने और उस पर कार्य करने में भी असहज महसूस होता है। बड़े-बड़े कम्पनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के कम्पनियों से मिलते जुलते फर्जी बेवसाइट पर ठगे जाने का डर हमेशा बना रहता है। वैसे तो साइबर अपराध के मामले में देश के कई राज्यों में अलग अलग तरीके से साइबर फ्रॉड के मामले होते हैं लेकिन दक्षिण बिहार के दर्जनों जिले समेत बिहार के कई जिलों से यह धंधा संचालित होता है। खासकर नालन्दा के कतरीसराय से संचालित होने वाला धंधा आज पूरे देश में कैंसर की तरह फैल चुका है। नालन्दा एवं सीमावर्ती जिला नवादा, शेखपुरा, गया एवं जमुई आदि जिलों में बड़े पैमाने पर साइबर अपराधियों का बड़ा नेटवर्क काम करता है।नवादा जिले के वारिसलीगंज प्रखंड क्षेत्र के कमोबेश सभी गांव के सैकड़ों पढ़े-लिखे युवा साइबर अपराध के जरिए भोले भाले लोगों को ठग कर आलीशान मकान और लग्जरी वाहनों का मालिक बन चुके हैं। जिसे देखते हुए क्षेत्र के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवा तेजी से ठगी के गोरखधंधे में जुड़ते जा रहे हैं। लगभग डेढ़ साल पहले क्षेत्र के एक ठग को पटना हाई कोर्ट द्वारा जमानत देने से मना करते हुए नवादा वारिसलीगंज को जामताड़ा नहीं बनने दिये जाने की बात कहीं थी। हाईकोर्ट के सख्त टिप्पणी के बाद ठग के विरुद्ध पुलिस प्रशासन के द्वारा कुछ दिनों तक कार्रवाई में मामूली तेजी आई थी। लेकिन अब स्थिति जस की तस बनी हुई है। गौरतलब है कि क्षेत्र में हजारों की संख्या में रहे साइवर अपराधियों द्वारा हर रोज ठगी का नया स्वरूप का इजाद किया जा रहा है। जिस कारण देशभर के भोले-भाले लोग आसानी से ठगों के झांसे में आकर अपनी गाढ़ी कमाई ठगों को आसानी से सौंप देते है। बता दें कि नवादा, नालंदा, शेखपुरा जिले के सीमा पर बसा वारिसलीगंज काशीचक से सटा नालंदा जिला

का कतरीसराय बर्षो पहले से ठगी का मुख्य केंद्र रहा है। यहां के ठग लगभग पांच दशक पहले से यौन वर्धक दवाई, चर्म रोग ,यांत्रिक अगूंठी ,लिंगवर्धक दवा व अन्य प्रकार के रोगों का शर्तिया इलाज संबंधी विज्ञापन देशभर के अखबारों में देकर फर्जी दवाई देशभर में बेचने का काम करते थे। धीरे-धीरे लोगों को जानकारी होने व पुलिस दबिश के कारण फर्जी दवाई का गोरखधंधा मंदा पड़ने लगा तो लगभग एक दशक पहले देश के विभिन्न समाचार पन्नों, कुछ टीवी चौनलों पर चेहरा पहचानो इनाम पाओ का विज्ञापन देकर भोले भाले लोगों को अपने झांसे में लेकर ठगी का नया धंधा शुरू किया गया था। कुछ दिन बाद फिर ठगी का नया स्वरूप एटीएम बदलकर, एटीएम क्लोन, नौकरी, पेट्रोल पंप, महंगी गाड़ी, लॉटरी में निकलने प्रतियोगी परीक्षा व मैट्रिक इंटर परीक्षा में नंबर बढ़ाने एटीएम बंद होने के बाद चालू कराने के लिए ओटीपी पूछ कर रुपया उड़ाने में ठग लगा हुआ है। बता दें कि पूरे क्षेत्र को अपने आगोश में ले चुका ठगी के इस धंधे में कुछ पुलिस प्रशासन के लोग के साथ-साथ बैंक कर्मियों मोबाइल कंपनी के कर्मी की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा ठगों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

☞ **उम्र और योग्यता के अनुसार साइबर अपराधियों के द्वारा की जाती है भर्तियां :-** वारिसलीगंज के लगभग सभी गांव कहीं अधिक कहीं ज्यादा खूब फल फूल रहा है। जिसमें सभी वर्ग के उच्च शिक्षा प्राप्त युवक-युवती लगे हुए है। जिसे आसानी से कुछ गांव के बगीचा, खेत खलिहान या वैसे स्थान जहां पर नेटवर्क अच्छा हो आसानी से देखा जा सकता है। व्यक्तिगत रूप से ठगी करने वाले लोगों का बड़े पैमाने पर ठग संगठन बन चुका है। जिसमें सभी वर्ग, आयु क्षमता के अनुसार कार्य वितरण किया जाता है।

# दिल्ली पुलिस की निशानदेही पर रजौली पुलिस ने किया गिरफ्तार

रजौली थाना क्षेत्र के जोगियामरन पंचायत के तिलैया गांव से दिल्ली पुलिस के निशानदेही पर रजौली पुलिस ने साइबर क्राइम में संलिप्त दो लोगों को गिरफ्तार किया।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर दरबारी चौधरी ने बताया कि बीती रात्रि में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के एसआई मानवेद्र के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम साइबर फ्रॉड के केस में अनुसंधान एवं छापेमारी को लेकर रजौली थाने आयीं।रजौली थाना में पदस्थापित एसआई धीरज कुमार सिंह व एसआई अविनाश कुमार एवं सशस्त्र बल के साथ एक टीम बनाकर तकनीकी सूचना के आधार पर दिल्ली पुलिस के एसआई के साथ रजौली थाना अंतर्गत तिलैया गांव में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान तिलैया गांव निवासी सुरेन्द्र मांझी के पुत्र प्रह्लाद कुमार के घर से नालन्दा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के कतरडीह गांव निवासी स्व.जोधन भुइयां के पुत्र चन्दन कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति के शिनाख्त पर अग्रतर छापेमारी के क्रम में दूसरे आरोपित कतरीसराय थाना क्षेत्र के छाछो बिगहा गांव निवासी कपिलदेव सिंह के पुत्र गोपाल कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से नगदी एक करोड़ एक लाख रुपये के अलावे 16 मोबाइल एवं 25 एटीएम कार्ड बरामद हुई है। वहीं क्राइम ब्रांच के एसआई मानवेंद्र ने बताया कि बीते वर्ष 2022 के 1 दिसम्बर को दिल्ली क्राइम ब्रांच में मुंशी राम जैन के पुत्र जुगल किशोर जैन ने लिखित आवेदन देकर सायबर फ्रॉड के जरिये 58 लाख रुपये ठगने की बात बताई गई थी। जुगल किशोर जैन सीमेंट का थोक विक्रेता है। जिनसे गिरफ्तार ठगों ने जुगल किशोर जैन को अल्ट्रा टेक सीमेंट कम्पनी का मालिक बनकर कॉल किया। साथ ही 200 रुपये प्रति बोरी की दर से सीमेंट बेचने का प्रस्ताव रखा। जिसको लेकर जुगल किशोर जैन द्वारा 58 लाख रुपये ठगों द्वारा बताए गए एकाउंट नम्बर पर भेज दिया गया। किन्तु डिलीवरी नहीं होने पर यह मामला पुलिस के पास दर्ज हुई। बताया कि अन्य 43 लाख बरामद रुपयों के बारे में भी गिरफ्तार ठगों से पूछताछ की जा रही हैं। बताते चलें कि फ्रॉड गिरी का हब कहे जाने वाले कतरी सराय से फैलते हुए यह धंधा रजौली थाना क्षेत्र के बंद कमरों में भी चलने लगा।इसी का नतीजा है कि तिलैया गांव से कतरी सराय के साइबर ठग को गिरफ्तार किया गया। कतरीसराय के ठगों के शिकार देश भर के लोग होते हैं।यही कारण है कि आए दिन यहां दूसरे राज्यों की पुलिस ठगों की तलाश में पहुंचते रहती है। यहां ठग बड़े शातिर हैं और इनकी नेटवर्किंग भी तगड़ी है। दिल्ली से आए क्राइम ब्रांच के एसआई ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों की संलिप्तता अन्य सायबर ठगी मामलों में है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों को अनुमंडलीय अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के बाद नवादा एवं नालन्दा न्यायालय में न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत कर दिल्ली लेकर चले जायेंगे।

मोबाइल नंबर व डाटा उपलब्ध कराना, किसी कंपनी या सरकारी विभाग का साइट हैक कर संबंधित व्यक्ति का सारा जानकारी उपलब्ध कराना, व्यक्ति को झांसा देने के लिए मोबाइल के माध्यम से बात करने में पुरुषों के साथ साथ बड़ी मात्रा में महिलाएं भी शामिल है। एटीएम से पैसा निकालना, किसी ठग के पकड़े जाने पर पुलिस प्रशासन से छुड़ाने का काम कुछ सफेदपोश व पुराने हो चुके ढंग करते हैं, जिसे आसानी से थाना में पुलिस अधिकारियों की आवभगत करते देखा जा सकता है।

☞ **कोरोना काल में लौकडॉन के दौरान ठगों की संख्या में हुई बेहताशा वृद्धि :-** दो वर्ष पहले वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण काल के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के समय ठगी के धंधे से जुड़ने वाले युवक-युवतियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। लॉकडाउन के कारण सभी स्कूल कॉलेज बंद रहने के कारण बाहर रहकर पढ़ाई कर रहे विद्यार्थी सहित नौकरी गवा कर घर आ चुके प्रवासी भी घर बैठे अच्छी कमाई कर लेने के झांसे में आकर ठगी को पैसा कमाने का धंधा बना लिया। मिली जानकारी के अनुसार पहले से ही इस धंधा में गांव शहर में निवास करने वाले कुछ लोग उच्च शिक्षा इंजीनियरिंग, एमबीए स्नातक शिक्षा प्राप्त करने के बाद अच्छी नौकरी नहीं मिलने या नौकरी छोड़कर भी दर्जनों युवक युवती ठगी के धंधा में जुड़ा हुआ था। लॉक डॉन अवधि में साइबर अपराधियों के द्वारा कोरोना से ग्रस्त मरीजों के परिजनों से भी ऑक्सीजन सिलेंडर देने के नाम पर ठगी कर कई लोगों को मौत के मुंह में धकेल दिया । लॉकडाउन के दौरान स्कूल कॉलेज सहित प्रवासी के घर आ जाने के कारण ठगो की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। नए युवाओं को ट्रेंड करने के लिए पुराने ढंग सहित बंगाल व जामताड़ा के ठगों को मास्टर ट्रेनर के रूप में रखा जाता है। लोग मानते हैं कि पुलिस द्वारा पुख्ता कार्रवाई अब तक नहीं की गई।

☞ **देश के दर्जनों राज्यों से पुलिस पहुंची है नवादा :-** साइबर अपराधियों के गिरफ्त में आकर अपनी गाढ़ी कमाई को प्रलोभन में आकर गंवा बैठते हैं। फिर जाकर पुलिस में जाकर मामले दर्ज करवाते हैं।वैसे छोटे-छोटे मामले पर पुलिस भी गम्भीर नही होती है जब ठगी की रकम ज्यादा होती है तो पुलिस सक्रियता के साथ काम करती है। नवादा जिले के वारिसलीगंज एवं पकरिवरवां प्रखण्ड के दर्जनों गावँ में दूसरे राज्यों की पुलिस ने आकर छापेमारी किया है । पुलिस को सफलता भी मिली सैकड़ो युवक दूसरे राज्यों के जेलों में बंद है या जमानत पर छूटकर बाहर आये हैं। हालात काफी गम्भीर होते जा रहे हैं। साइबर अपराध के दलदल में फंसते जा रहे युवकों की फौज से जहां उनका भविष्य चौपट होता जा रहा है वही बच्चों पर भी इसका नकारात्मक असर काफी तीव्रता से पड़ा है। बीते दिनों दिल्ली पुलिस के दस सदस्यीय टीम ने रजौली पुलिस के सहयोग से बड़े नेटवर्क के गिरोह सरगना को गिरफ्तार किया है। ●

# शिक्षा मानव को आत्मनिर्भर एवं बेहतर इंसान बनाती है : जिला एवं सत्र न्यायाधीश

● **मिथिलेश कुमार**

शिक्षा के बगैर सफल जीवन की कामना बेमानी है, शिक्षा मनुष्य को आत्मनिर्भर ही नही वरण अच्छा इंसान भी बनाती है। उक्त बातें कुशवाहा सेवा समिति के द्वारा मौर्यनगर मिर्जापुर स्थित निर्माणाधीन कुशवाहा छात्रावास परिसर में आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का सम्मान समारोह में झारखंड राज्य के चाईबासा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह समारोह के मुख्य अतिथि श्री ओम प्रकाश ने कहा। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक माहौल में मनुष्य के लिए शिक्षा ही महत्त्वपूर्ण है। समारोह में उपस्थित हजारों छात्र -छात्राओं को उन्होंने सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि शिक्षा ग्रहण करने के दौरान कई बाधाएं आती है परन्तु बाधाओं को पारकर जो आगे बढ़ते हैं वही सफल होते है।उन्होंने कहा कि लहरों से डर कर नौका पार नही होती, कोशिस करने वालों की हार नही होती। इसलिये आप अपने सोच को ऊंचा रखें साथ ही साथ अपने सपनों को उड़ान देने के लिए अथक मेहनत और परिश्रम करें।आपकी रुचि जिस क्षेत्र में उस क्षेत्र में आप अपना सारा इफोर्ट लगा दें। उन्होंने अपनी सफलता एवं जीवन मे आये बाधाओं को भी शेयर किया। उन्होंने समाज के आन-बान और शान निशिकांत सिन्हा के द्वारा समाज के बच्चों के लिए शिक्षा को बढाबा देने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा भी किया। उन्होंने नवादा में कुशवाहा छात्रावास के निर्माण पर कहा कि यह छात्रावास देश के लिए नजीर बनेगा। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओम प्रकाश ,विशिष्ट अतिथि बिहार म्यूजियम उद्योग विभाग के निदेशक अशोक कुमार एवं विश्वविद्यालय सेवा आयोग के सदस्य प्रोफेसर डॉ उपेंद्र नाथ वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया समारोह का शुभारंभ भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया समारोह की अध्यक्षता महेश्वर प्रसाद ने किया। अतिथियों का स्वागत छात्राओ ने

सुरीली आवाज में स्वागत गान से किया। अध्यक्ष एवं सचिव ने आगत अतिथियों को बुके एवं शॉल तथा प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। समारोह को विशिष्ट अतिथि विश्व विद्यालय सेवा आयोग के सदस्य एवं साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार स्व0 राम प्रसाद सिंह के पुत्र डॉ0 प्रो0 उपेन्द्रनाथ वर्मा ने कहा कि आज का समारोह नवादा ही नही बिहार के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि समारोह ऐसे स्थान पर आयोजित हो रही है जहां कुशवाहा समाज के बच्चों के शैक्षणिक भविष्य की नींव रखी जा रही है ऐसे में कार्यक्रम की महत्ता काफी बढ़ जाती है।उन्होंने कहा कि मैं ऐसे परिवार से आता हूँ जहां शिक्षा और साहित्य वरदान के रूप में विरासत में मिला हुआ है और यह संयोग है कि आज मेरे पूज्य पिता स्व0 रामप्रसाद सिंह की आठवी पुण्यतिथि भी है। उनके पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों और विचारों पर चलने का संकल्प लेते हुए समाज के उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम करता रहूंगा। लेकिन मैं चाहता हूं कि यह लौ पूरे देश में समाज के बच्चों को एक नई दिशा दें।उन्होंने कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए समिति के प्रति आभार प्रकट किया तथा समिति के द्वारा किये गए कार्यो एवं प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी किया। समारोह को समिति के कई अधिकारियों ने भी संबोधित करते हुए छात्रावास निर्माण में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने और ऐसे महान कार्य की सफलता के लिए आर्थिक सहयोग की अपेक्षा किया। समिति के द्वारा मुख्य संरक्षक निशिकांत सिन्हा को युवाओं का आइकॉन और छात्रों का मसीहा बताया। उनकी अनुपस्थिति के बाबजूद निशिकांत सिन्हा समारोह में छाए रहे।समारोह में प्रतिभा खोज परीक्षा में सफल छात्रों के साथ साथ खेल के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों, राष्ट्रीय कोच एवं विभिन्न खेलों में सांगठनिक पदों पर अहम भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। यूपीएससी, बीपीएससी, आई आई टी, नीट एवं सामान्य प्रतियोगी परीक्षा के तर्ज पर आयोजित परीक्षा में सभी प्रथम

# विद्यार्थियों के बीच पावर बैक एवं डिजिटल डायरी का वितरण

प्रतिभा खोज प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हुए एक हजार से अधिक विद्यार्थियों के बीच रिच माइंड कम्पनी के निदेशक निशिकांत सिन्हा के आर्थिक सहयोग से पावर बैक सहित डिजिटल डायरी का वितरण किया गया। इतना ही नही कम्पनी बीते तीन बर्षो से अधिक समय से प्रत्येक बर्ष आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा में यूपीएससी बीपीएससी, नीट, आईआईटी एवं सामान्य प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को देश की राजधानी दिल्ली स्थित नामचीन कोचिंग संस्थान के साथ एडुकेशन हब कहा जाने वाला कोटा के कोचिंग संस्थानों में कोचिंग की फीस देकर उनके शैक्षणिक भविष्य के निर्माण की जिम्मेवारी उठाकर उन्हें सफलता की राह पर ले जा रही है। इस बर्ष भी उनके द्वारा दर्जनों बच्चों की जिम्मेवारी उठाने के बात कही है। हालांकि रिच माइंड डिजिटल कम्पनी के निदेशक निशिकांत सिन्हा ने कार्यक्रम में उपस्थित नही हो सके लेकिन उन्होंने समारोह में उपस्थित छात्र छात्राओं को सन्देश देते हुए कहा कि मैं शिक्षा का पक्षधर रहा हूँ और जब तक मैं रहूंगा वैसे छात्र जो प्रतिभावान हैं जिनमे प्रतिभा है उन्हें उनके मुकाम तक अवश्य पहुंचाने का प्रयास करूंगा। समारोह में आये मुख्य अतिथियों ने निशिकांत सिन्हा के द्वारा कुशवाहा सेवा समिति को किये जा रहे सहयोग और समाज के बच्चों के शिक्षा के प्रति दरियादिली और समर्पित भाव से नि:स्वार्थ होकर समाज के प्रति समर्पण बहुत मायने रखती है। समिति के अध्यक्ष ने कहा कि निशिकांत सिन्हा छात्र -छात्राओं के लिए मसीहा बनकर आएं हैं। उन्होंने समाज के आन - बान और शान निशिकांत सिन्हा के द्वारा समाज के बच्चों के लिए शिक्षा को बढाबा देने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा भी किया। विश्वविद्यालय सेवा आयोग के सदस्य प्रोफेसर डॉ उपेंद्र नाथ वर्मा ने भी निशिकांत सिन्हा की सराहना किया। समिति के अध्यक्ष एवं सचिव ने निशिकांत सिन्हा को छात्रों के लिए ईश्वर का दर्जा देते हुए कहा कि आज के जमाने मे समाज के प्रति इतना समर्पण विरले की करते है सही मायने में निशिकांत सिन्हा हमारे समाज के धरोहर ही नही युवाओं के आइकॉन है। उन्होंने निशिकांत सिन्हा को कार्यक्रम को सफल बनाने एवं आर्थिक सहयोग करने के लिए हृदय से आभार प्रकट करते हुए उनको शुभकामनाएं दी है। समारोह में आये दर्जनों बच्चों ने निशिकांत सिन्हा के द्वारा दिये गए पुरस्कार से काफी खुश दिखे एवं भविष्य में शिक्षा को हथियार बनाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में निशिकांत सिन्हा की अनुपस्थिति के बाबजूद वे सभी बच्चों के जवान पर सिर्फ निशिकांत ही छाए रहे।

☞ **कौन कौन हुए सम्मानित**

**खेल के क्षेत्र में :**-सन्तोष कुमार वर्मा (राष्ट्रीय कोच हैंडबॉल), राजेश कुमार मुरारी, मनीष आनन्द, अरविंद कुमार, डॉ बसन्त प्रसाद, प्रेम कुंज, श्याम सुंदर कुमार, इंदु कुमारी, दीप शिखा, डॉ आलोक कुशवाहा

☞ **प्रतिभा खोज परीक्षा में सफल छात्र :**- यूपीएससी, बीपीएससी, आई आई टी, नीट एवं सामान्य प्रतियोगी परीक्षा के तर्ज पर आयोजित परीक्षा में सभी प्रथम तीन-तीन छात्रों यूपीएससी/बीपीएससी में सोनू कुमार, मनीष कुमार, सुबोध कुमार, मेडिकल में प्रिंस सौरभ, प्रेरणा कुमारी, नीतीश कुमार, आईआईटी में दिवाकर कुमार, सलोनी कुमारी, प्रिंस कुमार तथा सामान्य में अरुण कुमार, राकेश कुमार तथा शिवपूजन कुमार।

तीन-तीन छात्रों यूपीएससी/बीपीएससी में सोनू कुमार, मनीष कुमार, सुबोध कुमार, मेडिकल में प्रिंस सौरभ, प्रेरणा कुमारी, नीतीश कुमार, आईआईटी में दिवाकर कुमार, सलोनी कुमारी, प्रिंस कुमार तथा सामान्य में अरुण कुमार, राकेश कुमार तथा शिवपूजन कुमार को रिच माइंड डिजिटल कम्पनी के निदेशक सह समिति के मुख्य संरक्षक निशिकांत सिन्हा के द्वारा देश के नामचीन कोचिंग संस्थानों में तैयारी करने के लिए आर्थिक भार उठाने की घोषणा की गई। समारोह में सामान्य प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को रेलवे इंजीनियर सह रेलवे संवेदक दिनेश कुमार एवं सुधीर मेहता ने लैपटॉप दूसरे स्थान रहे प्रतिभागी को शीतल कुशवाहा ने एंड्रॉयड मोबाइल एवं तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले को समाजसेवी दयानन्द प्रसाद ने साइकिल तथा प्रखण्ड टॉपर को सांत्वना पुरस्कार दीवाल घड़ी देकर सम्मानित किया गया साथ ही साथ तीस प्रतिभागियों को नरहट प्रखण्ड के शिक्षक टिंकू कुमार के द्वारा दीवाल घड़ी देकर सम्मानित किया गया। रिच माइंड डिजिटल कम्पनी के सौजन्य से करीब एक हजार छात्र छात्राओं के बीच डिजिटल डायरी बांटी गई। समारोह का संचालन पूर्व सचिव रामचन्द्र सोनी एवं नागेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर सचिव विजय कुमार कोषाध्यक्ष संजय कुमार, बैधनाथ कुशवाहा, अर्जुन कुशवाहा, राम किसुन महतो, शीतल प्रसाद, दीपक कुमार, अरुनजय मेहता डॉ विनीता प्रिया, मुकेश कुमार, इंद्रपाल जॉनसन, शिवशंकर प्रसाद सहित जिले के विभिन्न प्रखंडो से आये हुए हजारों लोग मौजूद थे।●

# जे.पी. की कर्मभूमि से लोहिया के रास्ते चल रहे नवादा के कर्मवीर

● राजीव कुमार

कर्मवीर का शाब्दिक अर्थ कर्मशील, मेहनती, परिश्रमी, लोकहित में कर्म करने में निपुण, विभिन्न बाधाओं को नष्ट करते हुए कर्तव्य पालन करने वाला कर्मठ पुरुषार्थी होता है। अपने नाम के अनुरूप अपनी पहचान बना कर बड़े-बड़े महापुरुषों को अपना आदर्श मानकर उनके रास्ते पर चलने एवं उनके सद्गुणों को अपने जीवन में उतारने की चाहत रखने वाले वैसे व्यक्तित्व का मिलना संजोग ही कहा जा सकता है। वेशभूषा से साधारण व्यक्तित्व एवं औसत कद काठी परंतु ललाट पर तेज एवं आंखों में अजीब सी चमक तथा चेहरे पर छाई गंभीरता इस बात का साक्षी अवश्य हो जाता है तो ऐसे इंसान की पहचान काफी मुश्किल होती है। परंतु दिव्य ज्योति की तरह प्रकाश पुंज बनने वाले की पहचान बनते भी देर नहीं होती है। हम बात कर रहे हैं नवादा जिले के अति पिछड़े प्रखंडों में सुमार और नक्सलवादियों की शरण स्थली रहने वाला स्थान कौवाकोल प्रखंड का, वैसे तो यह प्रखंड आर्थिक और व्यवसायिक दृष्टिकोण से बहुत ही पिछड़ा है, बावजूद अपनी उपलब्धियों को लेकर देश के मानचित्र पर भी स्थापित है। क्योंकि कौवाकोल के सर्वोदय आश्रम में बिहार के लोक नायक एवं सामाजिक चेतना के मसीहा जयप्रकाश की कर्मभूमि रही है। सर्वोदय आश्रम में जहां खादी ग्राम उद्योग की स्थापना की गई थी उसी स्थान से जेपी ने बिहार एवं देश को नई दिशा दी थी । त्रिपुरारी शरण ने प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए हौण्डलूम से निर्मित वस्तुओं का निर्माण की आधारशिला ग्राम निर्माण मंडल की स्थापना किया था। वहीं कौवाकोल कपासिया में कुष्ठ से ग्रसित मरीजों के लिए भी आश्रम बनाया गया था। आज भी सर्वोदय आश्रम जेपी के जीवंत दस्तावेज के रूप में सुरक्षित है। जहां कृषि विज्ञान केंद्र सहित ग्रामीणों के विकास के लिए कई योजनाओं की विधिवत प्रयोगशाला के रूप में काम कर रही है। प्रखंड के देवनगढ़ की बात करें तो पुरातात्विक विभाग के द्वारा किये गए सर्वे के अनुसार यह गावँ इतिहासिक है। पंचायत के गांव जहां की मिट्टी में जन्म लेकर खेतों से निकलकर जेपी ,लोहिया के सपने को पूरा करने के साथ समाज के लिए समर्पित कर्मवीर प्रसाद कम समय में अपने कर्म की बदौलत शब्दों में सरलता एवं व्यक्तित्व के धनी अपनी पहचान बनाई है। कर्मवीर प्रसाद ने सामाजिक जीवन के लिए समर्पित होकर

व्यक्तिगत जीवन को विराम दे दिया है। उनसे खास मुलाकात में इनके द्वारा किए गए बातचीत पर आधारित उनकी कहानी काफी प्रेरणादायक और रोचक है। जो वर्तमान परिवेश में काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि होश संभालते ही मुझे ऐसी विचारधारा एवं सामाजिक ताने-बाने को महसूस करने का अवसर मिला हमारे पिता गांधी ,लोहिया एवं अंबेडकर के अनुयाई थे। तथा सर्वोदय आश्रम में खादी ग्रामोद्योग तथा ग्राम निर्माण मंडल से जुड़े रहने वाले लोग थे। उन्होंने बचपन में ही मुझे अंबेडकर ,महात्मा गांधी, विनोबा भावे, ज्योतिबा फुले ,लोकनायक जयप्रकाश के साथ-साथ देश की आजादी में सर्वोच्च बलिदान करने वाले वीरों चंद्रशेखर आजाद, वीर भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस के बारे में पढ़ने एवं समझने के लिए प्रेरित किया। पिताजी ने ही बताया था कि मैं खादी ग्रामोद्योग से जुड़ा हुआ हूं। मानवतावाद एवं समाजवादी विचारधारा से ओतप्रोत जीवन जीवन जीने वाले पिता ने मुझे हमेशा ही इन्ही लोगों के मार्ग पर चलने की नसीहत दिया। उन्होंने कहा था कि जीवन में हमेशा भीमराव अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया एवं जेपी के आदर्शों पर ही चलना लेकिन जब जरूरत पड़े तो क्रांतिकारियों के बलिदान को स्मरण कर उनकी क्रांतिकारी विचारधारा को भी आत्मसात करना ।बदलते परिवेश में गांधी, लोहिया एवं जेपी के सपनों को आघात पहुंचा है। बिहार में बदलते राजनीतिक समीकरण एवं राजनीतिक पार्टियों के निति विहीन महत्वकांक्षी ने राजनीति के आयाम को ही बदल दिया है। बिहार एवं देश की राजनीति में सादगी एवं ईमानदारी के प्रतीक राजनेताओं के जगह पर कुंठित एवं अपराधिक मानसिकता वाले राजनेताओं की हो गई है। समय और परिस्थितियां बदलने के साथ-साथ राजनेताओं की महत्वाकांक्षा भी काफी बढ़ती गई। सत्ता और सियासत की लोलुपता ने सामाजिक ताने-बाने एवं संवैधानिक ढांचे को चोट पहुंचाई है। मेरा देश सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था ।लेकिन आज हालात काफी बदल चुके हैं देश पूंजी एवं कॉरपोरेट जाल में फंसता जा रहा है देश को भ्रष्टाचार एवं भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले राजनीतिक संरक्षण कारों के द्वारा लूटा जा रहा है। देश के गद्दार नेता और जनप्रतिनिधिय अपने स्वार्थ सिद्धि में लगे हैं। देश के हालात बदलते जा रहे हैं। आजादी के 75 वर्षों के बाद भी समाज के निचले पायदान पर रहने वाले गरीब मजदूर ,बेरोजगार, मजदूर किसान मुख्यधारा से विमुख होते जा रहे हैं अमीर दिन दूना रात चौगुना होता जा रहा है। वर्तमान समय में देश में बेरोजगारी, दहेज प्रथा, अपहरण, बलात्कार, महिला उत्पीड़न ,अत्याचार गरीबों का शोषण ,भुखमरी, सांप्रदायिक मतभेद, जातीय हिंसा केंद्र एवं राज्य सरकार के दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार, शिक्षा माफिया का प्रभाव, सरकारी राशि की लूट, राजनीति में वंशवाद एवं जातिवाद को बढ़ावा आदि समस्याओं से देश की जनता त्राहिमाम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में किसानों गरीबों मजदूरों बेरोजगारों , समाज के वंचित वर्ग के लोगों में जब तक अपने हक एवं अधिकारों की लड़ाई लड़ने की क्षमता नहीं होगी तब तक देश के खास वर्ग का शोषण होता रहेगा ।बिहार में समाजवादी चिंतक एवं राम मनोहर लोहिया के रास्ते पर चलने वाले लोक नायक जयप्रकाश की कर्मभूमि कौवाकोल से लोकनायक सर्वोदय कर्मवीर मंच द्वारा पूरे बिहार में क्रांतिकारी जन आंदोलन चलाया जाएगा। जो बिहार के शोषित, वंचित दबे -कुचले गरीब किसानों की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। जिसका नेतृत्व कर्मवीर करेंगे। आने वाला समय कर्मवीर के कर्मों पर नई इबारत लिखने को आतुर है।कर्मवीर पेशे से शिक्षक है और हमेशा वैसे लोगों की परेशानियों से चिंन्तित रहते हैं जो वास्तव में सरकार के द्वारा चलाये जा रहे लोककल्याणकारी योजनाओं के हकदार है तथा यहां के प्रशासनिक व्यवस्था से काफी परेशान हैं। मंच वैसे लोगों के हर दु:ख एवं सुख में शामिल होकर उन्हें सम्बल प्रदान करने की कोशिश हमेशा करता रहेगा।●

# जरासंध पर अभद्र टिप्पणी को लेकर राष्ट्रपति को दिया गया ज्ञापन

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

अटॉर्नी जनरल श्री आर बैकट रमणी के द्वारा अभद्र टिप्पणी लेकर पूरे भारतवर्ष के चन्द्रवंशियो में भारी आक्रोश है खासकर बिहार, यू0पी0, एम0पी0, झारखड नई दिल्ली समेत पूरे भारत में इसका विद्रोह प्रदर्शन आगजनी हो रही है। 5 दिसंबर 2022 को सर्वोच्च न्यायालय में नोटबंदी, कालाधान, आतंकवाद के चर्चा के दौरान भारत सरकार के माननीय अटार्नी जनरल श्री आर0 वेंकटरमणी द्वारा कहा गया कि जरासंध जी को जिस तरह टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहिए। यह वक्तव्य से जरासंध महाराज जी मे आस्था और वंसज मानने वाले बिहार और देश के करोड़ो चंद्रवंशी समाज को काफी ठेस पहुंचा है। जिससे यह समाज आहत एवं आक्रोशित है। अटॉर्नी जनरल को पता होना चाहिए की जरासंध महाराज मगधा के प्रथम कुशल शासक थे दान प्रिय एवं वचन के पक्के थे, इन्हें देश के करोड़ो चंद्रवंशी समाज अपना कुल देवता मानते है और इनकी जयंती बिहार समेत पूरे देश के गांव में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। भारत सरकार के अटार्नी जनरल द्वारा मगध सम्राट जरासंध जी पर अभद्र टिप्पणी करके करोड़ो चंद्रवंशी समाज के लोगों को अपमान किए है। जिसे चंद्रवंशी समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता। अटार्नी जनरल महोदय को जानकारी होना चाहिए कि मगधा सम्राट जरासंध महाराज अपराजय राजा थे, जो कभी किसी से युद्ध मे नही हारे थे। यहां तक कि कृष्ण

को भी युद्ध के दौरान पराजय के भय से युद्ध के मैदान से 17 बार भागना पड़ा था। जिससे इनको रणछोड़ की उपाधि श्री कृष्ण को मिली। महाराज युधिष्ठिर को चक्रवर्ती सम्राट बनाने के लिए श्री कृष्ण, अर्जुन, भीम जी को ब्राहमण का वेश बनाकर महाराजा जरासंध जी के राजधानी राजगीर मे जाना पड़ा था और उनसे ब्राह्मण के वेश में वचन लिया था कि जो हम मांगेगे आप देगें क्योंकि महाराजा जरासंध वचन के पक्के थे और उन्होने श्री कृष्ण को वचन दिया कि आप जो मांगेगे हम देंगे यानि कि छल करके उनसे वचन लिए। जरासंध महाराज अपने वचन के अनुसार श्री कृष्ण द्वारा मलयुद्ध करने का वरदान मांगा। महाराजा जरासंध अपने वचनबद्धता को मानते हुए मलयुद्ध भीम के साथ करने को तैयार हो गए।

भारत मे चन्द्रवंशियो का गौरवशाली इतिहास रहा है भारत देश का नाम 'भरत' जो चन्द्रवंशी ये उनके नाम पर आज भारतवर्ष जाना जाता जरासंध ने अपने पराक्रम से 275 राजा को वंदी बनाया तथा 5000 वर्ष तक इनके वंशजो के शासक का उल्लेख मिलता है। इतिहास गवाह की इनकी भुजाओं मे इस हजार हाथी का बल था, जिसे दुनिया लोहा मानती है। जरासंध के जन्म दिवस पर हमलोग जेठान पर्व मनाते है। जरासंध शिव समेत 84 करोड़ देवता को राजगृह में उतारे थे, तभी से मलमास मेला का आयोजन होता आ रहा है। छठ पर्व भी इन्ही का देन है। छठ पर्व करने से पाण्डव का राजपाठ लौटा था। इन्हे मगध सम्राट की उपाधि दी गई। भारत वर्ष प्रथम चक्रवति सम्राट कहलाये।

ज्ञात हो कि जरासंध महाराज जी शिव भक्त थे। ब्राह्मणों एवं अतिथि देवो भव: धर्म के पक्के थे। सम्राट जरासंध अपने परम शत्रु को भी अतिथि के रूप में आने पर उसे अतिथि के रूप में सेवा करना अपना धार्म समझते थे। भारत सरकार के अटार्नी जनरल ने महाराज जरासंध जी पर इस तरह का अभद्र टिप्पणी कर बिहार समेत देश के करोड़ो चंद्रवंशी समाज के आस्था के साथ अपमान किया है। जिसे हम निंदा करते है। इस तरह के कृत के लिए देश के लोगो से माफी मांगनी चाहिए। इस तरह के अज्ञानी अटार्नी जनरल को इस पद बने रहना देश के लिए ठीक नहीं है। दूसरी तरु बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी द्वारा 27 नवबंर 2022 को मगध सम्राट जरासंध जी के राजधानी राजगीर में जरासंध स्मारक बनाने की घोषणा की गई और स्मारक स्थल का भी चयन कर दिया गया, क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जानते है कि महाराज जरासंध एक प्रतापी राजा थे। जिनके साथ आज भी करोड़ो चंद्रवंशी का आस्था जुड़ा हुआ है और चंद्रवंशी समाज अपना कुलगुरू मानते है। इधार बिहार बिधाान परिषद के सदस्य डॉ0 रामबली सिंह ने जोर शोर से बिधान परिषद ने अटॉर्नी जनरल के विरूद्ध मामला को उठाया उन्होने कहा कि किसी धर्म के कुल देवता का अपमान कोई समाज बर्दाश्त नहीं करेगें। जरूरत पड़ी तो पूरे देश में आंदोलन करेगें। साथ ही चन्द्रवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद अशोक कुमार दिल्ली के जनतर मंतर पर धरणा दिया और विधि मंत्री एवं अन्य को ज्ञापन सौंपा।

चंद्रवंशियों के आराध्य देव एवं महाभारत कालीन मगध साम्राज्य के प्रथम चक्रवर्ती सम्राट जरासंध जी के विरूद्ध भारत के अटॉर्नी जनरल

वेंकेटरमणि द्वारा 5 दिसम्बर 2022 को सर्वोच्च न्यायालय में काला धन आतंकवाद फंडिंग एवं जाली करेंसी से संबंधित एक मामले के निष्पादन के समय यह कहना कि यह बहुत बड़ा अपराध है और इसे जरासंध की तरह टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहिए। अटॉर्नी जनरल के इस बयान से राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा अशोक आजाद ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि अटॉर्नी जनरल के द्वारा दिया गया बयान से चंद्रवंशी समाज काफी दुखी एवं आक्रोशित है और इसके विरोध में झंडा लेकर रोड पर उतर गया है। उनका मांग है कि अटॉर्नी जनरल को अपना इस गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी को वापस लेना चाहिए और ऐसे कृत्य के लिए उनको चंद्रवंशी समाज एवं मगध वासियों से माफी मांगनी चाहिए। इसको लेकर देश के स्तर पर जगह-जगह धरना प्रदर्शन, पुतला दहन प्रारंभ हो गया है और चंद्रवंशी समाज इस मुद्दे पर आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में आ गये हैं। इस आंदोलन को किसी भी राजनीतिक पार्टी से न जोड़कर देखना चाहिए और न इसे जोड़ना चाहिए, तभी चंद्रवंशियों का आंदोलन सफल होगा। परंतु यह दुर्भाग्य की बात है कि भारतीय जनता पार्टी (चंद्रवंशी समाज) के कुछ बड़े नेता इस घटना को राजनीतिक चश्मे से देख रहे हैं और उन्हे लग रहा है कि अटॉर्नी जनरल का विरोध करना भारत सरकार का विरोध करने के सामान है। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमारा राजनीतिक दल (भारतीय जनता पार्टी) नाराज हो जायेगा। उनके इस तरह के घटिया सोच एवं मानसिकता का चंद्रवंशी समाज में जगह-जगह विरोध होना शुरू हो गया है। अब तो लोग यह भी मांग करने लगे हैं कि अटॉर्नी जनरल के साथ इन लोगों का भी पुतला दहन होना चाहिए। जबकि उन्हें आगे बढ़कर इस मुद्दे के लिए प्रधानमंत्री और विधि मंत्री को ध्यान आकृष्ट कराना चाहिए और उन्हें बताना चाहिए कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो चंद्रवंशी समाज नाराज हो जायेगा और आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी को बहुत बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा। दूसरी तरफ कुछ नेता इस घटना को राजनीतिक रंग देना चाहते हैं, वह भी बिल्कुल निंदनीय है। इस पर तत्काल रोक लगना चाहिए। चंद्रवंशी समाज के बुद्धिजीवियों को इस विषय में आगे आना चाहिए और जिनके भी दिमाग में इस तरह का वहम घूस गया है, उसे निकालने में यथासंभव प्रयास करना चाहिए। वरना यह लड़ाई राजनीति के दलहीज पर दम तोड़ देगा और आने वाला इतिहास हम सभी चंद्रवंशियों को कभी माफ नहीं करेगा। चंद्रवंशी समाज से आग्रह है इस मुद्दे को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखे और जब तक सरकार इस बयान पर क्षोभ प्रकट और अटॉर्नी जनरल के विरूद्ध कार्रवाई नहीं करती है तब तक हमारा आन्दोलन जारी है और आगे भी जारी रहेगा। इसी दृष्टिकोण से आगे बढ़े। ●

# म्यांमार में गलत तरीके से कार्य करा रहे दो युवक गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

म्यांमार में बंधक बनाकर गलत तरीके से कार्य करा रहे जिले के पोठिया के दो भारतीय युवकों को किशनगंज पुलिस के प्रयाश से मुक्त कराया गया है। दोनो युवक सकुशल वापस लौट गए। युवकों को कंबोडिया में अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। मामले में 16 दिसम्बर को पोठिया, के गफरुद्दीन के द्वारा एसपी कार्यालय में एक आवेदन दिया गया था। आवेदन में यह बताया गया था कि इस्लामपुर पंचगछिया के अब्दुल हमीद के द्वारा पीड़ित गफरुद्दीन के पुत्र फकरुद्दीन एवं उनके दोस्त शाहजहां को कंबोडियाँ देश में अच्छी नौकरी दिला देने की बात कही गई थीं। झांसे में आकर दोनो कंबोडिया जाने के लिए तैयार हो गया। उस समय नौकरी दिलाने की बात कह दोनो युवकों से पांच-पांच लाख रुपये लिए गए थे। कम्बोडिया जाने की बात कह दोनो युवकों को ले जाया गया। बाद में पता चला कि दोनो को कंबोडिया न ले जाकर कहीं और ले जाया गया है तथा उनसे बताया गया कार्य न कराकर मजदूरी का कार्य कराया जा रहा है। घर में इन्हें बात करने भी नहीं दिया जा रहा था। इस शिकायत पर पोठिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। अनुसंधान में पता चला कि उक्त दोनों युवकों को नौकरी का झांसा देकर थाईलैंड ले जाया गया था। जहां से उसे समुद्री मार्ग से म्यांमार भेज दिया गया। उन्हें किसी साईबर फ्रॉड में मदद करने के लिए कहा जाता था। पुलिस ने म्यांमार स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क स्थापित कर दोनों युवकों को मुक्त कराते हुए सकुशल उनके घरवालों को सुपूर्द किया। ●

## अभी कलम उठाइये

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन हेतु डीएम की बैठक

● धर्मेन्द्र सिंह

जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस, 2023 के आयोजन की तैयारी हेतु समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित किया गया, जिसमें सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी, गणमान्य स्थानीय जन प्रतिनिधि , सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यालय के प्राचार्य, प्रबुद्ध जन शामिल हुए। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह शहीद अशफाक उल्लाह खां स्टेडियम ,खगड़ा में आयोजित किया जाएगा, जहां पूर्वाह्न 09 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। समाहरणालय में पूर्वाह्न 10 बजे, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में पूर्वाह्न 10:20 बजे, अनुमंडल कार्यालय में पूर्वाह्न 10:40 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। विगत वर्षों की भांति महादलित टोलों में भी झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बैठक में डीएम ने इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर विभिन्न आकर्षक झाकियों की प्रस्तुति, विद्यालय में बच्चो के बीच कार्यक्रम, नगर परिषद अंतर्गत महान विभूतियों के सभी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और झंडोतोलन तथा सजावट करने का निर्देश दिया। साथ ही, बैठक में उपस्थित अतिथियों से सुझाव भी प्राप्त किए गए। प्रभात फेरी कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं शामिल रहेंगे। राष्ट्रीय ध्वज की सलामी के लिए बीएसएफ, डीएपी और गृह रक्षा वाहिनी की प्लाटून पूर्वाभ्यास करेंगे। विभिन्न समारोह स्थलों पर झंडोत्तोलन के अवसर पर राष्ट्रीय गान की व्यवस्था हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी को तीन सर्वोत्तम टीम चयन करने का निर्देश दिया गया। मुख्य समारोह स्थल पर मंच का निर्माण, दर्शक दीर्घाओं का निर्माण, बैरीकेडिंग की व्यवस्था, स्टेडियम की रंगाई का निदेश कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल को दिया गया। झंडोत्तोलन के कार्यक्रम को सोशल मीडिया पर आम जनता के लिए लाइव प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी/उत्कृष्ट कर्मी को अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर आगंतुक जनप्रतिनिधियों/विशिष्ट अतिथियों/महिलाओं/पत्रकारों आदि को अलग-अलग दीर्घाओं में बिठाया जाएगा एवं प्रत्येक दीर्घा में दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए जायेंगे। समारोह स्थल सहित संपूर्ण शहर के मुख्य सड़कों एवं गलियों की सफाई सुनिश्चित कराने का दायित्व कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद किशनगंज को दिया गया।

जिलाधिकारी के द्वारा सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई कराने ताकि गणमान्य के द्वारा प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जा सके। मुख्य झंडोत्तोलन स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज को त्रुटिरहित बांधने का कार्य परिचारी प्रवर अपनी देखरेख में संपन्न कराएंगे। विधि व्यवस्था संधारण हेतु अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी को सभी पदाधिकारियों के लिए महादलित टोला में झंडोत्तोलन स्थल निर्धारित करने का निर्देश दिया गया। महादलित टोलों में झंडोत्तोलन के वक्त सारी व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया। मुख्य समारोह स्थल खगड़ा स्टेडियम के आसपास यातायात व्यवस्था तथा मंच पर झंडोत्तोलन के समय मंच के सामने समुचित व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया। अतिथियों को आमंत्रित करने के लिए आमंत्रण पत्र भी छपवाने का निर्देश नजारत उप समाहर्त्ता को दिया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, जीविका, स्वास्थ्य, शिक्षा, आईसीडीएस, कृषि, पीएचईडी, बाल संरक्षण, पुलिस, परिवहन, मद्य निषेध कार्यालय द्वारा आकर्षक झांकियां प्रस्तुत किया जाएगा। तैयारियां प्रारंभ करने हेतु डीएम ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए पूरे हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन का निर्देश दिया गया। इस बैठक में उप विकास आयुक्त मनन राम, अपर समाहर्त्ता, अनुज कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी संदीप कुमार, एसडीएम अमिताभ कुमार गुप्ता, सिविल सर्जन, सभी वरीय उप समाहर्त्ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनवर जावेद अंसारी, पुलिस उपाधीक्षक सहित सभी जिलास्तरीय पदाधिकारियों एवम सचिव इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी मिक्की साहा, प्रो सजल प्रसाद, मारवाड़ी कॉलेज व अन्य प्रबुद्ध जन, सामाजिक कार्यकर्ता ने भाग लिया। ●

# जवानों ने 29 मवेशियों को किया जब्त

एसएसबी 12वीं बटालियन के जवानों ने 21 दिसंबर की देर रात गुप्त सूचना पर छापेमारी कर तस्करी के 29 मवेशियों को जप्त किया है। एनएच 27 स्थित फरिंगगोड़ा चेक पोस्ट पर की गई कार्रवाई के दौरान कंटेनर सवार एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के बाद एसएसबी 12वीं बटालियन के कमांडेंट मुन्ना सिंह के निर्देश पर एक टीम का गठन किया। टीम फरिंगगोड़ा चेकपोस्ट पर घात लगाकर बैठ गई। इसी दौरान जवानों ने किशनगंज की दिशा से तेज रफ्तार से आ रही कंटेनर को रोका। कंटेनर में 29 मवेशियों को क्रुरता पूर्वक रखा गया था। पूछताछ के दौरान कंटेनर चालक ने मवेशियों के संबंध में ना तो संतोषजनक जवाब दिया और ना ही वैध कागजात प्रस्तुत कर सका। नतीजतन मवेशियों को जप्त कर चालक को गिरफ्तार कर सदर थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। असम के कोकराझाड़ जिले के उदलपुरी भेड़यागुड़ी निवासी आरोपी मैनुल पिता अनिमुद्दीन मवेशियों को तस्करी कर असम ले जा रहा था। गौरतलब हो कि इन दिनों किशनगंज एनएच-27 के रास्ते मवेशियों की तस्करी अत्यधिक तस्कर के द्वारा किया जा रहा है। मवेशी तस्कर किशनगंज को सैफ जोन मानकर बजापते पशु तस्करी कर रहे है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार पशु तस्कर का किशनगंज बिहार बस स्टैंड में रात्रि 11 बजे के बाद हुजूम लगता है कई बार खबर के माध्यम से खबर प्रकाशित भी किया गया पर कोई कार्रवाई अब तक नही हुई है ये अपने आप मे सवाल है। **रिपोर्ट :- धर्मेन्द्र सिंह**

# पकड़ा गया जासूस, सेना की जानकारी भेजता था पाकिस्तान

● धर्मेन्द्र सिंह

राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने किशनगंज से सटे पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के डीएसपी सुदीप भट्टाचार्य ने आरोपी जासूस की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ ने आरोपी को जलपाईगुड़ी कोर्ट में पेश किया। जहां से न्यायाधीश ने उसे 14 दिनों तक हिरासत में रखने का आदेश दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी का नाम गुड्डू कुमार है। बताया जा रहा है कि वह जांच एजेंसी को पूरा सहयोग नहीं कर रहा है जिससे तफ्तीश में दिक्कत हो रही है। लेकिन, जांच एजेंसी सख्ती से पूछताछ कर जानकारी जुटाने में लगी है। जानकारी सामने आई है कि आरोपी बिहार के मोतीहारी (पूर्वी चंपारण) का रहनेवाला है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, गुड्डू के बारे में केंद्रीय एजेंसी से राज्य पुलिस को जानकारी दी गई। इसके आधार पर एसटीएफ ने गुड्डू के मोबाइल को ट्रेस करना शुरू किया। बताया जाता है आरोपी सिलीगुड़ी में किराये के मकान में रहता था और टोटो चलाता था। वह टोटो के साथ शहर और आसपास के विभिन्न इलाकों में जाता था। सूत्रों के अनुसार, करीब 2 साल से वह सिलीगुड़ी और आसपास के इलाकों के सेना के कैंपों की जानकारी पाकिस्तान भेजता था और इसके लिए रुपए लेता था। हाल के दिनों में बॉर्डर क्षेत्र के जिलों से यह दूसरी गिरफ्तारी है। इससे पहले 3 नवंबर को किशनगंज जिले के गलगलिया थाना क्षेत्र से पाकिस्तानी मूल की महिला फरीदा मल्लिक को गिरफ्तार किया था। वह किशनगंज के रास्ते नेपाल जाने की फिराक में थी। बहरहाल, बॉर्डर क्षेत्र के जिलों से लगातार दूसरी गिरफ्तारी बड़े सवाल खड़ा करता है। अब यह गिरफ्तारी दर्शाती है कि बिहार के सीमावर्ती जिलों में देश विरोधी तत्व अपना नेटवर्क बढ़ा चुके हैं जो सभी जांच एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। ●

# यमराज बनकर सड़कों पर दौड़ रही बालू लदी ओवरलोड ट्रकें

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र के मिरभिट्टा एनएच 327ई पर एक ओवरलोड बालू लदी ट्रक बी आर 11 जी बी 4451 का एक्सल टूटने के कारण ट्रक का चक्का निकलकर ई रिक्शा से जा टकराई जिससे ई रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और उसमे बैठे लोगों को चोट आई है। मौके पर मौजूद ट्रक ड्राइवर ने बताया की बालू लोड कर के ठाकुरगंज से अररिया जाने के क्रम में ये दुर्घटना शनिवार को तकरीबन 11 बजे दिन में मीरभिट्टा में एनएच 327 ई पर हुई। ई रिक्शा चालक ताराबरी निवासी कथित गालिब बताया गया है। ओवरलोड वाहनों का परिचालन ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट पर धड़ल्ले से जारी जिसके आए दिन ट्रक का कुछ न कुछ टूटता रहता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इससे पूर्व भी ओवरलोड वाहनों की खबरे प्रकाशित की गई है। अहले सुबह से ही ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट पर बालू लदे ओवरलोड वाहनों का परिचालन शुरू हो जाता है। आए दिन सड़कों पर यमराज बनकर ओवरलोड वाहनें दौड़ रही है। ●

# मोहब्बत में बेवफा आशिक ने ली अपनी माशूक की जान

● फरीद अहमद

दिनांक- 21.12.22 को सुबह में पुलिस को सूचना मिली की ग्राम डुमरिया स्थित खेत में एक लड़की का शव पड़ा हुआ है। उक्त सूचना पर स्थानीय थाना पौआखाली घटनास्थल पर पहुँचकर मृतका के शव को महिला पदाधिकारी के सहयोग से मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट बनाया गया तथा ग्रामीणों से पूछताछ के क्रम में पता चला कि मृतका का नाम शवाना बेगम पिता स्व० मनीरूउदीन ग्राम डुमरिया, थाना- पौआखाली, जिला - किशनगंज है। जाँच के क्रम में मृतका के गले पर काला निशान और चेहरे पर कुछ जख्म पाये गये तत्पश्चात पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल, किशनगंज भेजा गया। उक्त घटना के संबंध में मृतका की मां अख्तरूल निशा के लिखित आवेदन के आधार पर पौआखाली थाना काण्ड संख्या-64/22 दिनांक-21.12.22 धारा-302/201 / 34 भा0द0वि० के अन्तर्गत अज्ञात के विरुद्ध दर्ज किया गया। आसूचना संकलन एवं तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से यह पता चला की मृतका पिछले छः महिने से अपने ग्रामीण शहबाज से बातचीत करती थी तथा उसके साथ गहरा संबंध था। तत्पश्चात दिनांक-23.12.22 को शहबाज को गिरफ्तार किया गया। शहबाज से पूछताछ के क्रम में बताये कि मृतका के साथ उनका अंतरंग संबंध पिछले कई महिनों से चल रहा था। शहबाज बैंगलोर में रहकर प्राईवेट काम करता था। मृतका शहबाज के साथ बैंगलोर जाना चाहती थी एंव शादी करना चाहती

थी, जिससे तंग एवं परेशान होकर रात के अंधेरे में शहबाज ने खेत में बुलाकर मृतका का गला दबाकर हत्या कर दिया तथा शव को छुपाने हेतु उसे खिचने का प्रयास किया उक्त पकड़ाये व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

✯ **गिरफ्तार अपराधकर्मी बरामदगी :-**
शहबाज, पौआखाली एवं मोबाईल बरामदगी

✯ **सफल उद्भेदन में शामिल पुलिस पदाधिकारी/कर्मी :-**

☞ पु0अ0नि0 रंजन कुमार यादव, थानाध्यक्ष, पौआखाली।
☞ पु०अ०नि० विकास कुमार, पौआखाली थाना।
☞ 50 आशदेव लाल चौधरी, पौआखाली थाना।
☞ सि०/235 असलम कुरैसी, पौआखाली थाना।
☞ सि0/582 चौधरी, पौआखाली थाना।
☞ चालक सि0/02 नीतीश कुमार, पौआखाली थाना ।

# खेत में युवती का शव मिलने से इलाके के लोगों में भय

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड के पौआखाली थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरिया पंचायत के डुमरिया में खेत में संदिग्ध अवस्था में एक युवती का शव मिलने से क्षेत्र में भय का माहोल पैदा हो गया है इलाके में सनसनी हैं। मामले का खुलासा उस वक्त जब कुछ लोगों को खेत में शव नजर आया और गांव में बात हवा की तरह फैल गई। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि आजाद अंजुम ने जानकारी देते हुए बताया की मामले की सूचना मिलते ही पुलिस को सूचित किया गया आगे जानकारी देते हुए बताया की तकरीबन 20 वर्षीय युवती शबाना बेगम डुमरिया पंचायत के वार्ड नंबर पांच में रहती थी। मामले सूचना मिलते ही पौआखाली थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे मौके पर जियापोखर थानाध्यक्ष भी पहुंची और ग्रामीणों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्मार्टम हेतु किशनगंज अस्पताल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव ने बताया कि प्रथमदृष्टया मार पीट भी किया गया है ऐसा प्रतीत होता है। बाकी रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पायेगा। ●

# आखिर विकास से क्यों कोसो दूर है कोल्हा बस्ती गांव

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत भोलमारा पंचायत का कोल्हा बस्ती गांव मूलभूत सुविधा और विकास से कोसों दूर है। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त गांव में जाने के लिए सड़के नहीं हैं और ना ही गांव में मूलभूत सुविधा है। ग्रामीणों का कहना है कि सुखार जैसे दिन में किसी तरह से जीवन यापन रहन सहन और गुजारा हो जाता है। लेकिन बरसात आते ही बाढ़ का सामना करना पड़ता है और पूरा गांव जलमग्न हो जाता है लोग विस्थापित होने को भी मजबूर हो जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि गांव में पक्की सड़कें तक नहीं है जिससे कि ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिल सके। किसी तरह से नदी के किनारे बलवायी जमीन और वह भी दूसरे की जमीन होकर लोग गांव तक पहुंच रहे हैं। विकास कार्य के नाम पर गांव में सिर्फ मिट्टी करण का कार्य कराया जाता है ग्रामीणों ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि गांव में ना तो सरकारी स्कूल है और ना ही मदरसा जिससे कि बच्चे शिक्षा प्राप्त कर सके। बच्चों को गांव में है निजी मकतब से थोड़ी बहुत शिक्षा प्राप्त होती है। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि वोट के समय आते हैं वादा करते हैं वोट भी मिल जाता है और जीतने के बाद अपने वादे को और विकास कार्य को करना भूल जाते हैं। उक्त गांव पर छोटे पद के जनप्रतिनिधि से लेकर बड़े पद तक के जनप्रतिनिधि ने आज तक विकास को लेकर कोई बड़ा कार्य गांव में नहीं किया है देखने में गांव खंडहर जैसा प्रतीत होता है। ग्रामीणों ने पंचायत के मुखिया जुनेद आलम के बारे में भी बताया कि मुखिया पद जीतने के बाद गांव में किसी को देखने तक नहीं आते हैं विकास तो बहुत दूर की बात है। ग्रामीणों ने मनरेगा योजना रोजगार को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि उनके पास जॉब कार्ड है जिसके बावजूद भी उन लोगों को मनरेगा योजना के तहत रोजगार नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी के दूसरे पार से मजदूर आते हैं और मनरेगा कार्य करके जाते हैं। अब सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर यह गांव विकास से मरहूम क्यों है और यहां के ग्रामीण ऐसा क्यों कह रहे हैं क्या सच में इस गांव के तरफ किसी भी जिम्मेदार लोगों का ध्यान नहीं है जिससे ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ●

# चोरी की घटना बनी कुर्लीकोर्ट पुलिस के लिए चुनौती

बड़ी चोरी की घटना हमेशा ही क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ रहता है और इस बार भी मामला किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत कुर्लीकोर्ट थाना क्षेत्र के एनएच 327 ई के बगल में स्थित सनराइज होंडा मोटरसाइकिल शोरूम का है जहां बीती रात को सनराइज होंडा मोटरसाइकिल शोरूम की छत के ऊपर से घुस कर दीवार तोड़ते हुए अज्ञात चोर अंदर घुसा और कैश रुपया सहित सामान की चोरी की। सनराइज हौंडा मोटरसाइकिल शोरूम के मालिक मकबूल आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि चोर द्वारा 2 लाख 50 हजार रुपया कैश सहित शोरूम से सामान की चोरी की गई है। शोरूम मालिक ने जानकारी देते हुए बताया कि इससे पूर्व भी उनके शोरूम में चोरी की घटना हुई जिसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को दी थी। आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि लगातार चोरी की घटनाएं घट रही है लेकिन चोरी की घटना को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहा है। शोरूम मालिक ने अज्ञात चोर पर कार्रवाई के लिए पुलिस से गुहार लगाई है। इस संबंध में कुलीकोर्ट थानाध्यक्ष इकबाल अहमद खां ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले को लेकर आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। **रिपोर्ट :- फरीद अहमद**

# कड़ाके की ठंड में अलाव की व्यवस्था नदारद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत नवनिर्मित नगर पंचायत पौआखाली में कड़ाके की ठंड में भी अलाव की कोई व्यवस्था नगर प्रशासन की तरफ नजर नहीं आ रही है। बढ़ते हुए कराकर की ठंड से कुछ हद तक राहत पाने के लिए नगर पंचायत पौआखाली के कुछ स्थानीय दुकानदारों द्वारा 8 जनवरी 23 को रविवार के दिन के 11 बजे के करीब खुद से ही खरपतवार जुटाकर जलाया जा रहा है और ठंड से राहत पाने का प्रयास कर रहे है। स्थानीय दुकानदारो में श्री प्रकाश, सिकंदर ठाकुर सहित लोगो ने जानकारी देते हुए बताया की इस कड़ाके की ठंड में खुद से ही अलाव की व्यवस्था की गई है लेकिन नगर प्रशासन की तरफ से अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। गौतलब हो की पिछले कई दिनों से पछुआ हवा चलने के कारण ठंड में इजाफा हुआ है जिसके कारण लोगो का घर निकलना भी शाम के वक्त मुहाल हो गया है। इस संबंध में प्रभारी कार्य पालक पदाधिकारी राम विलास दास ने ऑफ कैमरा जानकारी दी है की अलाव की वयवस्था जल्द ही करा दी जाएंगी। अब सवाल ये खड़ा हो रहा की अगर नगर पंचायत में नगर प्रशासन की ओर से साफ सफाई की व्यवस्था की जा रही है तो फिर अलाव की व्यवस्था अब तक क्यों नहीं दी गई? **रिपोर्ट :- फरीद अहमद**

# इंडो-नेपाल सीमा से दो शराब तस्कर गिरफ्तार

● **फरीद अहमद**

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत सुखानी थाना क्षेत्र के इंडो-नेपाल सीमा पर संध्या के समय नेपाल की ओर से दो शराब तस्कर नेपाली देसी शराब लेकर भारत के सुखानी थाना क्षेत्र में प्रवेश करते ही एसएसबी द्वारा धर दबोचे गए। और शराब तस्कर को 2 कार्टून(प्रति कार्टून 30 बोतल) नेपाली देसी शराब के साथ सुखानी थाना के सुपुर्द कर दिया गया। वही इस संबंध में जानकारी देते हुए 8 जनवरी 23 ,रविवार को थानाध्यक्ष विजय कुमार पासवान ने बताया कि दोनों शराब तस्करों कृष्ण कुमार यादव एवं नूर हक अंसारी को दो कार्टून नेपाली देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया है जिसके पश्चात उत्पाद एवं मध निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया है। गौरतलब हो की पूर्व दिनों में थानाध्यक्ष विजय कुमार पासवान के नेतृत्व में शराब तस्करों के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाकर कई शराब तस्करों और पियक्कड़ों को भी पूर्व में जेल भेजा जा चुका है।●

# बड़े प्रतिष्ठानों के संचालकों के साथ थानाध्यक्ष की बैठक

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना परिसर में किशनगंज एसपी के निर्देश पर पौआखाली थाना परिसर में सीएसपी संचालकों, आभूषण व्यापारियों फाइनेंस कंपनियों के कर्मचारियों सहित कई बड़े प्रतिष्ठानों के संचालकों के साथ थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव ने अहम बैठक की। इस बैठक में थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव ने सभी को कई अहम निर्देश भी दिए जिसमें सभी सीएसपी संचालकों को सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया, तो वही फाइनेंस कंपनियों के कर्मचारियों को भी कहा कि अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगाएं। आगे उन्होंने कहा कि सभी प्रतिष्ठानों का रजिस्ट्रेशन होना चाहिए, वे स्वयं चेक करेंगे। वही सीएसपी संचालकों से भी और फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों से भी कहा कि 4:00 बजे तक ही पैसों का लेनदेन करें और ग्राहकों को भी जागरूक करें ताकि छिनतई और चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगे। थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव ने सभी लोगों से कहा कि अगर बिना जान पहचान के लोग आपके प्रतिष्ठानों के आसपास बिना किसी काम के बार-बार घूमे या चक्कर लगाए और उन पर अगर किसी तरह का संदेह हो तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें। आगे उन्होंने कहा कि आपका एक छोटा सा सहयोग अपराध पर अंकुश लगाने में मददगार साबित हो सकता है। ●

# जोकीहाट नगर पंचायत में सफीदा बनी मुख्य पार्षद तो माहे दरक्शां उपमुख्य पार्षद

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के जिला मुख्यालय स्थित मार्केटिंग यार्ड में नगर पंचायत का चुनाव मतगणना के बाद जोकीहाट नगर पंचायत का पहला मुख्य पार्षद पद पर सफीदा खातुन ने कब्जा जमा कर इतिहास रचा। मुख्य पार्षद के उम्मीदवार सफीदा खातुन ने तसनीम मुसर्रत को 941 से हराया। सफीदा खातुन को 2558 मत तो उनके प्रतिद्वंद्वी तसनीम मुसर्रत को 1617 वोट मिले। जबकि उप मुख्य पार्षद पद पर माहे दरक्शां ने अपने प्रतिद्वंद्वी शमीमा को 203 मत से हराया। माहे दरक्शा को 1449 तो शमीमा को 1246 वोट मिले। जबकि वार्ड पार्षद में वार्ड संख्या एक मे सुमैय्या परवीन को मत 350 तो प्रतिद्वंद्वी शहनाज 77 मत मिले। श्रीमती परवीन ने शहनाज को 273 वोट से, वार्ड नम्बर दो मे बबीता देवी 288 तो प्रतिद्वंद्वी वहीदा 240 मिले। श्रीमती देवी ने वहीदा को 48 वोट से हराया से, वार्ड नम्बर तीन मे बेबी देवी को 185 मत तो प्रतिद्वंद्वी कौशल्यिया देवी 117 मत मिले। बेबी देवी ने कौशल्या देवी को 48 मत से हराया। वार्ड नम्बर चार में रकी देवी को 304 तो प्रतिद्वंद्वी नाजो खातुन को 238 मत मिला। रकी देवी ने नाजो खातुन को 66 मत से हराया। वार्ड नम्बर पांच में बिलकिस खातुन को 302 तो प्रतिद्वंद्वी शाकिया को 162 मत मिले। बिलकिस ने शाकिया को 140 मत से हराया। वार्ड नम्बर छह मे गजाला जबीन को 164 मत तो प्रतिद्वंद्वी नाजरा को 148 मत मिले। गजाला ने नाजरा को 16 मत से हराया। वार्ड नम्बर सात में दानिश कासमी को 467 तो प्रतिद्वंद्वी साबरा को 220 मिले। दानिश कासमी ने साबरा को 247 मत से हराया। वार्ड नम्बर आठ में मो कासिम को 235 तो प्रतिद्वंद्वी नजरूल को 155 मिले। कासिम ने नजरूल को 80 मत से हराया। वार्ड नम्बर नौ में मुनाजिर 226 को तो प्रतिद्वंद्वी रविन्द्र यादव को 113 मिले। मुनाजिर ने रविन्द्र यादव को 113 मत से हराया। वार्ड नम्बर दस मे जहा आरा को 157 मत तो प्रतिद्वंद्वी सईदा खातुन को 104 मत मिले। जहा आरा ने सईदा को 53 मत से हराया। वार्ड नम्बर ग्यारह में बदीउज्जमा को 288 तो प्रतिद्वंद्वी मो उबेद आलम को 282 मत मिले। बदीउज्जमा ने उबेद आलम को 106 वोट से हराया व वार्ड नम्बर बारह मे आजम आलम को मत 171 तो प्रतिद्वंद्वी मो सनव्वर राही को 133 मत मिले। आजम ने सनव्वर को 38 वोट से हराया।●

सफीदा खातुन

माहे दरक्शां

# आपदा मंत्री ने अधिकारियों के साथ की बैठक

● अब्दुल कैय्यूम

बिहार सरकार के आपदा मंत्री शाहनवाज आलम ने गुरुवार को अररिया जिला के पलासी प्रखंड व जोकीहाट प्रखंड में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। इस बैठक में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, बिजली, आईसीडीएस, आपूर्ति पैक्स, आवास, दाखिल खारिज, पीएचडी, कृषि सहित अन्य विभागों की बारी बारी से समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उन्होंने शिक्षा विभाग के पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी से प्रखंड में चल रहे शिक्षा की स्थिति की जानकारी ली। इस क्रम में बीइओ प्रतिमा कुमारी ने प्रखंड में संचालित विद्यालय की संख्या, शिक्षको की संख्या, मदरसा, संस्कृत विद्यालय , भवनहीन विद्यालय की संख्या की स्तिथि से अवगत कराया। इस क्रम में मंत्री शाहनवाज आलम ने बीईओ प्रतिमा कुमारी को प्रखंड क्षेत्र के पठन पाठन को बेहतर बनाने, शिक्षकों को नियमित स्कूल आने , अभिभावकों की मीटिंग कराने, विद्यालयो का नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में प्रभारी चिकित्सक ने पीएचसी, एपीएचसी, डॉक्टर्स की संख्यां, कर्मियों की कमी से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री शाहनवाज आलम ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने का निर्देश दिए। आईसीडीएस विभाग की समीक्षा के क्रम में सीडीपीओ मीणा कुमारी राम ने प्रखंड में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या, सेविकाओ, सहायिकाओं की संख्या,आंगनबाड़ी भवनों, भाड़े पर चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या पोषाहार की स्तिथि की जानकारी दी। इस क्रम में मुखिया मोहम्मद रागिब ने ज्यादा जनसंख्या वाले वार्डो में अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की बात कहा। साथ ही साथ नए केंद्रों पर बहाली का मुद्दा भी उठाया। इस पर आपदा मंत्री शाहनवाज आलम ने आईसीडीएस विभाग को चुस्त दुरुस्त करने जा निर्देश दिए। मनरेगा योजनाओ की समीक्षा के क्रम में पीओ नवीन कुमार ने बताया कि मनरेगा योजना से वृक्षारोपण किया गया हैं। प्रखंड में इस योजना के तहत निजी जमीन पर 240, सरकारी जमीन पर 135 युनिट वृक्षारोपण किया गया है। साथ ही साथ14 ,अमृत सरोवर बनाने का योजना हैं। जिस में तीन योजना पूर्ण हो गयी हैं। बाकी प्रगति पर हैं। इस पर मंत्री ने सभी लंबित पूरा करने तथा पूर्व के पूर्ण योजनाओं का भुगतान का भी निर्देश दिए। बीसीओ कुमार गौरव ने पैक्सों में हो रही धान खरीदारी की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि अब तक 755 किसानों से लगभग 55 हजार 519 क्विंटल की धान की खरीदारी हुई हैं। मुखिया आदिल ने भीखा के पैक्स चेयरमैन पर बिचौलियों से धान खरीदारी की बात बताया। जिस पर मंत्री ने बीसीओ से जांच करने का निर्देश दिए। साथ ही साथ किसानों की शिकायत का निपटारा करने का निर्देश दिए इस के अलावे आपूर्ति विभाग के एमओ ने प्रखंड में चल रहे पीडीएस प्रणाली की जानकारी दी। इस क्रम में आवास पर्यवेक्षक सरोज कुमार ने बताया कि वितीय वर्ष 2021-22 में 2551 लक्ष्य के विरुद्ध 2384 को प्रथम किस्त,2078 को दूसरा किस्त

लाभुकों को डित गया हैं। उन्होंने बताया कि वितीय वर्ष 2016 से 21 के बीच 16628 में 16597 लाभुक को प्रथम किस्त,16121 को दूसरा व तीसरा किस्त दिया जा चुका हैं। इस के बाद स्वछता विभाग की समीक्षा की गई। इस पर पंकज कुमार ने विस्तृत जानकारी दी। बिजली विभाग की बारी बारी समीक्षा के उपरांत बिजली जेई को भी कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए आपदा मंत्री शाहनवाज आलम ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ आम लोगो को ससमय मिले, इसे सुनिश्चित करना ही बैठक का मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने म्युटेशन कार्य,भूमि विवाद,राशन कार्ड, आरटीपीएस कार्यो को पूरी मुस्तेदी के साथ समय पर पूरा करने का निर्देश दिए। उन्होंने पीएचडी विभाग के अधिकारियों को नलजल योजनाओ को सभी पंचायतो में चालू करने का निर्देश दिया। मुखिया राम कृपाल विश्वास ने कचमो से बकैनिया तटबंध व वर्षो से लंबित पंचायत सरकार भवन का मुद्दा उठाया। बैठक में पूर्व प्रमुख सदनानंद यादव, मुखित आदिल रेजा, राजू यादव ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। मंत्री शाहनवाज आलम ने ग्रामीणों की शिकायत से रूबरू होते हुए कहा कि शिकायत जु लिखित आवेदन दे 24 घंटे में कारवाई हम करेंगे। बैठक में मंत्री के सचिव निसार अहमद, एसडीसी विजय कुमार, बीडीओ मोनालिसा प्रियदेशनी, सीओ विवेक कुमार, आरओ रचना कुमारी, पलासी एसएचओ शिव शंकर कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि सदनानंद यादव, जेई मनोज चौधरी, सरोज कुमार, पंकज कुमार, अजित कुमार, नवीन कुमार, जदयू नेता इमरान अजीम, रफीक आलम, परवेज आलम मौलवी मंजूर, विशनाथ चौधरी, शोएब आलम आदि मौजूद थे।●

## स्थांतरित थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार को दी गयी भावभीनी विदाई

अररिया जिला के पलासी थानाध्यक्ष शिव पूजन कुमार के स्थान्तरण के बाद बुधवार को पलासी थाना परिसर में विदाई समारोह आयोजित कर स्थान्तरित थानाध्यक्ष को भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर उन्हें माला पहनाकर व शाल ओढ़ाकर कर विदाई दी गयी। इस अवसर पर प्रमुख प्रितिनिधि सह पूर्व प्रमुख सदानंद यादव, मुखिया मोहम्मद रागिब उर्फ बबलू, पूर्व मुखिया फिरोज आलम, अली बाबा आदि लोगो ने स्थान्तरित थानाध्यक्ष शिव पूजन कुमार के कार्य कलापो की प्रशंसा की। इस अवसर पर वर्तमान थानाध्यक्ष शिव शंकर कुमार ने थानाध्यक्ष शिव पूजन कुमार को माला पहनाकर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि अपराध को कंट्रोल करने तथा शराब माफियाओं पर शिकंजा कसना उनकी प्राथमिकता है। इस के लिये आप सभो की सहयोग की आवश्यकता हैं। उन्होंने कहा कि शराब माफियो को किसी सूरत में बख्शा नही जयगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर नकेल कसने के लिये सघन अभियान चलाया जयगा। थानाध्यक्ष शिव शंकर कुमार ने इस दिशा में सभी जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्ध जनों से अपेक्षित सहयोग की अपील की। इस अवसर पर सीओ विवेक कुमार मिश्र,पुअनि शाहजहां खान, कअनि कनक लता,सुधा रानी, सोबराती हुसैन, संजय कुमार, सुरेन कुमार, पूर्व प्रमुख सदानंद यादव, मुखिया मोहम्मद रागिब उर्फ बबलू, राम प्रसाद चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र मल्लिक, निशांत कुमार, संजय मांझी, इम्तियाज आलम, विश्वजीत शाही, अमर सिंह, फिरोज आलम, अली बाबा, सहित भारी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। हालांकि इस दौरान सभी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों से शिव पूजन कुमार को माल्यार्पण कर विदाई दी। **रिपोर्ट :- अब्दुल कैय्यूम**

# सीमांचल गांधी तस्लीम साहेब ने राजनीति से उपर उठकर की मानव सेवा : आपदा प्रबंधन मंत्री

● अब्दुल कैय्यूम

दबे कुचलों की जुबान सीमांचल गांधी के नाम से मशहूर मरहूम पिता तस्लीम उद्दीन ने सारी जिंदगी राजनीति से उपर उठकर मानव सेवा की। उन्होंने लोगों की खिदमत अपनी जिंदगी मानव सेवा में वक्फ कर दी। उसी के नक्शे कदम पर गरीबों की मदद करने की कोशिश की जा रही। यह बातें आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज आलम ने अपने मरहूम पिता तस्लीम उद्दीन की जयंती पर प्रखंड के उदाहाट हाईस्कूल मैदान में बुधवार को आयोजित मेडिकल केंम्प में कही। उन्होंने कहा कि इस मेडिकल केम्प के जरिए गरीब व नि:सहाय लोगों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराया जाना है। उन्होंने कहा कि जो मरीज का महंगी इलाज कराने के लिए दिल्ली या अन्य जगहों पर जाने को बेवश हैं वैसे लोगों का इस केंम्प में रजिस्ट्रेशन कराने के बाद बाहर में बेहतर इलाज कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस मेडिकल केम्प में माता गुजरी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज किशनगंज के पचास चिकित्सकों की टीम शामिल हुए। जहाँ सेंकड़ो मरीजों की मुफ्त जांच व दवा उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही मरीजों को चिकित्सीय सलाह भी दी गई। केम्प में एसपी अशोक कुमार सिंह व एसडीपीओ पुष्कर कुमार भी पहुँचे। केम्प का उद्घाटन आपदा मंत्री शाहनवाज आलम ने फीता काट कर किया। वहीं चिरह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शाहिद आलम ने श्री आलम फुल माला के साथ साथ गुलदस्ता पैश कर स्वागत काया। इस मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि गुलाम रब्बानी, उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि जावेद आलम, मुखिया प्रतिनिधि नन्हे राजा, सादिक हाशमी उर्फ चिम्पु, शाहबाज आलम, मंजूर आलम, रफीक आलम, फिरोज आलम, अबुजर आलम, अबदुल वदुद, अरशद आलम, मोही उद्दीन, मुसा खान, फारूक आलम, मुखिया कासिम, बदर आलम, मो सालिक, शम्साद आलम, सलाह उद्दीन, पूर्व मुखिया दीनेश कुमार आदि मौजूद थे। इधर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जोकीहाट थाना के थानेदार घनश्याम कुमार व महलगांव थाना के थानेदार गुलाम शाहबाज आलम अपने दल बल के साथ तैनात थे।●

# अररिया नगर परिषद चुनाव में जनता ने नये चेहरे पर जताया विश्वास

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया नगर परिषद के चुनाव में इस बार बदलाव की अंधी चल पड़ी। अररिया में मतदाताओं ने पुराने चेहरे को हटाकर नए चेहरे को कमान सौपा हैं। अररिया नगर परिषद के चुनाव में 23 वार्डो में जनता ने पुराने चेहरे को दर किनार कर नए चेहरे को अपनाया। जबकि मात्र छह वार्ड पार्षद ही सीट बचाने में कामयाब रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अररिया नगर परिषद चुनाव में वार्ड संख्या एक से नीलम देवी, वार्ड संख्या दो से राज किशोर यादव, वार्ड संख्या तीन से रीता रॉय, वार्ड संख्या चार से लक्ष्मी देवी, वार्ड पांच से नगमा शाहीन, वार्ड छह से रंजीत पासवान, वार्ड 07 से श्याम मंडल, वार्ड 08 से माला देवी, वार्ड 09 से दीपा आनंद,वार्ड 10 से डिंपल देवी, वार्ड 11 से शहनाज, वार्ड 12 से प्रभाष कुमार, वार्ड 13 से राकेश रंजन वर्मा, वार्ड 14 सर देवोश्री घोष, वार्ड 15 से अरुणा देवी, वार्ड 16 से नीतू कुमारी, वार्ड 17 से काजल कुमारी, वार्ड 18 से अंजुमन खातून, वार्ड 19 से सूफिया खातून, वार्ड 20 से गजाला तहरवीन, वार्ड 21 से रीना देवी, वार्ड 22 से दीपंकर दास गुप्ता, वार्ड 23 सर राजू राम, वार्ड 24 से कुर्बान अली, वार्ड 25 से आबिद हुसैन अंसारी, वार्ड 26 नूर आलम, वार्ड 27 से मरजान कौसर, वार्ड 28 से तबस्सुम आरा, वार्ड 29 से अबुल कलाम ने वार्ड पार्षद के रूप में विजय घोषित हुए। वार्ड पार्षद के रूप में विजय घोषित होते ही उनकी समर्थकों में जश्न का माहौल छा गया। एक दूसरे को अबीर व गुलाल लगाकर जीत की बधाई दी।●

गौतम साह

विजय कुमार मिश्र

# रेल एसपी के पद पर कुमार आशीष की पहली क्राइम मीटिंग

# लंबित काण्डों का प्रतिवेदन समर्पित करने का दिया निर्देश

● धर्मेन्द्र सिंह

बतौर मुजफ्फरपुर रेल एसपी पदस्थापना के बाद रेल एसपी डॉ कुमार आशीष ने सोमवार को पहली क्राइम मीटिंग आयोजित की। क्राइम मीटिंग में सभी रेल पुलिस उपाधीक्षक, रेल पुलिस निरीक्षक, रेल थानाध्यक्ष के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रतिवेदित कांडो की समीक्षा कर शनिवार तक लंबित कांडो में हुई प्रगति के संबंध में प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। जमानत रद्दीकरण, गुण्डा प्रस्ताव समर्पित करने हेतु सभी रेल थानाध्यक्ष, रेल पीपी अध्यक्ष को निर्देशित किया गया। मद्यनिषेध के तहत दर्ज कांडो में जब्त शराब विनष्टीकरण हेतु निर्देशित किया गया। लंबित वारंट, कुर्की का निष्पादन हेतु सभी रेल पुलिस उपाधीक्षक को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष टीम का गठन कर प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को विशेष अभियान चलाकर निष्पादित करने का निर्देश रेल एसपी डॉ अशीष ने दिया। रेलएसपी डॉ अशीष ने अच्छे कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत करने हेतु अनुशंसा पत्र समर्पित करने का निर्देश विभागीय अधिकारी को दिया। गौरतलब हो कि किशनगंज से जब चंपारण में डॉ कुमार आशीष को भेजा गया था तो किशनगंज के लोग काफी ज्यादा दुखी हुए थे और यह कहा था कि यह पुलिस कप्तान नहीं बल्कि किशनगंज वासियों का घर घर का बेटा बनकर दिलजीत रखा है। सुदूर ग्रामीण इलाकों में आने वाला किशनगंज जहां सबसे अधिक लोगों को पूर्ण शराबबंदी को लेकर जागरूकता पैदा करना और फिर शराबबंदी को सफल बनाने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान डॉ कुमार आशीष का रहा है। जब सरकार के द्वारा तबादला कर चंपारण भेजा गया तो अपने रंग में ही कार्य करना शुरू किया और चंपारणवासियों के दिल में भी अपनी अमिट छाप छोड़ दिए। सरकार ने शराबबंदी को लेकर मात्र एक आईपीएस अधिकारी को वर्ष 2021 में उत्पाद पदक से नवाजा था वह सिर्फ और सिर्फ डॉ. कुमार आशीष हीं थे। हाल के दिनों में यह देखा गया कि शराब माफिया रेलवे को अपना शार्प टारगेट बना रहे हैं और रेल से लगातार शराब की खेप बरामद होने लगी थी जिसके बाद बिहार सरकार ने भरोसा जताते हुए आईपीएस डॉ कुमार आशीष को रेल एसपी का कमान दे दिया है। गौर करे कि मुजफ्फरपुर जिले के साथ-साथ उत्तर बिहार के कई प्रमुख जिले रेलवे क्षेत्राधिकार के अनुसार रेल एसपी मुजफ्फरपुर के ही देखरेख में रहता है ऐसे में डॉ कुमार आशीष के लिए अवैध शराब कारोबारियों और यात्रियों को लूटपाट करने वाले गिरोह पर नकेल कसना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। पूछे जाने पर डॉ आशीष ने कहा कि मेरे कार्यकाल में सबसे अधिक फोकस शराबबंदी और अपराधियों के खिलाफ विशेष मुहिम की रहती है और उस पर लगातार हम काम भी करते हैं जिसका परिणाम सभी लोगों को देखता भी है। सरकार ने जिस भरोसे से जिम्मेदारी दी है उस पर हर संभव प्रयास रहेगा कि खड़ा रहूं शराब माफियाओं और यात्रियों को लूटपाट करने वाले उन अपराधियों को यह बता देना चाहता हूं कि हमारे कार्य क्षेत्र को भूल जाए अन्यथा किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अपराधी चाहे कोई भी हो कानून अपना काम करेगी और सख्ती से हर संभव प्रयास रहेगा कि शराब माफिया और रेलवे में सफर करने वाले यात्रियों को लूटपाट करने वाले गिरोह से निपटा जाएगा। गौर करे कि सोमवार को डॉ अशीष ने पहली क्राइम मीटिंग आयोजित की। क्राइम मीटिंग में सभी रेल पुलिस उपाधीक्षक, रेल पुलिस निरीक्षक, रेल थानाध्यक्ष के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। रेल एसपी ने बैठक में प्रतिवेदित कांडो की समीक्षा कर शनिवार तक लंबित कांडो में हुई प्रगति के संबंध में प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। जमानत रद्दीकरण, गुण्डा प्रस्ताव समर्पित करने हेतु सभी रेल थानाध्यक्ष, रेल पीपी अध्यक्ष को निर्देशित किया गया। मद्यनिषेध के तहत दर्ज कांडो में जब्त शराब विनष्टीकरण हेतु निर्देशित किया गया। डॉ कुमार आशीष के लिए अवैध शराब कारोबारियों और यात्रियों को लूटपाट करने वाले गिरोह पर नकेल कसना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। ●

# शहीद प्रमोद के अंतिम यात्रा में रो पड़ा गांव

● गुड्डू कुमार सिंह

सिक्किम सड़क हादसे में शहीद जवान प्रमोद सिंह का तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव भोजपुर के उदवंतनगर प्रखंड के ग्राम बाम पाली गांव पहुंचा। शहीद प्रमोद के पार्थिव शरीर को सेना की गाड़ी से सम्मान के साथ गांव लाया गया। गांव में पार्थिक शरीर पहुंचते ही पहले से इंतजार में आंखें बिछाए लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा था सव को देख परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था वहीं मौजूद लोगों की आंखें भी नम थी। बता दें कि बीते शुक्रवार को बाम पाली के रहने वाले पूर्व सैनिक कलेक्टर सिंह के 32 वर्षीय सैनिक पुत्र प्रमोद सिंह की मौत ड्यूटी के दौरान सिक्किम के सड़क हादसे में हो गई थी। हादसे में प्रमोद के साथ सेना के 3 अधिकारी सहित 16 जवान शहीद हो गए थे। प्रमोद के पार्थिव शरीर पैतृक गांव आने पर चारों तरफ चीख-पुकार के बीच मौजूद सेना के जवानों ने शहीद के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस दौरान पूरे गांव सहित आस पास के गांव के लोग और शहीद के रिश्तेदारों और परिजनों को सांत्वना दे रहे थे डीएम राजकुमार और एसपी संजय कुमार सिंह ने भी शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र चढ़ाया और शहीद को श्रद्धांजलि दी। मौके पर मौजूद एसडीएम लाल ज्योति नाथ, सीओ शैलेंद्र कुमार और ओपी प्रभारी चंदन कुमार ने भी शहीद जवान को श्रद्धांजलि दी। पार्थिव शरीर आने की सूचना पर पूर्व विधायक अरुण यादव शहीद के घर पहुंचे शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ ही परिजनों को सांत्वना दिया साथ ही सरकार की ओर से शहीद को मिलने वाले सभी लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। शहीद पति की पार्थिव शरीर से लिपट दहाड़ मार रोने लगी निरमा शहीद जवान प्रमोद का पार्थिव शरीर घर पहुंचते ही लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। शहीद पति के पार्थिव शरीर को देख पत्नी निरमा पति के शव से लिपटकर दहाड़ मार रोने लगी निरमा को रोते देख मौजूद लोगों की भी

आंखें भी भर आई। लोग निरमा को सांत्वना दे रहे थे मां के साथ दोनों मासूम बेटे नक्षऔर बेटी नायरा भी शहीद पिता के पार्थिव शरीर के पास चिक चिल्लाकर आंसू बहा रहे थे। शहीद की वृद्ध मां गुलाब झाड़ों की आंखों में आंसू भी थमने का नाम नहीं ले रहे थे। सेना से रिटायर्ड वृद्ध पिता कलेक्टर सिंह सब को हौसला दे रहे थे। बड़े भाई अजय आंखों में आंसू लिए हर प्रक्रिया पूरी करने में जुटे थे। भाभी सविता देवी भी रो-रोकर बेहाल थी भाई के शहीद होने की खबर सुन पहुंची दोनों बड़ी बहनें बिंदु और सिंधु भी दुलारे भाई के लिए दहाड़े मार-मार कर रो रही थी। गांव के लोगों के बीच मातम का माहौल था शहीद को श्रद्धांजलि देने वालों का लगा ताता। शहीद जवान प्रमोद सिंह के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग रहा था। संदेश के पूर्व विधायक अरुण यादव शहीद के घर पहुंच श्रद्धांजलि दी वहीं जगदीशपुर के पूर्व विधायक भाई दिनेश आरा के मेयर प्रत्याशी स्वीटी सिंह, राजा तिवारी, राजेंद्र तिवारी, रंजीत यादव, चक्र भूषण यादव, जिप सदस्य सोनू कुमार एवं अजय सिंह सहित कई लोगों ने शहीद के घर पहुंच कर श्रद्धांजलि और परिजनों को सांत्वना दी। डीएम ने शहीद की पत्नी को दिया 11 लाख का चेक दिया। बाम पाली निवासी शहीद प्रमोद सिंह के पत्नी को डीएम राजकुमार ने 11 लाख रुपए का चेक दिया वही शहीद के परिजनों की मांग पर गांव में शहीद प्रमोद का स्मारक बनाने के लिए जगह चयन करने का निर्देश दिया। डीएम ने स्थानीय शैलेंद्र कुमार को दिया परिजन सहित स्मारक और मुख्य मार्ग पर सहीद द्वार बनाने की मांग किए थे।

☞ **तिरंगे के साथ सेना की वर्दी और टोपी शहीद जवान की पत्नी को दिया :-** शहीद के शव के साथ आए सेना के जवानों ने शहीद प्रमोद की पत्नी निरमा को सेना की वर्दी और टोपी तिरंगे के साथ दिया। सेना की वर्दी लेते समय निरमा जोर-जोर से चीखने लगी और बोल पड़ी अब इस वर्दी का हम क्या करेंगे वर्दी वाले अब हमें इस दुनिया से अकेला छोड़ हमेशा के लिए चले गए।

☞ **गांव के लोग नारा लगा रहे थे जब तक सूरज चांद रहेगा प्रमोद तेरा अमर नाम रहेगा**

:- शहीद जवान प्रमोद सिंह अपने गांव के युवाओं में काफी चहीते थे गांव के लोगों की माने तो प्रमोद काफी मिलनसार स्वभाव और मृदुभाषी थे। जब भी छुट्टी में गांव आते थे गांव के लोग खासकर युवाओं के साथ ही ज्यादा समय बिताते थे। उनके शहीद होने की खबर गांव में सनसनी की तरह फैल गई थी। सव गांव आने के बाद हजारों लोग पहुंच चुके थे। और वंदे मातरम भारत माता की जय शहीद प्रमोद अमर रहे के साथ जब तक सूरज चांद रहेगा शहीद प्रमोद तेरा नाम रहेगा के नारे गूंज रहे थे। सबकी आंखें नम थी लोगों की भीड़ यह बता रही थी कि सभी इस पल के गवाह बनने को बेताब थे।

☞ **8 साल के मासूम ने दीप सहित पिता को मुखाग्नि :-** बम पाली के शहीद प्रमोद के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सिन्हा के महुली स्थित गंगा नदी घाट पर किया गया। गंगा घाट पर सेना के जवानों की और से 15 चक्र फायरिंग कर शहीद को आखिरी सलामी दी गई। इसके बाद शहीद के इकलौते पुत्र 8 साल के नक्ष ने अपने शहीद पिता को मुखाग्नि दी। मासूम के हाथों में पिता को मुखाग्नि देता देख मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। इससे पूर्व सहिद के पार्थिव शरीर को पैतृक गांव बाम पाली से सेना की गाड़ी पर पहुंचा शहीद के अंतिम यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में तिरंगे थे और वंदे मातरम भारत माता की जय के साथ जब तक सूरज चांद रहेगा सहिद प्रमोद अमर रहे के नारे लग रहे थे अंतिम संस्कार के दौरान बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष प्रेम रंजन चतुर्वेदी सांसद प्रतिनिधि धीरेंद्र सिंह सहित बड़हरा सीओ व सिन्हा ओपी अध्यक्ष और हजारों लोग मौजूद रहे।●

# ग्रामीण विकास मंत्री का अभिनंदन समारोह

● **गुड्डू कुमार सिंह**

सूबे के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार का शुक्रवार को तरारी प्रखण्ड के बिष्णपुरा गाँव में ईमादपुर मुखिया इन्दू देवी अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन समारोह का उद्घघाटन सूबे के मंत्री श्रवण कुमार, जिला पार्षद उपाध्यक्ष लालबिहारी सिंह व ईमादपुर मुखिया इन्दु देवी ने सयुक्त रूप से दिप प्रज्जवलित कर किया गया। सामारोह में जिला पार्षद उपाध्यक्ष लाल बिहारी सिंह ने अपने सम्बोधन में कुरमुरी मुखिया कें शिकायत के बाद कहा की योजनाओं का लाभ जनता तक नही पहुँचने पर हम खुद जिम्मेवार है ना कि राज्य सरकार व केन्द्र सरकार। क्योकी हम भी इस त्रिस्तरिय पंचायती राज के अपने आप में सरकार है। अभिनन्दन सामारोह में संबोधन के दौरान सूबे के ग्रामीण मत्री श्रवण कुमार ने कहा की हमारी सरकार सकल्पित है जैसे हर घर में बिजली पहुँचा दी ठीक उसी तरह दो साल के भीतर हर खेत को बिजली पहुँचा कर कृषी को सुलभ बनाकर किसानों के खुशहाली व लाभकारी बना आमदनी का जरिया बनाने में सफल हो सके, जिससे हमारी जिवकोपार्जन संशंक्त हो सके क्योकी हमारे यहाँ कोई उद्योग या कल कारखाने नही है। यही नही बिहार देश का पहला राज्य बनने जा रहा है चौथा कृषी मैप मार्च के बाद लागू कर। हमारी सरकार से पहले किसान खेती छोड भाग रहे थे, आत्महत्या कर रहे थे। जबसे हमारी सरकार आई है किसानो में सुधार आया है खेती को जिविका का साधन मान खेती में लग गये, यही नही हमारी सरकार किसानो के लिए दूसरा कार्य जितने भी आहर पोखर, पईन गाद से भरे है या अतिक्रमित है उनका जिर्णेदार कर खेती को सुलभ बनाने का कार्य कर रही है, जिससे किसान ससमय अलग अलग तरह की खेती कर आमदनी बढा सके।अभिनन्दन सामारोह में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार के साथ साथ जिला पार्षद उपाध्यक्ष लाल बिहारी सिंह, राजद प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू सिह, जिला जदयू नेता डा० राजेन्द्र सिंह, अवधेश सिंह, बरांव समिति अरविन्द कुमार, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधी नीरज सिंह डुमरियाँ मुखिया शिवशंकर सिंह, मुखिया गौरी शंकर सिंह, मुखिया जयप्रकाश सिंह, भकुरा मुखिया प्रतिनिधी रामईश्वर सिंह, पूर्व जिला पार्षद सदस्य उपेन्द्र सिंह, बबन पटेल, हरेश राय, जयप्रकाश त्रिपाठी, करूणा कुमार, समेत सैकडो गठबंधन कें कार्यकता व महिला पुरूष शामिल थे। ●

**अभी कलम उठाइये**

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# कुख्यात शूटर सलीम हाशमी चढ़ा पुलिस के हत्थे

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर में पुलिस ने पंद्रह साल से मोस्ट वांटेड बन चुके कुख्यात शूटर सलीम हाशमी उर्फ टिमला उर्फ ब्रूस ली को पहली बार दबोच लिया है. उसे शनिवार को बिहार और यूपी की सीमा से गिरफ्तार किया गया है. उत्तर प्रदेश के चंदौली में अपना ठिकाना बना चुके टिमला को भोजपुर आने की सूचना पर भोजपुर में पुलिस के अलावा बिहार और यूपी की एसटीएफ टीम ने धर दबोचा. उसके पास से एक पिस्टल और एक गोली बरामद की गई है. रविवार को इसकी जानकारी दी गई है.

☞ **15 साल से फरार :-** कुख्यात टिमला आरा नगर थाना क्षेत्र के भलुहीपुर का रहने वाला है. आरा नगर थाना क्षेत्र में चर्चित डबल मर्डर केस, दो व्यवसायियों और पूर्व पार्षद के पुत्र की हत्या सहित आधा दर्जन मामलों में पुलिस को उसकी तलाश थी. भोजपुर एसपी संजय कुमार सिंह ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि उसकी गिरफ्तारी को लेकर काफी दिनों से टीम लगी थी. राज्य के बाहर भी टीम की ओर से लगातार छापेमारी की जा रही थी. शनिवार को उसके बिहार आने की सूचना मिली. इसके बाद टीम गठित कर यूपी और बिहार के बॉर्डर पर घेराबंदी की गई. बिहार और यूपी की एसटीएफ की भी मदद ली गई.

☞ **भू-माफिया के साथ मिलकर हत्या करता है :-** इस दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया गया. तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल और एक गोली बरामद की गई है. इसे लेकर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज है. उसकी निशानदेही पर गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी को छापेमारी की जा रही है. आरा शहर के भलुभीपुर निवासी सोहराब मियां का पुत्र टिमला कुख्यात नईम मिस्त्री गिरोह का शूटर है. इस गिरोह का मुख्य धंधा भू-माफिया के साथ मिलकर हत्या करना और करवाना है. इसके लिए वह सुपारी भी लेता था. गिरफ्तार टिमला से पूछताछ के बाद एसपी की ओर से यह जानकारी दी गई. एसपी के अनुसार टिमला ने बताया कि वह करीब पंद्रह साल में पहली बार पुलिस की गिरफ्तार में आया है. उसका मुख्य धंधा भू-माफिया के साथ मिलकर हत्या करना और करवाना है.

☞ **50 हजार का इनामी कुख्यात :-** पूछताछ में उसने गोला व्यवसायी कृष्णा सिंह, इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी सलील प्रसून जैन, पूर्व पार्षद पुत्र हत्या, स्टेशन डबल मर्डर और बिहिया इलाके में लूटपाट के दौरान हत्या में शामिल होने की बात स्वीकार की है. 2009 में मुन्ना तेली की हत्या में भी उसका नाम आया था. तब से वह फरार चल रहा था. हाल में भोजपुर एसपी की ओर से जारी भोजपुर के टॉप टेन अपराधियों की सूची में उसका नाम तीसरे स्थान पर था. उसके खिलाफ एसपी की ओर से 50 हजार के इनाम का प्रस्ताव भी भेजा गया था. ●

# सबसे कम उम्र की वार्ड पार्षद बनी आरती

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के नवसृजित नगर पंचायत गड़हनी का चुनाव परिणाम घोषित होते सबसे कम उम्र की वार्ड पार्षद आरती कुमारी बन गई है। गड़हनी नगर पंचायत के वार्ड 01 से आरती कुमारी चुनाव जीती हैं। 30 दिसम्बर को उनका उम्र 24 साल दो माह दस दिन हो रहा है। आरती सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार अविनाश कुमार राव की धर्मपत्नी है। बता दें कि अविनाश एक दशक से सामाजिक जीवन मे सक्रिय हैं। 2016 में अविनाश गड़हनी तालुक से पंचायत समिति के लिए चुनाव लड़े थे। 587 मत लाकर महज 48 वोट से हारने के बावजूद अविनाश का राज लोगों के दिलों पर कायम रहा। जिसका उदाहरण नगर निकाय चुनाव में देखने को मिला। वार्ड रोस्टर में महिला सीट होने पर अविनाश ने अपनी पत्नी

आरती को चुनाव लड़ाया। 277 मत लाकर आरती ने 53 वोटों से जीत दर्ज की है। कम उम्र की वार्ड पार्षद बनने पर नगर पंचायत गड़हनी में चर्चा का विषय बना हुआ है। आरती ने बताया कि जनता ने जो विश्वास दिलाया है उसपर खरा उतरने का काम करूंगी। सबसे पहले सभी योग्य लोगों को वृद्धा पेंसन, विधवा पेंशन,राशनकार्ड बनवाया जाएगा। सभी गलियों में नियमित साफ साफाई का ख्याल रखा जाएगा। बनास नदी में बोल्डर और धोबी घाट निर्माण के साथ उत्तर पट्टी प्राथमिक विद्यालय से तीन घरवा टोला तक पक्की सड़क निर्माण व सहिला नदी में पुल निर्माण कराया जाएगा। हर घर तक पक्कीकरण रास्ता व नालियों का निर्माण कराना मुख्य काम रहेगा। वार्ड पार्षद आरती ने गड़हनी वार्ड एक के सभी 924 मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ड एक को नगर पंचायत गड़हनी का सबसे अव्वल वार्ड बनाया जाएगा। ●

# नवविवाहिता की संदेहास्पद परिस्थिति में हुई मौत

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के मदरिया गांव में मंगलवार की देर शाम एक नवविवाहिता की उसके ससुराल में संदिग्ध मौत हो गई। मायके वालों ने दहेज के लिए गला दबाकर ससुराल वालों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। ससुराल पक्ष के लोगों ने नवविवाहिता के मौत के बाद शव का साक्ष्य मिटाने के लिए गांव के ही गंगा किनारे दाह संस्कार करने के लिए शव को सारा पर लेटा दिया था जिसकी भनक मायके वालों को लग गई और उसके बाद मायके वालों ने पुलिस को सूचना दी। हालांकि, ससुराल वालों का कहना है कि उसकी बहु ने आत्महत्या कर लिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। मृतका चरपोखरी थाना क्षेत्र के मदरिया गांव निवासी धन्नु कुमार की 22 वर्षीया पत्नी खुशबू कुमारी है। इधर मृतका के चाचा आनंद जी सिंह ने ससुराल वालों पर दहेज को लेकर प्रताड़ित करने एवं मारने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष 16 फरवरी को उसकी शादी हुई थी। शादी के समय सभी जरूरत की सज्जो समान खुशी से दिया गया था। शादी के कुछ दिन बीत जाने के बाद से ही उसके ससुराल वाले उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। उससे मायके वालों से कभी पैसा, फ्रिज, कूलर या कभी मोबाइल मांगने के लिए कहा जाने लगा। इन सब चीजों को लेकर बराबर प्रताड़ित किया जाता था, जिससे खुशबू काफी परेशान रहती थी। इसी बीच उसके ससुराल वालों द्वारा उसे मारने के बाद एवं हम लोगों को बिना बताए श्मशान घाट पर ले जाकर सारा पर बोझ दिया गया। जिसके बाद उन्हें इसकी सूचना मिली। तभी उनके पहुंचने से पहले ही पुलिस वहां पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया। तभी परिजन भी वहां पहुंच गए। वहीं दूसरी ओर मृतका के चाचा आनंद जी सिंह ने उसके ससुराल वालों पर फांसी लगाकर मारने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने बताया कि खुशबू के जांघ पर कटे के कई निशान भी पाए गए हैं। वही पुलिस द्वारा बनाया गया मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतका की मौत रस्सी से फांसी लगने के कारण मृत्यु होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। बताया जाता है कि मृतका अपने दो भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर थी एवं अपने मां-बाप की इकलौती लाडली थी। मृतका के परिवार में मां गुड़िया देवी व दो भाई नमो नारायण एवं सूरज है। घटना के मृतका के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतका की मां गुड़िया देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।●

# अपराधियों ने दिनदहाड़े लूट की घटना को दिया अंजाम

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत बखोरापुर काली मंदिर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा से एक लाख रुपए की लूट में तीन अपराधियों ने घटना का अंजाम दिया लूट कांड में संलिप्त तीनों लुटेरों का सीसीटीवी फुटेज सामने आया। करीब 3 की संख्या में आए हथियारबंद अपराधियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा बखोरापुर के परिसर में प्रवेश कर सभी ग्राहकों को हथियार के बल पर एक तरफ कर बैंक से रुपया लूट कर फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया तीनों अपराधी काला कपड़ा और मुंह पर नकाब लगाए हुए थे। लूट की घटना को अंजाम देकर अपराधी बड़े ही इत्मीनान के साथ फरार हो गए। घटना की खबर लगते ही बड़हरा थाना प्रभारी जयंत प्रकाश अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज के साथ साथ बैंक कर्मचारियों से पूछताछ की। बैंक ऑफ बड़ौदा बखोरापुर के ज्वाइंट मैनेजर राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि लंच के समय तीन की संख्या में अपराधी हथियार के बल पर सभी ग्राहकों को एक तरफ करके कैसियर के साथ हथियार दिखाते हुए गाली गलौज करने लगे साथ ही कैसियर के काउंटर के पास रखा हुआ लगभग एक लाख रुपए लूट कर फरार हो गए।

☞ **पुलिस कर रही हर एंगल से जांच :-** घटनास्थल का मुआयना करने पहुंचे एडिशनल ए एस पी सह एसडीपीओ हिमांशु कुमार डी यू आई टीम के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा, बखोरापुर पहुंचकर प्रत्येक एंगल से घटना का जांच किया। सीसीटीवी फुटेज की जांचोपरांत पुलिस पदाधिकारियों को अपराधियों की धरपकड़ करने हेतु दिशा निर्देश दिया। एडिशनल ए एस पी हिमांशु कुमार ने बताया कि तीन की संख्या में आए हुए बैंक लुटेरों ने बैंक से करीब एक लाख रुपया लूट कर फरार हुए है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बैंक लुटेरों की शिनाख्त की गई है। उनके धर पकड़ करने एवं लूट के पैसे के रिकवर करने के लिए छापामारी की जा रही है।●

# जिनकी आंखे नहीं, उनको दुनियां देखने लायक बना रहा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय

● गुड्डू कुमार सिंह

दो आंखों से हम दुनिया देखते हैं। आंखें हैं तो हमारी जिंदगी में रोशनी है और आंखें नहीं तो जिंदगी में अंधेरा ही अंधेरा। आंखें न होने की कल्पना करके भी हम सहम जाते हैं। कभी न कभी हमारे मन में यह सवाल उठता है कि जिनकी आंखें नहीं हैं, वे अपने जीवन के अंधेरे से कैसे लड़ते होंगे? नेत्रहीन दिव्यांगों की जिंदगी में रोशनी लाने और उनको अंधेरे से लड़ने का हौसला देने की एक कोशिश कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय आरा न्यू पुलिस लाइन में हो रही है। आपको बताते चलें कि भोजपुर जिले के आरा में एकमात्र स्कूल है जहा दिव्यांग छात्राओं को आध्या उपाध्याय द्वारा शिक्षा देकर उनकी जिंदगी में रोशनी भर रही है । लुई ब्रेल दिवस के शुभ अवसर पर कार्यक्रम आयोजित की गई थी,जिसमे डीपीयो रंजित कुमार पाल संभाग प्रभारी संध्या कुमारी, आर टी निर्मल कुमार मिस्रा, वार्डन पूजा कुमारी, किरण कुमार, पूनम कुमारी द्वारा कार्यकम का दीप प्रज्ज्वलित कर आगाज किया गया,जिसके बाद दिव्यांग छात्राए रेशम कुमारी कंचन बला, रूबी कुमारी,निशा कुमारी, अंजली कुमारी द्वारा स्वागत गान.. अच्छे है भाग हमरे... की प्रस्तुति की गई ,जो पदाधिकारियों को बहुत ही पसंद आया और पदाधिकारियो ने तालियों से छात्राओं को आशीर्वाद दिए। जिसके बाद दिव्यंग और समान छात्राओं के बीच अपस्ट प्रतियोगिता आयोजित कराई गई,जिसमे प्रथम दिव्यांग छात्रा निशा कुमारी अवल आई, आपको बताते चलें कि यह कार्यक्रम आरा के नवादा थाना क्षेत्र के गर्ल्स स्कूल में होने वाला था जो ठंड की वजह से इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया, दिव्यांग छात्राओं को उदास चेहरा देखकर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के वार्डन पूजा द्वारा अपने ही स्कूल में पदाधिकारियों को बुलाकर कार्यक्रम का आयोजित करवाई , जिसके बाद दिव्यांग छात्राओं के के चेहरे खिल उठे। ●

# गोलीबाज बनल जिला आरा!

● गुड्डू कुमार सिंह

आई आपको ले चलते हैं बिहार का एक जिला जहां आंख झपकते ही चलती है गोली और बंद हो जाती है चमचमाती आंखें ...बिहार के भोजपुर में चोर-डाकू, शराब-गांजा तस्कर, लुटेरे, छिनताई और दुष्कर्म को अंजाम देने वाले शातिर अपराधियों को पुलिस का जरा भी खौफ नहीं है। दिन दहाड़े गोलीबारी चाकूबाजी कर पूरे शहर में दहशत का माहौल रखा है। सूबे के डीजीपी आरएस भट्टी ने कमान संभालने के बाद अपने पहले संबोधन में कुख्यात अपराधियों को दौड़ाने का आदेश दिया था, लेकिन सूबे में इसके पूरा उलट हो रहा है ,भोजपुर के एक कुख्यात ने हथकड़ी सरकाकर पुलिस को ऐसा दौड़ाया कि वह पीछा करने के बाद भी उनके हाथ नहीं लग सका। वाकया भोजपुर जिले के सिविल कोर्ट आरा की है, जहां पेशी के लिए लाया गया कुख्यात बंदी आशीष पासवान मंगलवार की शाम हथकड़ी खोलकर फरार हो गया है । इन्हीं सब कारणों से भोजपुर में गुंडा तत्वों के गिरफ्त में फंस चुका है। पुलिस अपराध रोकने के लिए दिनरात मेहनत मशक्कत कर रही है लेकिन उसे अपेक्षित सफलता मिल ही नहीं पा रही है। गैंगवार चलाने वाले गिरोह का सरगना आज तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहता है और पुलिस छोटे-मोटे जेबकटे उठाईगिरों को पकड़कर शहर में हो रहे अपराधों को रोकना चाहती है। वही एक बड़ी घटना जिले के आरा नवादा थाना क्षेत्र के रेलवे लाइन जैन कालेज स्थित कनकपुरी मार्केट के समीप मंगलवार की सुबह घटित हुई है जहां हथियारबंद बदमाशों ने एक छात्र को गोली मार दी। जख्मी छात्र 25 वर्षीय सूरज शर्मा उर्फ गोलू शर्मा टाउन थाना क्षेत्र के मीराचक मोहल्ला निवासी सीताराम शर्मा का पुत्र है। वह बीए का छात्र है। जख्मी छात्र को गोली दाएं साइड कमर के पास लगी है। इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब तक पुलिस को फ्री हैंड नहीं किया जाता तब तक भोजपुर में अपराधियों का दबदबा कायम रहेगा। अपराधियों के सफाया करने के लिए पुलिस प्रशासन को दिल्ली-मुंबई के तर्ज पर पुलिस को फ्री हैंड करना होगा। साथ ही दो-चार इनकाउंर एक्सपर्ट की नियुक्ति करनी होगी जो अपराधियों के मांद में घुसकर उनका इनकाउंटर कर सके तभी उनके हौसला पस्त होंगे। ●

# व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में 11 माह बाद पुनः शिक्षक नियुक्ति पर संशय बरकरार

● मणिभूषण तिवारी/नागेन्द्र दुबे

वीर कुँवर सिंह यूनिवर्सिटी के यू. जी. और पी.जी. के व्यवसायिक पाठ्यक्रम के शिक्षक द्वारा 11 माह बाद उन्हीं लोगों को नियुक्त किया जाएगा या नहीं इसपर संशय बरकरार रहेगा। 29 दिसम्बर को हुए सीनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के लिए नियुक्त शिक्षक सेवा आरम्भ से 11 माह के बाद यह दावा नहीं कर सकते कि पुनः दुबारा उन्हें ही शिक्षक नियुक्त किया जाए। क्योंकि इस प्रस्ताव को स्पष्ट अनुमोदित किया गया है कि पूर्व में नियुक्त शिक्षकों की योग्यता, पठन-पाठन की शैली आदि की जाँच होगी। जिनका कार्य संतोषजनक पाया जाएगा उन्हें अगले टर्म में सेवा विस्तार मिल सकता है। वशर्ते उन्हें 11 माह बाद पुनः दुबारा आवेदन करना होगा। साथ ही विभागीय स्तर पर सलाहकार समिति का गठन भी होगा। मानदेय भुगतान में समानता पर भी चर्चा किया गया। वर्ष 2022 की आखिरी सिंडिकेट की बैठक 29 दिसम्बर को सम्पन्न हुई, जिसकी कार्रवाही मात्र 2 घंटे ही चल सकी और उसमें आधा दर्जन एजेंडों पर ही चर्चा हो सकी और उसका अनुमोदन हो सका। बैठक के शुरूआत में 7 जनवरी को होने वाली आगामी बैठक की कार्रवाही की कार्य सूची एवं प्रश्नावली का अनुमोदन हो पाया। साथ ही सत्र 2022-23 के वार्षिक प्रतिवेदन का भी अनुमोदन किया गया। एक कॉलेज के रिपोर्ट से सम्बन्धित नव संर्वधन एवं स्थायी संर्वधन के लिए आवेदन करने वाले दो कॉलेजों की रिपोर्ट पर पिछली सिंडिकेट में हुई चर्चा और दोबारा बनी कमेटी की रिपोर्ट को बैठक में सदन पटल पर रखा गया। जिसमें चौधरी चरण सिंह कॉलेज राजपुर, रोहतास को सिंडिकेट के द्वारा गठित जाँच कमिटि की रिपोर्ट पर विचार के बाद छः विषयों में स्थायी संर्वधन की अनुशंसा की गई। वहीं लोहिया जगदेव कॉलेज नुआंव कैमुर के लिए बनी कमिटी के रिपोर्ट के अनुसार संबंधन की अनुशंसा नहीं की गई। कहीं कई कॉलेजों के नव संबंधन पर चर्चा भी किया गया, परन्तु उनपर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता खुद वीर कुंअर सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने किया। मौके पर मौजूद प्रो. वी.सी. प्रो. सी.एस. चौधरी, छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. रणविजय कुमार, कुल सचिव डा. धीरेन्द्र कुमार सिंह, प्रॉक्टर डॉ. ओ.पी.राय, डा. कुन्दर सिंह, डा. नरेन्द्र कुमार, डॉ. शैलेन्द्र कुमार ओझा, डा. नरेन्द्र पालित, डॉ. कुमार कौशलेन्द्र सहित कई शिक्षाविद् उपस्थित रहे। साथ ही यह भी घोषित रहा कि संबंधन जाँच की कमिटी में नहीं शामिल हो सकते सिंडिकेट से जुड़े सदस्य इस बात की भी चर्चा की गई। समाचार लिखे जाने तक व्यवसायिक पाठ्यक्रमों से जुड़े शिक्षकों को उनकी जानकारी के लिए बता दूँ कि 11 माह बाद दुबारा निकाला जाएगा, विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा नियुक्ति का विज्ञापन। यानि कोई भी शिक्षक जो व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के लिए सेवा दे रहे हैं दें 11 माह बाद एक शिक्षक बने रहने का दावा नहीं कर सकते।●

**अभी कलम उठाइये**

**आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें**

**सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308**

**ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।**

# सेना का जज्बा

## महान भारत पर गर्व, सेना के शौर्य पर सम्मान

● ललन सिंह

नए वर्ष में भारत का सम्मान में बेहतरी की आहट विश्व के हर कोने से आ रही है। जी-20 की सम्मेलन के तहत होने वाले भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों की तैयारी शुरू हो चुकी है, भारत को अध्यक्षता का मौका है, इसके लिए भारत सरकार सर्वदलीय बैठक भी जारी है, विश्व के ताकतवर देशों के प्रमुख जी-20 की अध्यक्षता पर अपना विश्वास जताया है, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने अपने ट्विटर हैडिल पर लिखा भी है कि शांति एवं स्थायित्व के लिए हमें भारत के प्रधानमंत्री पर पूरा भरोसा है, जो आज के संदर्भ में बहुत ही सम्मानजनक है, कई देशों के प्रमुखों का बधाई और साफ शब्दों में संदेश जिसने आशा एवं विश्वास किया गया है कि भारत आम सहमति एवं संवाद को बढ़ावा देने में और अहम मुद्दो के स्थायी समाधान हेतु भारत के द्वारा विशेषकर प्रधानमंत्री के उपर पूरा भरोसा जताया है, हमारे विदेश मंत्री श्री जयशंकर का लगातार प्रयास इस पर काफी महत्वपूर्ण होते नजर आ रहे हैं, भारत की राष्ट्रपति जी का एक संदेश अगले 25 सालों में ''विश्वगुरू'' बन जायेगा इसका उदाहरण है उन्होंने 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा तब

विश्व का सिरमौर बनेगा विश्व की और अपना गौरव को बढ़ाएगा, इससे पूरे भारतवासियों को गर्व होना स्वाभाविक है और बात भी सही है आज का भारत युवाओं का देश है और यहाँ के हर नागरिक उर्जा से ओतप्रोत है और हर को अब अपने देश महान भारत को सुनहले भविष्य के तरफ आगे ले जाने का चाहत भी है।

हाल के चुनाव में एम.सी.डी. के नतीजों पर यदि एकनजर में यह समझना होगा आज की जनता बेहद चलाक एवं अपने मताधिकार पर सजग है इसमें साफ संदेश है कि बी.जे.पी. को एम.सी.डी. में आप ने विजय हासिल किया वह दिल्ली के लोगों के उम्मीद का वजह है, काफी लम्बे समय से इस एम.सी.डी. के उपर बी.जे.पी. का अधिकार क्षेत्र था और अब लोगों ने दिल्ली के एरिया में काफी उम्मीदें है जो हो लोकतंत्र की यह खुबी रही है कि आम जनता अपने मतों से परिवर्तन लाएं और भविष्य में बेहतर सुविधाएं और विकास की प्राप्ति हेतु अपने मनपसंद प्रतिनिधियों को सत्ता प्रदान करें, यह भी साफ है आम जनता जो वोट देकर सत्ता का भागीदार बनाते हैं जब उन्हें संतुष्टी ना हो तो अगले मताधिकार के ताकत से दूसरे को मौका दे और इससे राजनेताओं में आम जनता के प्रति विकास हेतु सज्जगता एवं कार्य करने हेतु उर्जा भी प्राप्त होगी

जो आज की जरूरत है, हालाँकि दिल्ली में जैसी उम्मीद थी आप राजनीतिक दल की उस तरह का परिणाम नहीं मिला, राजनीतिक दलों को अपने-अपने बयानों से अपने पक्ष में रखने की स्वतंत्रता है पर एक बात साफ है जो भी दल के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं या जिनके उपर जाँच जारी है, उनके इलाके में आप का परिणाम दल के उम्मीदवारों का हार के तौर पर हुआ यह भी साफ संदेश है कि अब नेताओं को निष्पक्ष एवं ईमानदार होना आवश्यक है। यह भी दिल्ली के चुनाव में साफ है कि बड़े-बड़े जीत के बयानबाजी सच साबित नहीं हुए, 134, 104, 9, 3, आप, बी.जे.पी., कांग्रेस एवं अन्यों को क्रमशः प्राप्त हुई है। इस बार आप की ट्रांसजेंडर 'बाबी' की जीत भारतीय लोकतंत्र में एक उदाहरण वाला है, जो हो हर चुनाव में देश के लिए कोई ना कोई स्पष्ट एवं बेहतर संदेश अवश्य प्राप्त होता है और विश्व में हमारे देश की लोकतंत्र का इसलिए सम्मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त है। एक बात साफ है कि चुनावी माहौल में नेताओं का बोली पर कन्ट्रोल नहीं है और आरोप-प्रत्यारोप के दौरान अमर्यादित बयानों से दुखद हालात उत्पन्न जरूरत करते हैं, एक बात अवश्य है कि जो नेता जांच के दायरे में है, दिल्ली के भ्रष्टाचार के तहत उदाहरण के लिए श्री सत्येन्द्र जैन जो जेल में है उनके क्षेत्र से आप के उम्मीदवार हार के भागीदार बने वैसे बी.जे.पी. भी कुछ बोले पर सच्चाई से भाग नहीं सकते, 15 साल के उनके कार्यों पर आम जनता ने जरूर नकारा किया और चाहे शराब के वावत मंत्री सत्येन्द्र जैन हो या बी.जे.पी. की 2017 के परिणाम से 77 सीटें कम होना। इसका साफ मतलब है आम जनता सजग है और कार्यों एवं ईमान्दारी पर गहरी नजर है, अब बी.जे.पी. एम.सी.डी. के चुनाव में क्यों हारी उसपर नेताओं को समीक्षा अवश्य करनी होगी जो हो भारत का लोकतंत्र का मजबूत होना चुनावी परिणाम से झलकता है, देश में हमारे चुनाव आयोग के कार्यों पर भी गर्व करना होगा, किसी भी राजनीतिक दल को चुनाव आयोग के बावत अनावश्यक बयानों से बचना चाहिए, राजनीतिक स्वार्थ सभी दलों में होना स्वभाविक है परन्तु बेतुकी बयानों से केवल लोकतंत्र को चोट पहुँचाने का प्रयास किसी भी हालत में देश अब स्वीकार्य नहीं करेगा, जीत-हार लोकतंत्र की प्रक्रिया है, जिसे हर राजनीतिक दल और नेताओं को सहज रूप से स्वीकार करना चाहिए।

दिल्ली में लोग हर तरह से समृद्ध है और यह भी एक सवाल है, आज की राजनीति में मुफ्तखोरी वाली घोषणाएं जो कहीं ना कहीं चुनावी परिणाम को अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थ के मार्ग प्रशस्त करती है, जो देश के लिए लम्बे समय में समस्या पैदा कर सकता है, इस पर देश के हर नागरिक एवं राजनीतिक दल को समझना होगा, अन्यथा हाल के दिनों में लंबा एवं अब पाकिस्तान जैसे देशों में बिगड़ती आर्थिक हालत का माहौल से समझना होगा और इस तरह की चुनावी घोषणाएं से दूरी बनानी होगी जो देश हित के लिए कदापि सही नहीं हो, विकास की गति में तेजी हो उसके लिए केवल मुफ्तखोरी जैसी घोषणाएं सही नहीं ठहराया जा सकता और इस पर देश में चर्चा भी शुरू हो चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व में एक सम्मानजनक हालात के तरफ अग्रसर है, इस बात में काफी दम है कि मोदी सरकार ने भारत को विश्व की सबसे अग्रणी ताकत बनाने में जो प्रयास किए हैं, उसका परिणाम अब साफ दिखने लगा है और इसका एक अवसर जी-20 की अध्यक्षता का मौका उसी तरह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के लिए दावेदारी पर विश्व के महाशक्तियों का समर्थन जो जबर्दस्त बदलाव की प्रक्रिया के तौर पर मानी जा सकती है, विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के संगठन का नेतृत्व देश के लिए सम्मानजनक तो है ही साथ ही भारत के लिए अपने स्थिति के मजबूती देने में काफी सहायक होगी, भारत लोकतंत्र की जननी रही है, जिसे पूरा विश्व मानता है इस जी-20 के कार्यक्रमों से देश में जगरूकता का होना निश्चित है, सिर्फ आर्थिक और सैन्य बल को ताकत से किसी देश की ताकत को महाशक्ति मानना आज के माहौल में स्वीकार नहीं की जा सकती, भारत जी-20 में सभी सदस्यों के साथ व्यापक संवाद और परामर्श और आम सहमति बनाने में सफल रहने का प्रयास करेगा क्योंकि बार-बार प्रधानमंत्री मोदी जी का संकल्प है कि जी-20 में भारत का योगदान देश और विश्व के लिए अवसर है, जिससे बेहतर परिणाम प्राप्त होने की उम्मीद है

और यह संगठन अन्तर्राष्ट्रीय विकास हेतु आशाओं एवं विश्वास पर आधारित केन्द्र बिंदु सा बनता नजर आ रहा है, सच यह भी है कि मूलतः यह जी-20 संगठन विश्व के बदलते व्यवस्था के संदर्भ में संकटों से लड़ने के लिए बनाया गया

फायदेमंद मंच है, जिससे विश्व के मानव जाति हेतु कल्याणकारी प्रयासों को सभी दिशा प्राप्त होगी, हर सदस्य देशों को अपने-अपने ताकत से योगदान करना होगा, चीन के आक्रामक तेवर, विस्तारवाद रणनीति रूस-यूक्रेन महायुद्ध, ताइवान-चीन का तनाव, बढ़ती महँगाई वाली हालात में जी-20 के देशों के लिए सोचनीय विषय है और इन हालातों में विश्व के हर समस्या पर समाधान के लिए निर्णायक भूमिका में भारत का योगदान अहम होगा और यह अवसर भारत को जो प्राप्त हुआ है उसका सही प्रयास हो पाएं उसके लिए भारत के हर राजनीतिक दल एवं हर भारत के नागरिक को सरकार के साथ जागरूक होना होगा क्योंकि मिला हुआ मौका देश के भविष्य में बेहतरी प्रदान करेगा इस बात के लिए सजग एवं देश हित में साथ रहना आवश्यक है। विश्व को दिशा देने का अवसर जी-20 के तहत भारत को मिला है। इस पर पूरी तौर पर पूरा देश का कर्त्तव्य भी है एक छाप दी जाए जी-20 के सदस्यों को की भारत की पूरानी विरासत, चरित्र एवं कूटनीति, राजनीति बेहतरीन रही है, इसका सच भारत में आकर समझ में आएं।

भारत को अध्यक्षता जी-20 में मिलना समान्य उपलब्धि नहीं है यह एक बहुत ही बड़ी बात है, भारत को मौका मिला है, विश्व में खुशहाली का मार्ग प्रशस्त का यदि भारत को मौका मिला है तो इसका भरपुर फायदा मिलना तय है, देश की पूरानी सोच, विरासत की विश्व एक परिवार है और परिवार के हर सदस्य को समान हक है विकास एवं शांति सुरक्षा की, आज इसी भावना को पूरे दूनियां में जरूरत भी है। जीत और लक्ष्य की पूर्ण हेतु लगातार परिश्रम और अथक प्रयास जारी रखने होंगे। दो राज्यों के चुनावी परिणाम भी हाल में आएँ और गुजरात में भाजपा की रिकार्ड जीत पर आश्चर्य होने का कोई मतलब नहीं एक बात जरूरत साफ है कि लम्बे समय के सत्ता पर काबिज होने के बाद भी बी.जे.पी. की शानदार जीत लोगों के बीच विश्वास और कार्यों का ही परिणाम है, सुशसन के साथ यदि सत्ता पक्ष कार्यरत है तो प्रचंड बहुमत से जीत मिलना तय है, हिमाचल में कांग्रेस की जीत भी राहत वाली है और सत्ता परिवर्तन से आम जनता के सजग निर्णय का अंदाज भी मिलता है, हिमाचल में बी.जे.पी. के कई मंत्रियों की हार एवं उनके परिणाम विरोध में यह साफ है कि बिना कार्य के लगातार जीत हासिल करना भारत के लोकतंत्र में मुश्किल है यह संदेश भविष्य में बहुत सही संदेश है, रेबड़ी राजनीति की भी एक हद और सिमाएं हैं यह भी साफ है कि विकास एवं सुविधाएं अवश्य आवश्यक है परन्तु मुफ्तखोरी वाली घोषणाएं सही नहीं हो सकता, इससे दूरी बनाने की जरूरत है, लोकतंत्र में परिवारवाद रेवड़ी बाँटने वाली घोषणाएँ एवं भ्रष्टाचार इस पर आम जनता का गहरी नजर है, इसका साफ राज्यों के चुनाव के परिणाम पर दिखा है।

देश को डुबाने का मुफ्त मॉडल आजकल राजनीतिक दलों का सत्ता प्राप्ति के लिए एक माध्यम सा बन रहा है। मुफ्त का चंदन और तुष्टीकरण में राजनीतिक दलों का आजकल बहुत जोर है, तुष्टीकरण में आतंकियों को काफी मनोबल बढ़ा है, आजकल राजनीति देश में सत्ता के लिए शार्टकट वाला अभियान शुरू किया है, आजकल हर दल अपने उपलब्धियों को बताने में सरकारी खजाने को अपने निजी सम्पति के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं कभी-कभी तो लगता है कि देश की राजनीतिक दलों में होड़ लगा हुआ है कि आम जनता को कैसे भी यह समझा दे कि हम ही आप के लिए सही दल हैं। सवाल जरूर है यदि जमीन पर कार्यरत नेता है तो आम लोगों को प्रचार-प्रसार और पूरी तौर पर सक्षम हैं वह आज विश्व के लिए उदाहरण स्वरूप है लेकिन कुछ अजकल सत्ता के लिए रेवड़ी राजनीति को लेकर और शॉर्टकट के मार्ग को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं जो आज के चुनावी परिणामों में नकारा भी जा रहा है, लोगों में यह बात अवश्य जहन में आ रही है कि जिन्हें आवश्यकता है उन्हें यदि सरकार द्वारा सुवधिाएं प्रदान मुफ्त में प्रदान हो रही है वह उचित भी है पर केवल वोट बैंक के मद्देनजर मुफ्त प्रदान होने वाली घोषाएं केवल शॉर्टकट की राजनीति होगी क्योंकि आज कोविड के बाद पूरी विश्व उबरने की कोशिश में है, आर्थिक मंदी से और भारत भी महँगाई एवं कई आर्थिक समस्याओं से बाहर निकलने के अथक प्रयास में है, अब यदि कोई राज्य हो या केन्द्र सरकार हो अनावश्यक मुफ्तखोरी वाली नीतियों से दूरी रखना जरूरी है, क्योंकि इससे अंत में आम जनता के उपर ही कर्ज और दबाव का होना तय है, इस

बात को झुठलाया नहीं जा सकता।

राजनीतिक दलों को इस बात को अब समझना होगा कि विजय केवल चुनाव के दौरान परिश्रम से नहीं मिल सकता। आम लोगों के साथ-साथ समय व्यतीत करके ही जमीनी चक्र को समझना होगा। हाल के दिनों में गुजरात, हिमाचल एवं नगर निगम दिल्ली के चुनाव में अलग-अलग दलों की जीत प्राप्ति हुई और भारतीय लोकतंत्र का यह बड़ी विशेषता को समझना ही होगा। किसी को भी हक नहीं है कि चुनाव आयोग पर अनावश्यक अंगूली उठाएं, एक बात को मानना ही होगा कि प्रधानमंत्री को चाहने वाले देश में मतदाता अधिक है उनके दल से अधिक लोगों को उनके उपर विश्वास है यदि तीन चुनावों के परिणाम को देखे तो सबको खुश होने का मौका आम जनता ने दिया, पेंशन योजना पर आजकल चुनावी जीत का माध्यम बनाना कहाँ तक सही है उस पर राजनीतिक दलों को ईमानदारी से विचार करना होगा, पुरानी पेंशन योजना को जिसने खत्म किया था वही राजनीतिक लाभ के लिए लागू करने की घोषणाएं भी कर रही है। सवाल और जबाव दोनों को राजनीतिक तुष्टीकरण और सत्ता पर काबिज होने ववाली सोच से उपर उठना होगा कि इसका बोझ किस पर पड़ेगा, क्या देश के हर नागरिक को सरकारी सेवा की सुविधाएं मिल सकती है और यदि नहीं तो पूरानी पेंशन योजना से कितना आर्थिक बोझ देश के आर्थिक व्यवस्था पर पड़ेगी। क्या जनता इस पूरानी पेंशन योजना को वहन करने के लिए तैयार है? जनादेश का संदेश को लेकर राजनीतिक दलों को समझना होग, आम जनता को भी केवल अपने स्वार्थ के अपेक्षा देश हित पर भी निर्णय लेने होंगे, विचार की आवश्यकता है देश के लिए हर नागरिक को सोचना ही होगा, भावी पीढ़ी जो है उनके लिए वर्तमान में हर को ईमानदार सोच रखना ही होगा।

जिंदगी के हर पहलू को अपने साथ लेकर चलना जरूरी है, आजादी देश को बड़ी संघर्ष एवं शहादत के बाद प्राप्त हुई है इस का ख्याल रखने की जरूरत है, देश में कई नई नीतियों एवं बदलाव की जरूरत है और इन सभी नीतिगत निर्णयों पर विरोध भी जरूर होगें क्योंकि इतनी बड़ी आबादी वाले देश में अलग-अलग विचारों की जमात है, परन्तु संवाद, चर्चा एवं समझबूझ के बाद सही निर्णय की आवश्यकता है, जनसंख्या नियंत्रण हो या समान कानुन की नीति या और कोई नीतिगत निर्णय यदि आज देश में जरूरत है तो होना जरूरी भी है। दलगत राजनीति से उपर उठने की जरूरत है इसमें धार्मिक भावनाओं को और कट्टरवाद की सोच और सत्ता प्राप्ति के स्वार्थ को बीच में लाना सही नहीं हो सकता। आजादी एवं अधिकारों का संघर्ष एक साथ चलते है विश्व में इसके कई उदाहरण वर्तमान में भी दिख रहे हैं। ईरान की महिलाओं का अपने अधिकारों की मांग उठाई जारी है। सड़कों पर उतर चुकी है, लगातार प्रदर्शन जान की परवाह किए बिना अपनी बातों पर अडिग है ईरान की महिलाओं को 2022 को हीरो घोषित किया गया है, ईरान की महिलाओं का ड्रेस कोड के विरोध की ज्वाला अब दुनिया के लिए एक उदाहरण जैसी हो गई है। अब विश्व के सबसे बड़ी आबादी वाले मुस्लिम देश इंडोनेशिया ने भी अपनी आवाज उठाई है। तरीका इनका थोड़ा अलग है पर विश्व में महिलाओं को भी पुरूषों वाली समान हक पर अपना सोच साफ जाहिर हुई है जो तर्कसंगत है, विश्व में हर देश चाहे वह कोई जाति या धर्म से संबंध रखते हो उन्हें इस बात पर गंभीरता से सोचना होगा कि आने वाले समय में महिलाओं को समान हक एवं सम्मान का पूरा ख्याल करने होंगे।

भारत में भी अब बदलाव की बातों को समझना अनिवार्य है विकास में बाधक और समस्याओं के निदान हेतु जड़ तक जाना आवश्यक है। आबादी हो या कट्टरवाद या उन तत्वों को जो अपने हित का ख्याल से आम लोगों में दबाव बनाने की प्रवृत्ति रखते हैं उनपर काबू एवं तौर तरीके से सभी कूरीतियों, नीति के नाम पर बेतुकी परम्पराओं को खत्म किया जाए क्योंकि आज विश्व में अपने आप को विकसीत बनाना है तो समाज के हर हिस्से को देश के लिए ईमानदार होकर अपना योगदान देने होंगे, आज का युग तकनीकी एवं उर्जावान है इस दौड़ में साथ चलने के लिए बेकार की परम्पराओं एवं कूरीतियों को या धार्मिक विरासत या सोच का कोई मतलब नहीं है, छोटी बातें बड़ी समस्याओं को भी जन्म देती है, एक बात आजकल अपने राज्य बिहार में जोरो पर है कला संस्कृति के नाम पर अश्लीलता एवं साथ में जातिवाद की धमक लोकप्रिय भाषा भोजपुरी जो राज्य देश और विदेशों में बोली जाती है पर कुछ अधिक आगे बढ़ने के होड़ में जबर्दस्त अश्लीलता का समावेश भोजपुरी गीतों में जातिवाद का जगह भी घोला जा रहा है। समाज में इस तरह का गीत के माध्यम से समाजिक माहौल पूरी तरह से भ्रमित एवं असहज होता है जो राज्य के अपनापन एवं प्यार भाव को ताड़-ताड़ भी कर रहा है। कला संस्कृति एक माध्यम है जो अपनो के जोड़ता है, लोगों में खुशी का माहौल बनाता है पर यदि इससे समाज में जातिवाद या अश्लीलता को बढ़ावा मिले तो सरकार को इन हालातों पर कड़ाई से रोक एवं इस प्रवृति को कानूनी प्रक्रिया से समाप्त भी करने चाहिए, क्योंकि देश में अराजकता एवं अशांति फैलाने का किसी को भी हक नहीं है।

भारत विभिन्न संस्कृति और परम्परा की भूमि है, सबसे पूरानी विश्व की सभ्यता है यह मानी जाती है एक बात यह भी है कि उन्हें शिष्टाचार, सभ्य संवाद तहजीब और शानदार मान्यताओं के साथ हमारी परम्परा लगातार और बेहतरी के मार्ग में अग्रसर भी है, परन्तु कुछ लोकगीतों के माध्यम से आर्थिक और अपने मान-सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए गीतों में अश्लीलता का सहारा लेते हैं जो देश के लोकगीतों एवं परम्परों पर चोट के समान है, इसमें कोई शक नहीं हर लोगों की जीवन शैली आधुनिक हो

रही है फिर भी अपनी परम्पराओं एवं मूल्यों को बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल कलाकारों की नहीं हर वर्ग की है जो इन गीतों एवं लोक संगीत को बढ़ावा देते हैं। रिश्तों में प्यार अपनापन उत्सवों में जोश गर्माहट जीवंत संस्कृति के लिए समाज में लोकगीतों और कला की परम्परा मूल आधार है, त्योहारों, शादी-ब्याह और पारिवारिक कार्यक्रमों में लोकगीत के वजह से अपनी परम्परा का समझ में आता है कि हमारी विरासत संस्कृति का कितना बड़ा योगदान था। हमारे जीवन पर आजकल आधुनिकता के नाम पर गलत शब्दों एवं दोहरी समझ वाली गीतों से केवल समाजिक माहौल को शर्म समहसूस होता है और चाहे भोजपुरी हो या कोई और भाषा का गीत संगीत एक परिवार अपने सभी सदस्यों के साथ इसका लुफ्त नहीं उठा सकता, इस तरह के हालात को नृत्य-गीत संगीत में केवल स्वार्थी किस्म के गीतकार गायक ही उत्तरदायी नहीं इसे बढ़ावा देने में हमारे समाज में वे लोग भी है, जो समाज को दूषित और अश्लीलता के मार्ग पर ले जाने में साथ है। इस तरह के नृत्य-गीत संगीत, को पूरी तौर पर बहिष्कार हेतु समाज एवं प्रशासन को सतर्क होकर कार्यवाही करने होगें।

शॉर्टकट की राजनीति का प्रयास हो या गीत-संगीत की माध्यम से नाम कमाने और आर्थिक कमाई का सोच हो इनका नुकसान आम आदमी को ही करना होता है इन हालातों पर चिंता एवं रोक का अभियान आम जनता के द्वारा ही उठाए जाने की जरूरत है और समाज एवं आम जन इस पर सतर्क हो चुके हैं, गलत गायक हो या गायिका या गितकार हो जिनका मकसद केवल आर्थिक कमाई का सोच हो उन्हें आम लोगों द्वारा बहिष्कार की जाए और उसी तरह नेताओं या राजनीतिक दलों को जिनका सत्ता में आना ही मकसद हो जो शॉर्टकट के माध्यम से सत्ता पर काबिज होने की मंशा रखते हो उन्हें बेनकाव करने की जिम्मेवारी आम जनता को है, क्योंकि देश और समाज को खोखला वाली नीतियों का सहारा लेने के इनके चाल को भारत के आम जनता को इनकी पहचान होने लगी है और इसका उदाहरण कई चुनावी परिणामों में स्पष्ट रूप से नजर आ रहे हैं, स्थायी विकास एवं बेहतर समाजिक माहौल आज की जरूरत है, समाज, देश हित का ख्याल रखना हर वर्ग के लोगों को समझना होगा चाहे वे किसी भी वर्ग के हो कलाकार हो या किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो देश हित सर्वोपरि है, देश के विकास हेतु मजबूत बुनियादी आधार हेतु इमान्दार और सभी को दूरदर्शी होने की जरूरत है, स्वार्थ की भावना केवल कुछ समय के लिए बेहतर परिणाम दे सकती है, परन्तु लम्बे समय में केवल नुकसानदेह ही साबित होगा आने वाली पीढ़ी को इसका परिणाम भुगतने पड़ेंगे, चर्चा एवं विचार की जरूरत है, समाज में इसके लिए विशेषकर युवाओं को सचेत होना होगा, क्योंकि देश में आज युवाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में हो इसकी भी आवश्यकता है, युवाओं का भारत आज इनके तरफ उम्मीदों में है, समय के साथ बदलाव एवं विकास में गति

देने का समय है।

भारत जब अपने विकास में गति दे रहा है और विश्व में अपने आप को विकसित एवं विश्व गुरू की तैयारी में है तो चीन एवं पाक अपने-अपने नपाक सोच से अनावश्यक दबाव सीमा पर बनाने की कोशिश में प्रयासरत है, गलवान के सीमा पर भारत-चीन का विवाद की शरारतपूर्ण नपाक विस्तारवादी हरकत तवांग सेक्टर में आया है और तवांग सेक्टर में नौ दिसम्बर को एल.ए.सी. पार की कोशिश की जिसको भारतीय सेना एवं अर्द्धसैनिक बल आई.टी.बी.पी. के बहादुर जवानों ने विफल किया पूरी ताकत से जवाब दिया। दोनों पक्षों के जवानों को घायल होने की जानकारी मिली, हालाँकि तवांग सेक्टर के दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच शांति बहाली हेतु फ्लैग मीटिंग भी हुई। इस इलाके में अक्टूबर 2021 में भी त्यांगसे एरिया में चीनी सैनिकों द्वारा अतिक्रमण किया गया था। चीन के विस्तारवादी नीतियों एवं लगातार विभिन्न जगहों पर खुराफाती हरकतों के वजह से रिश्ते तनावपूर्ण है, सीमा तक लगातार दोनों देशों का गश्त भी होता है, 17000 फीट की ऊंचाई पर कड़ाके की ठंढ में चीन की सोची समझी रणनीति है, साजिश से भारतीय सेना की काबलियत पर एक तरह का जानकारी लेने की प्रयास भी है, चीन विश्व में कभी ताइवान कभी अमेरिका और हर छोटे देशों को कर्ज प्रदान करने, अपने काबू में रखना चाहता है, अपने हित, व्यापारिक सोच और विस्तारवाद को बढ़ावा हेतु हरकतें करता रहता है। हाल के दिनों में भारतीय विदेश मंत्री श्री जयशंकर जी का कहना कि चीन से रिश्ते सामान्य नहीं है, सही साबित होता नजर आ रहा है। एल.ए.सी. पर चीन मनमाने तरीकों से स्थिति नहीं बदल सकता। यह भारत का साफ संदेश है, पूर्वी लद्दाख के गलबान घाटी में 15 जून 2020 को एल.ए.सी. पर खूनी संघर्ष के बाद तवांग सेक्टर के इलाके में दूसरा मौका है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् को चीन के विस्तारवाद और नपाक हरकतों पर अवश्य एक्शन करना होगा और तभी हो सकता है जब सुरक्षा परिषद में सुधार हो भारत की दावेदारी सही है, स्थायी सदस्य हेतु, विश्व में विवादों एवं शांति सुनिश्चित हेतु एक ईमानदार सोच एवं नीतिगत प्रस्तावों पर चर्चा के साथ निर्णय को अंजाम तक ले जाने का समय है, क्योंकि चीन की पुराना इतिहास है, अतिक्रमण एवं दूसरे देशों पर अपने हक जमाने का, समय के साथ चीन के इस तरह के नपाक हरकतों पर भारत बहुत ही सतर्क है और पूरी तैयारी के साथ सजग भी है, इसी का परिणाम है कि तवांग में चीन की साजिश भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा नाकार दिया गया। 1962 में युद्ध के दौरान चीन ने भारत के पूर्वी हिस्से में सबसे बड़ी फौज की बल को तवांग के मार्ग से असम में घुसपैठ करवाया था। इस इलाके में भारत-चीन-भुटान के पास भारतीय गाँव में घुसने का प्रयास 2021 में किया गया था, परन्तु भारतीय सेना ने इन्हें तुरंत भगाया था, तवांग की राजनीतिक महत्व है, इस इलाके में भारत व तिब्बत (चीन) के साथ भुटान से सीमा जूड़ी हुई है, जो पूरी पूर्वी भारत के इलाके पर नजर रखने का सोच चीन रखता है, छठे दलाई लामा की जन्म स्थली भी है, तवांग का इलाका बौद्ध धर्म के अनुयायीयों का धार्मिक केन्द्र स्थल भी है और यह तवांग की घुसपैठ और रणनीति एक बड़े खतरे की घंटी भी है, एक बात है हम हमारे फौजियों के साहस एवं प्राक्रम पर गर्व है, इन मामलों में गोपनीयता एवं सामरिक हालातों पर अनावश्यक बयानबाजी पर कंट्रोल रखने की जरूरत है, चर्चा सर्वदलीय मीटिंग और जरूरत के अनुसार दायरे में रहकर संवाद हो पर राजनीतिक रंग ना दिया जाय।

इसका ख्याल हर स्तर पर जरूरी है। तवांग हो इससे पहले जब भी भारत-चीन के सीमा विवाद की हालात बनती है, तो विपक्षी दलों का बयान केवल राजनीतिक स्वार्थ जैसा लगता है कि हाल में संसद में तवांग के चीनी अतिक्रमण के बाद वापसी भारतीय सेना द्वारा जज्बा के दबाव के कारण तुरंत हो गई, रक्षा मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में लोकसभा, राज्यसभा में औपचारिक बयान दिए पर विपक्षी दलों का हंगामा शांत नहीं हुआ, जबकि इस तरह के हंगामों से भारतीय सुरक्षा पर अवश्य अशमंजश होना तय है। पी.एम. पर भी निशाना बनाया गया है, उस दौरान एक बात समझनी होगी हर राजनीतिक दलों को एल.ए.सी. हो या एल.ओ.सी. या कोई और सीमा, रक्षा के मद्देनजर दुर्गम क्षेत्रों में नई सड़कों, टनल और बुनियादी आधार का जबर्दस्त नेटवर्क तैयार किया गया है और आज एल.ए.सी. पर पूरी तौर पर बदल गए हैं, समीकरण इस बात की तकलीफ चीन को है, आज किसी भी बार्डर पर भारत अपनी सेना, रसद, उपकरण को जरूरत के अनुसार कम समय में पहुँचा सकता है और चाहे चीन हो या पाक या कोई नपाक रणनीति जमीनी हो या आसमानी या समुद्री बेहतर ढंग से दूश्मन को लेकर निर्णायक एक्शन की जा सकती है, मैकमोहन लाइन के समीप फ्रंटियर हाइवे जो निर्माणाधीन है और कार्य तेजी से बढ़ रहा है। इसके पूरी तौर पर बनने के बाद चीनी इलाके जो एल.ए.सी. के नजदीक का है, जिसमें चीन द्वारा अपने गाँवों को बनाया गया है, उसकी निगरानी भारतीय सेना, अर्द्धसैनिक बल, आसानी से कर पाएगी, जिसका चीन को तकलीफ है।

चीन सूचना युद्ध में काफी आगे रहने की कोशिश करता है और यह भी बात सच है कि चीन सूचना युद्ध में माहिर खिलाड़ी है एक बात बहुत तकलीफ की है कि चीन से मिलती हुई सीमा की स्थिति एवं हालात के जानकारी के लिए विपक्षी दलों का एक साथ होना संसद में हंगामा और अनावश्यक बयानबाजी सही नहीं है। 17 दलों द्वारा एक होना केवल चीन के सूचना तंत्र को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन जैसा साबित हो सकता है। सुरक्षा-रक्षा की जानकारियों को गोपनियता कायम रखने के लिए सर्वदलीय संवाद हो सकती है और सत्ता पक्ष एवं विपक्ष इस

बावत सहमति बनाएं, गलवान और पहले भी कई बार सीमा विवाद एवं गंभीर मसलों पर होती रही है, पूर्व सेनाध्यक्ष जेनरल एम.एम. नरवणे का एक स्पष्ट बयान, चीन, भारत का नम्बर एक दूश्मन है तवांग जैसे अतिक्रमण साल में एक-दो बार करते रहता है। इस पर हमारी सेना, अर्द्धसैनिक बल लगातार असफल करती रहती है। इन मुद्दों पर कैडर स्तर पर भी और लोकल स्तर पर कई बार वार्ता हुई है। भारत के विदेश मंत्री श्री जयशंकर जी का साफ बयान एवं चीन को बताया जाना कि चीन अपने मुताबिक सीमा पर स्थिति हर वक्त बदलने का प्रयास करता है जो भारत द्वारा मान्य नहीं है, जब तक यह विस्तारवाद की नपाक हरकतों को पूरी तौर पर रोक चीन नहीं लगाता तबतक भारत के चीन के साथ रिश्ते सुधरने का कोई सवाल ही नहीं उठता। एक बात विपक्ष को समझना होगा सुरक्षा की जानकारी एक गंभीर विषय है, इस में हर मौके पर सरकार को कठघरे में खड़ा करना कदापि सही नहीं हो सकता। 1962 से अभी तक सत्ता परवर्त्तित होती रही है। भारत के लोकतंत्र में पूरानी बातों में कितना सही कितना गलत अब इस पर खिचातानी के बजाय वर्त्तमान में सुरक्षा पर सतर्क होना होगा।

चीन हो या पाक के नपाक इरादे लगातार भारत के बाहरी और आंतरिक सुरक्षा में डिस्टर्व करते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में पाक का काश्मीर राग अलापने के लिए प्रयास और ओ. आई.सी. का एजेण्डा का साथ देश के लिए घातक है, ही यही होगा कि भारत की विपक्षी दल तू-तू मै-मै की अनावश्यक हंगामा, नारेबाजी, राजनीति से दूरी बनाएं एक साथ सत्ता और विपक्ष सुरक्षा के बावत खड़ी हो जिससे विश्व और दुश्मन देशों में हमारी ताकत एवं काबलियत का संदेश जाएं। यह बात जरूर है कि विपक्ष की कुछ सवाल देशहित में हो सकते हैं, परन्तु सवालों एवं पूछताछ जानकारियों के लिए मंच अलग हो जहाँ रक्षा-सुरक्षा के बावत हर बात सार्वजनिक ना हो, क्योंकि इसका असर सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों पर प्रत्यक्ष रूप से पड़ता है। यह बात भी साफ है कि भारत का लोकतंत्र ही सेना को निर्देशित करती है, सेना, सुरक्षा बल जज्बा से सीमा हो या कहीं भी हर बक्त अपने जान को हथेलियों पर रखकर रक्षा हेतु तैनात रहते हैं एकजुटता के बजाए देश की राजनीति विखरा हुआ अवश्य नजर आता है, इसमें कोई शक नहीं आरोपों और प्रत्यारोपों की प्रयास देश के छवि को खराब करती है और देश के मनोबल को भी प्रभावित करती है। राजनीति

के नाम पर केवल सत्ता अधिक प्रभावी होता नजर आता है, नेताओं में देश प्रेम और सेना के साथ का बयान भी आते हैं, परन्तु इनकी रणनीति का सच तभी पता चलता हे जब जाने-अनजाने में चीन के पी.एल.ए. को हमारे सीमा के अन्दर और तैनाती जैसी गलत बयानबाजी की जाती है। 1 इंच जमीन भी कोई कब्जा नहीं कर सकता। आज का वर्तमान भारत की सेना पूरी तौर पर मुस्तैद है, सीमाओं पर।

उत्तरी सीमा पर बढ़ रही है चुनौतियां और खतरे हमेशा बनी रहती है, चाहे वह गलवान हो या त्यांगत्से में हमारे देश और सेना के द्वारा मुहतोड़ जवाब का उदाहरण साफ है, 9 दिसम्बर में चीनी चाल थी त्यांग्तसे पर निगरानी चौकी स्थापित करने की पर असफल किया हमारे बहादुरों ने, दूसरी तरफ पाकिस्तान लगातार घुसपैठ, ड्रौन द्वारा घाटी, पंजाब और अब बंगलादेश, नेपाल सीमा से प्रयास कर रहा है। यह भी बात साफ है। इनपर काबू के लिए भारतीय सुरक्षा बलों ने जबर्दस्त एक्शन जारी रखा है। हमारी सूचना तंत्र, जांच एजेंसियां इनके हर स्तर पर कमर तोड़ने का प्रयास कर रही है, फिर भी आतंकववाद को सही ठहराने की प्रयास कई विश्व के बहुपक्षिय मंचों का दुरूपयोग की जा रही है, साजिशकर्त्ताओं का साथ कई देशों का समर्थन मिलना बहुत ही खतरनाक साबित होगा। यह बात भारत द्वारा लागतार कही जा रही है और भारत कूटनीतिक और आर्थिक साथ ही संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद में खुली बहस के दौरान चीन और पाक के बिना नाम लिए साथ कई आतंकवाद को साथ देने वालों को चेताया भी है और कड़ा प्रहार किया है, विश्व के अधिकतर देशों का साथ भी मिल रहा है, सुरक्षा परिषद को पूरी तौर पर सक्षम बनाने हेतु भारत को इसके स्थायी सदस्य बनाने के प्रयास में विश्व के महाशक्तियों का समर्थन मिलना इसका उदाहरण है, चीन का तो जमीन से लेकर समुद्र तक कई देशों से सीमा विवाद जगजाहिर है, नेपाल, भूटान, लाओस, मंगोलिया, तिब्बत, म्यांमार और पूर्वी तुर्किस्तान और ताइवान के साथ भी, भारत के 43 हजार वर्ग किमी. धरती पर चीनी कब्जे को लेकर बैठा चीन अभी भी अपने दबाव बनाने की प्रयासरत है। चीन का समुद्री विवाद है ही अधिकतर चीन का विवाद आदतन है पर अब विश्व इसके चालाकी, नापाक सोच पर एकजूट होती नजर आ रही है।

सीमा पर विवादों को खत्म करना देश की प्राथमिकता है पर चीन की धुर्तता एवं विस्तारवाद पर सतर्कता बरतनी आवश्यक है। लाईन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल हालांकि अभी भी यह स्पष्ट नहीं है, दोनों देश अपनी अलग-अलग लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल बताते है। इन में कई वर्फ की रेगिस्तान, ग्लेशियर, नदियां एवं पहाड़ पड़ती है और अक्सर भारत के और चीन

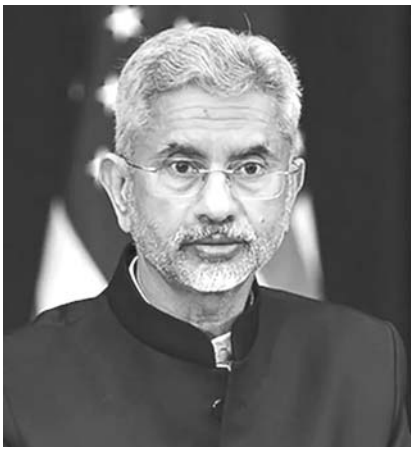

के सेनाओं में तनाव की खबरें हमेशा आती रहती है। चीन के नामचीन फौजी करीब 500 साल पहले 'द आर्ट ऑफ वार' नामक किताब में लिखा था कि जंग की सबसे अच्छी एवं सही कला है दुश्मन को बिना लड़े ही पस्त (हरा) कर दो, जंग की इस बेहतरीन कला को समझना होगा चीन इसी तौर तरीकों पर अपने एक्शन में अभी भी प्रयासरत है। 3488 किमी. लम्बी सीमा भारत-चीन की जम्मू-काश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्कम एवं अरूणाचल प्रदेश से गुजरती है, पूर तौर पर दोनों देशों का पूरी तौर पर मान्य सीमांकन नहीं होना भी लाइन ऑफ कन्ट्रोल में विवाद का सबसे बड़ा कारण है, भारत पश्चिमी सेक्टर में अक्साई चीन के नियंत्रण में है। 1962 के युद्ध के दौरान चीन इस पर अवैध रूप से कब्जा किया था, अरूणाचल को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा चीन मानता है, चीन तिब्बत एवं अरूणाचल के बीच का मेकमोहन रेखा को भी नहीं मानता, 1950 में तिब्बत को चीन पूरी तौर पर अपने कब्जे में लिया अर्थात साफ है चीन अक्साई चीन को भारत के दावे को खारीज करता है और अरूणाचल में मेकमोहन लाइन को नहीं मानता है। यही कारण है कि दोनों देशों का अभी तक सीमा निर्धारण नहीं हुआ और यथा स्थिति बनाए रखने के लिए एल.ए.सी. टर्म को इस्तेमाल अपने-अपने तरीके से मानने का प्रयास जारी रहा।

पैंगोगत्सो, गलवान घाटी, डोकलाम, तवांग, नथुला इन सबके विवादों पर दोनों देशों ने बार्डर पर समितियां बनाई हुई है, कमाण्डर स्तर पर कई सामरिक वार्ता हुई है लोकल स्तर पर भी बातचीत सीमा विवाद के समाधान हेतु प्रयास होते हैं पर अब तक सीमा निर्धारण पूरी तौर पर ना हो जाए इस तरह के विवादों को आना स्वाभाविक है। युद्ध की स्थिति ना बने इसके लिए दोनों देशों ने निष्पक्ष तौर पर सीमा का स्पष्ट निर्धारण हो जाय जो दोनों देशों एवं एशिया के लिए बेहतर होगा। भारत तवांग के बाद पूर्वोत्तर में वायुसेना का बड़ा युद्धाभ्यास किया। अभ्यास में राफेल, सुखोई 30 और अग्रिम लाइन के विमान हिस्सा लिया, जो हो इन युद्धाभ्यास को विवाद से कोई मतलब नहीं इन अभ्यासों से समूचे पूर्वोत्तर इलाके को जरूरत के समय कवर करने की क्षमताओं को परखा गया, किसी भी तरह की सामरिक चुनौतियों को परखना लक्ष्य रहता है, लगातार सेना के कई देशों के साथ युद्धाभ्यास इसके बावत ही हुए क्योंकि सीमा पर सक्रियता के मद्देनजर सैन्य क्षमताओं का निपुणता अभ्यास के द्वारा ही पूर्णत: मापी जाती है, भारत की चीन के साथ अपनी रणनीति में मौसम, हालात और परिस्थितियों के हिसाब से निर्धारित करने होगे, कुटनीतिक, राजनीतिक एवं सामरिक सभी स्तरों पर अपने आप में पूरी तौर पर सचेत होने की प्रक्रिया को जारी रखने ही होंगे। दूसरे तरफ आतंकववाद का पोषक पाक पर भी दबाव एवं मजबूत चौकसी की जरूरत है जो एल.ओ.सी. पर जारी है, सुरक्षा बलों के माध्यम से और देश की सरकार के द्वारा विदेश मंत्री श्री जयशंकर जी का सुरक्षा परिषद में पूरी तौर पर विश्व जनमत को अपने पक्ष में और आतंकवाद के दोहरा चरित्र द्वारा चीन, पाक के साथ को उजागर किया जाना बेहतर प्रयास है।

बिलावल भुट्टों पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के बावत आपत्तिजनक बयान बहुत ही शर्मनाक रहे हैं, क्योंकि सवाल दल का नहीं भारत के सम्मान की बात है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री मानसिक रूप से दिवालया है, पद से काबलियत नहीं आती, 1971 के पूर्वी पाक का बंगलादेश बनने के दिन 16 दिसम्बर को शायद उनको कष्ट का कारण रहा हो और 'बंगलादेश'' बनने के वजह से गलत टिप्पणीयां बिलावल भुट्टों ने दिया होगा और पाक की हालात बहुत ही खराब है, सरकार पाक की कुछ करने के हालात तो नहीं है और पाक में तालीबान का बार्डर पर टेंशन और आंतरिक हालात जब खराब होते हैं तो वहाँ के नेताओं की यह पूरानी बिमारी है अनाप-शनाप भारत विरोधी बयान देने की, पाक का 4 टुकड़े होने की हालात बनते नजर भी आ रहे हैं, 2024 में पाकिस्तान का विभाजन का मार्ग बनता नजर आ रहे हैं पर भारत को पाकिस्तान से और चौकन्ना होने का समय है। हालांकि भारत अपने सामरिक, कुटनीतिक, राजनीतिक स्तर पर चौकस भी है, विलावल भुट्टों का राजनीतिक विरासत पाक में रही है पर विदेश मंत्री का किसी देश को या देश के पी.एम. के बावत अमर्यादित बयान पूरी विश्व में इसकी जग हंसाई हुई है। आतंकवाद पर हमारा देश भारत पूरी तौर पर कड़ा संदेश दे रहा है, विशेषकर भारतीय विदेश मंत्री श्री जयशंकर जी विश्व को एकमत करते नजर आ रहे हैं और पाक के विदेश मंत्री को यह अच्छा नहीं लग रहा है और इस तरह मोदी साहब के विरोध में बयानबाजी हुई है, इनको राजनीति में बहुत कुछ सीखना होगा, पूरे देश में लोगों ने गुस्सा प्रकट किया है, जो हो पाकिस्तान की छवि पूरे तौर पर आतंकवाद का पोषक वाला बन चुका है। एक बात जरूर है बिलावल भुट्टों का बयान सोची समझी है जो ओ.आई.सी. और कुछ देशों के साथ योजनाबद्ध तरीका से भारत के छवि पर चोट पहुँचाना चाहते हैं, जो जो आज जरूरत है, हर नागरिक और हर राजनीतिक दल को की भारत के सम्मान पर कोई चोट पहुँचाए तो एक होकर उनके नपाक सोच पर पूरी तौर पर काबू की जाए। किसी भी देश के विदेश मंत्री से इतनी गिरे हुए बयान एवं हरकतों की उम्मीद नहीं की जाती, बंगलादेश में कैसे भीषण अत्याचार पाक की सेनाओं और प्रशासनिक अमले ने किया था, उसकी जानकारी बिलावल भुट्टों को अवश्य लेना चाहिए, संयुक्त राष्ट्र के हिसाब से पाक में कई सौ आतंकियों की शरणस्थली और ट्रेनिंग कैम्प है, इसमें उनको दिलचस्पी लेने की जरूरत है। भारत के आंतरिक मामलों में घुसपैठ करने की सोच उनके उपर ही भारी पड़ेगा, भारत के साथ और संबंधों को खराब करने की प्रयास जैसी उनकी बोली है, विदेशी मंत्री, भारत के सच एवं तीखी बातों से पाक बौखलाया हुआ है, और जी-20 का अध्यक्षता के वजह से और परेशान है हाल में प्रधानमंत्री का सम्मान से पाक में घबड़ाहट होना स्वाभाविक है, मोदी जी का पुतीन महोदय से शांति का आग्रह

और अमेरिका के साथ भी हर स्तर पर संबंध से भी जबर्दस्त डर का माहौल बनता है और बिलावल बचकानी बयानबाजी से पाक का स्तर और गिराने में लगे हैं।

हाल में भारत का सम्मान लगातार विश्व में बेहतरी के तरफ जा रहा तो कभी भारत चीन झड़प के मुद्दे पर कुछ नेताओं का बयानबाजी विपक्ष का हंगामा शुरू हो जाता है, राजनीति हो विकास या देश के उत्थान पर लेकिन कोई नेता कहे कि भारतीय सेना चीन के पी.एल.ए. द्वारा पीटे जा रहे हैं, चीन का फौज भारतीय सेना में घुस गए हैं इस पर सवाल जरूर उठेंगे, एक जगह यह बोलना कि सेना हमारी गर्व के लायक है, दूसरे मौके पर हमारे जवानों के बावत चीनी सैनिकों द्वारा पीटे जाने वाली यह कदापि सही नहीं हो सकता, देश पूरी तौर पर सतर्क है, पूर्वोतर सीमा पर नई सड़कों, टनल, बंकर और हवाई पट्टी साथ जमीनी, आसमानी ताकत को बढ़ावा दी जा रही है पर गोपनियता का ख्याल रखना सामरिक तौर पर आवश्यक है। समझना होगा यह सुरक्षा के बावत हर वक्त संसद में सरकार के विरोध के नाम पर हंगामा और बेवजह बयानवाजी सही नहीं है। देश में आजकल सत्ता ही राजनीति का मुद्दा हो रहा है, बाहरी सुरक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा दोनों पर सख्ती एवं सतर्कता आवश्यक है, अग्नि-5 का भारत ने परिक्षण किया, इसकी ताकत से चीन और पाकिस्तान में डर होना लाजमी है, जरूरत से ज्यादा सामरिक सूचना गलत हो जाती है, देश हित में आजकल सूचना वार की अहमियत काफी है, आजकल चीन फोटो वाली साजिश सीमा पर करने की कोशिश में है, भारतीय सीमा में कुछ समय अन्दर आकर फोटो लेकर उसे दिखाने की कोशिश करता है कि भारतीय सीमा में हमारी पी.एल.ए. गश्त कर रही है, भारत अब पूरी सतर्कता से इस बात को समझ चुका है और इस पर काबू की कारवाई कर रहा है।

पूर्वी लद्दाख और चिकेन नेक में अब हवाई ताकत को भी बढ़ाए जा रहे हैं, सिक्कम से लद्दाख तक सटे लाइट से निगरानी वाले ड्रोन इस्तेमाल हो रहे हैं। यही कारण है चीन में खलबली का, पूर्वोतर का वायुसेना का युद्धाभ्यास चीन को साफ संदेश है, अग्रिम पोस्टों में पूरी तौर तैनाती हथियोरों एवं उपकरणों का हो चुका है अभी इन इलाकों में माइनस 25 डिग्री तक ठंड रहती है, भारत के ताकत में राफेल का होना भी जबर्दस्त समर्थन और मजबूती है, 36वाँ आखरी राफेल भी 58 हजार करोड़ रूपए के सौदे का जो 2016 में फ्रांस से हुआ था वह मिल चुका है, राफेल का बेड़ा पाक के सीमा के साथ भारत की उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र की निगरानी करेगा, एक बेड़ा चीन से लगी पूर्वी सीमा की रक्षा करेगा, तनाव चीन के साथ जारी है, और राफेल की सुरक्षा और जरूरत के समय इसका एक्शन प्रभावी होना तय है, जिस पर भारत को गर्व है और भारतीय क्षेत्र का अखंडता और सुरक्षा के उपर यह एक विश्वास से भरा हुआ वायुसेना का लड़ाकु विमान होगा, जो आज की जरूरत है। एक बात सब भारतीय को समझना होगा एल.ए.सी. पर आज का भारतीय सेना की तैयारी बहुत है, इस तरह की कोई भी नपाक चीन का हरकतों को पूरी तौर पर निपटे के लिए तैयार है। विश्व समुदाय को अब समझना होगा कि आतंकवाद के साथ खड़ा होने वाला देश चीन, जिसका कई देशों के साथ सीमा-विवाद है, विस्तारवाद सोच पर कैसे काबू किया जाए और इसके नपाक मंसुबों पर पूरी तौर पर रोक के लिए क्या-क्या एक्शन की आवश्यकता है। पाक जैसे आतंकवादी पोषक को कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है, ओसामा जैसे खूंखार आतंकवादी को छुपा कर रखने वाला देश अपने आप को साफ और आतंक से घिरा हुआ बताता है, इनके सच सबको पता है पर विश्व केवल अपने-अपने व्यापारिक और राजनीतिक हितों को साधने में लगा है और यही दोहरा

चरित्र विश्व के लिए सही नहीं है, इसका एक साफ उदाहरण युक्रेन-रूस के महायुद्ध में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। भारत के साफ संदेश है कि न्यूयार्क का 9/11 या मुंबई का 26/11 दुबारा ना हो इसके लिए विश्व में एकजुटता और तैयारी हर स्तर पर हो इसकी कार्यवाही जारी है और यह सब पाक जैसे देश को अच्छा नहीं लगता, इसके लिए अमेरिका जैसी महाशक्ति भी भारत के साथ है और आतंकविरोधी एक्शनों पर संग कार्य हेतु जरूरी भी है। सफलता और विकास के राह में आतंकवाद और बाहरी सुरक्षा में छेड़छाड़ बाधाएं वाली है। हाल के दिनों में भारत की सेना द्वारा कई दूसरे देशों की सेनाओं के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास होते रहे हैं नए वर्ष में इस तरह की योजना भी प्रस्तावित है और यह सही निर्णय है हमारे देश का हाल में नेपाल के साथ भी हुआ, नेपाल पर चीन की नजर है, इस देश के साथ व्यापारिक और कर्ज एवं विकास के नाम पर भारत विरोधी महौल बनाने के लिए प्रयासरत हैं और इन हालातों के मद्देनहर भारत का संयुक्त सैन्य अभ्यास एक बेहतर सोच है, भारत अपने दोनों फ्रंटों पर सचेत है, साथ ही भारत के अन्दर राष्ट्र विरोधी तत्वों से भी सतर्क अभियान में कार्यरत है, क्योंकि इनका साथ पाक और कई विदेशी नेटवर्क से साथ है, आजकल कुछ और देश विरोधी तत्वों का पाक के आई.एस.आई. के साथ का जानकारी हुई है, हमारी जाँच एजेंसियों को एन.आ.ए. काफी सतर्क होकर अपने कार्यो को अंजाम दे रही है, तवांग में जब शौर्य का डंका बजा तो कुछ नेताओं को शंका क्यों, हम अपने फौज पर पूरी तौर पर विश्वास एवं गर्व करनी चाहिए, गलत बयानवाजी से दुश्मन और दुश्मन देश को एक तरह से समर्थन मिलता है, बचकाना बयानवाजी आज के लिए खतरनाक साबित होता है, राजनीति को ईमानदारी से करना होगा, क्योंकि झुठ और बेइमानी से देश को केवल समस्याओं को झेलने पड़ेगे, देश में साफ-सुथरी राजनीति आज की जरूरत है, आरोप-प्रत्यारोप का परिणाम केवल लोगों को भ्रमित करता है, भारत के विकास में सबको साथ मिलकर कार्यरत होना होगा यही देश की पूरानी विरासत एवं परम्परा रही है। देश में पाक के गुर्गे भी पकड़े जा रहे हैं, हाल में बिहार में भी पी.एफ.आई. और उनके समर्थकों को गिरफ्तार किए गए हैं, नेपाल सीमा पर भी चौकसी बढ़ी है, राज्य में भी लॉ एण्ड ऑर्डर पर सवाल खड़े हो रहे हैं, हाल में पाकिस्तानी हनी ट्रैप में फंसे एक युवक जो सरकारी मुलाजिम हैं, लिपिक रवि चौरसिया। यह लिपिक रक्षा मंत्रालय के अवाडी (चेन्नई) स्थित कारखाना में कार्यरत हैं, कई रक्षा उपकरणों की तस्वीरें भेजने के आरोप हैं, यह युवक मुंगेर जिले का रहने वाला है, इसके पास काफी दस्तावेज और कागजात बरामद हुए हैं, फेसबुक के माध्यम से आई.एस.आई. एजेंट की महिला हैंडलर के साथ सम्पर्क में आया था, बाद में बिहार कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा में पास होकर चेन्नई से मुजफ्फरपुर में आया और निबंधन कार्यालय में योगदान दिया, मतलब इस तरह के लोगों का सरकारी योगदान में काफी खतरनाक है, इनपर योगदान से पूर्व ही पूरी तौर पर ईमानदारी से सत्यापन होना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी बातों को दूसरे देश को देकर भारी नुकसान का सोच वालों पर नजर एवं इनको चिन्हित करना सूचना तंत्र एवं संबंधित कार्यालयों के लिए आवश्यक है क्योंकि देश में काफी पाक के गुर्गे कार्यरत हैं, विदेशी नपाक मंसुबों को खात्मा के लिए।

दिसम्बर माह 2022 छपरा जिले में जहरीली शराब के कारण मौतों का आंकड़ा 78 तक पहुँच गई ना जाने और मौत की संख्या कितनी बढ़ेगी, राज्य सरकार एस.आई.टी. का गठन कर दी है, अतिरिक्त एस.पी. को इसका नेतृत्व प्रदान की गई है, सवाल सबके मन में यदि शराबबंदी है तो यह घटना क्यों, 31 अधिकारी या और जितने पुलिस अधिकारी इस जांच में हो

सवाल वही इन मौतों का जिम्मेदार कौन शराबबंदी के बाद राज्य सरकार के कई निर्देश, आदेश और समीक्षा हुई पर हालात सबको पता है, कोई नेता दूसरे राज्य पर इसको तुलनात्मक अध्ययन करने लगते हैं, कोई और मौत की उदाहरण देते हैं, पर एक बात समझने की है, आप के शराबबंदी के आदेश के बाद पूरी तौर पर इस पर काबू क्यों नहीं देश में सब जगह शराबबंदी नहीं है अब सवाल है बिहार सरकार का नीतिगत निर्णय शराबबंदी का तो नियंत्रण आपका होना चाहिए, दूसरी और राज्यों से तस्करी आपूर्ति वाली बातों से क्या फायदा, शराबबंदी के आड़ में वे कौन लोग हैं जो तस्करी, सप्लाई और बनाने साथ ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, जांच कमिटी बनती है, फिर समीक्षा भी होती है पर हाल वही इसमें कोई शक नहीं है यह शराबबंदी सही निर्णय है, पर सवाल है जब इस पर पूर्णतः रोकथाम नहीं तो इसके केवल राज्य के राजस्व और समाज में इस तरह की मौते जहरीली शराब से होना हर तरह से अव्यवस्था और दुखद है, जहरीले शराब बनाने की जरूरत या कारण क्या है, ते बात समझ में आएगी कि लोगों को चोरी हुये शराब पिने का लत, आदतों एवं गलतियों का परिणाम मौत के बाद परिवार को भी भुगतना पड़ता है, जब शराबबंदी है, तो इसके उत्पादन के लिए मौका क्यों? यह सब समस्याओं पर ईमानदारी से सोच-विचार हो।

हर बार मौत के बाद छापामारी, बयानबाजी पर बाद में वही चोरी छीपे तस्करी अन्य राज्यों से, देशी शराब की खेप का भी बनाने की चलन जो हो यह एक गंभीर मामला है, बेकार की राजनीतिक हंगामा और एक-दूसरे को गलत बताने की होड़ राज्य के लिए केवल समस्या उत्पन्न करती है, सच के समझना ही होगा और शराबबंदी पर कैसे नियंत्रण हो इस कारोबार में जो लोग प्रभावशाली है, उनपर काबू एवं कानूनी प्रक्रिया से सजा हो इसके लिए निष्पक्ष एक्शन की जरूरत है पर सच यह भी है कि केवल गरीब, मध्यम श्रेणी के लोग ही इन कानूनी प्रक्रिया में आते हैं, इस बार छपरा में शराब के पिने से जो जहरीली थी, वह पूरे देश में गुंज है, अब जो हो राज्य सरकार के इस शराबबंदी के बावत एकदम कड़े और समाजिक माहौल एवं सच पर एक्शन करने ही होंगे, क्योंकि यह घटनाक्रम राज्य और देश के लिए दुखद है इसे कोई भी झुठला नहीं सकता। अनावश्यक राजनीति ना हो सच का सामना करने की जरूरत है। थानों में भी शराब की सैंपल और स्प्रीट की पकड़ने के बाद जो रखी गई थी, छपरा के कई थानों में उन्हें भी लैब में भेजी गई है वह भी जांच के दायरे में है और शक की सुई अब और प्रशासनिक अमलों पर भी हो रही है, जो हो शराबबंदी के नाम पर अवैध शराब और देशी शराब की बनाने में भी पकड़े जाने वाली सामग्री को और भंडार के उपर निगरानी आवश्यक है,

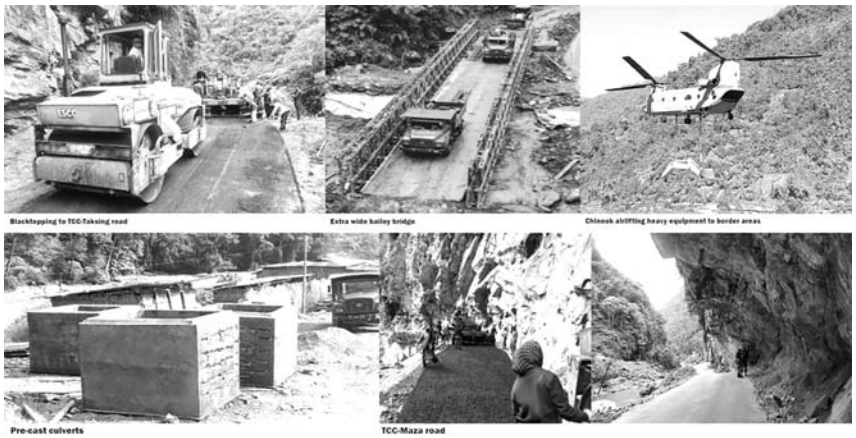
Blacktopping to TCC-Taksing road
Extra wide bailey bridge
Chinook airlifting heavy equipment to border areas
Pre-cast culverts
TCC-Maza road

हर स्तर पर सुपरविजन आज की जरूरत है, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, देश में एक सबसे खतरनाक समस्या है और शराबबंदी के बावजूद भी और श्री नीतीश कुमार जी के अथक प्रयास के बाद भी मौत की घटनाक्रम से यह बात साफ है कि राज्य के बीच कई स्तरों पर शराबबंदी के बावजूद इसके पूरी तौर पर सफल नहीं होने देने में भ्रष्टाचार भी एक कारण है।

आज भारत अपने विकास में अग्रसर हे, ऐतिहासिक विरासत के रूप में भारत की नीतियां चाहे वह विदेश के हो या आर्थिक या कोई क्षेत्र में अनेक तथ्यों को समेटे हुए है और हमारी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कई अनुभवों से भी देश अपने आप में अहिंसा के साथ मजबूती से हर चुनौतियों का सामना करने का काबलियत भी रखता है, शान्तिपूर्ण सह अस्तित्व व विश्वशान्ति को बनाए रखने की सोच, गुटनिरपेक्ष के साथ आगे बढ़ने की प्रयास पर विश्व सम्मान देता है। भारत विश्व में सबसे बड़ा प्रवासी देश है, 20 मिलियन अनिवासी भारतीय और भारतीय मूल के व्यक्ति शामिल है, भारत का सम्मान हमारे युवा और कार्यरत हर भारतीय जो किसी भी दूसरे देश में है, उनके द्वारा भी हो रहा है। भारत का कार्यरत लोग जो विदेशों में है, उनके वावत एक बात बहुत ही साफ संदेश के तौर पर है कि भारतीय कार्यों के प्रति समर्पित एवं मेहनती है, भारत में आज सामरिक ताकत और मजबूत चौकसी का परिणाम है कि एल.ओ.सी. हो या एल.ए.सी. आज सुरक्षित है। डंके की चोट पर बार्डर के साथ हमारी निर्माण और बेहतर हालात के सभी सुविधाएं का बनाना जारी है और कोई कितना भी कोशिश कर ले भारत अपने आप में एक विकसीत मार्ग के तरफ अग्रसर है, एक बात सभी के जेहन में रखना होगा, भारत के हम सपुत हैं, हम सब किसी धर्म सम्प्रदाय के हो किसी भी भाषा-भाषी से ताल्लुक रखते हैं देश के किसी राज्य में हो हमारा भारत एक है, इस पर हमें गर्व करने की जरूरत है, विचारधाराओं एवं समझ अलग-अलग पर देश सर्वोपरि इसमें किसी भी हालत पर समझौता नहीं होगा, यही सोच हम भारतीय को हर क्षेत्र में कामयाब बनाएगा। हमारी भारत की संस्कृति हम भारतियों के जड़ों से जोड़े रखती है, देश में एक और खतरनाक समस्या उत्पन्न हो रही है, देश के कई हिस्सों में स्वास्थ, शिक्षा और रोजगार जैसी लालच कुछ समय देकर और झुठे वादों से भ्रमित करके तेजी से मातांतरण का प्रयास हो रहे हैं, समय की मांग है कि देश में समाजिक माहौल में तनाव और वैमनस्य एवं धार्मिक विरोधाभास वाली हालात ना हो, इसके लिए संवैधानिक व्यवस्था के तहत सभी को अपने-अपने पंथ पर सम्मान की स्थिति रहे और कोई भी गलत सोच से भारत का सामरिक स्वरूप को छेड़-छाड़ ना कर सके, भारत की संस्कृति और सभ्यता विश्व की सर्वाधिक समृद्ध एवं प्राचीन है, सच यह भी है कि दुनिया के सभी संस्कृतियों की जननी माना जाता है, समय की धारा के साथ अन्य देशों में संस्कृतियां नष्ट हो जाती है, परन्तु भारत में जीने की कला हो, किसान हो या राजनीति का क्षेत्र हो, भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा हे, आदिकाल से ही परंपरागत अस्तित्व के साथ भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता अमर बनी हुई है। संस्कृति देश की जाति और समुदाय की आत्मा होती है, वसुधैव कुटुंबकम सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में मानते रहा है, भारत की संस्कृति, हमारा भारत का इस सिद्धांत में गहरी आस्था है और इसी आधार पर आज भी देश के हमारे प्रमुख जो कोई भी सरकार में रहे हो, उनका प्रयास विश्व में शांति, आपसी तालमेल और उदार दृष्टिकोण वाला रहा है। आज भी हमारे देश द्वारा रूस-युक्रेन के महायुद्ध लगातार हर मंच पर हो रहे है, भारत की भूमिका विश्व में हमेशा शांति, विकास एवं भाईचारे पर अहमियत रखते हुए करने के उदाहरण है और यही कारण है कि जी-20 का अध्यक्ष का मौका देश को प्राप्त हुआ है और विश्व के बेहतरी के हर मंच पर भारत को सम्मान मिलता है। यह गर्व की बात है देश के हर नागरिक के लिए।●

**(लेखक बी.एस.एफ. के पूर्व अधिकारी हैं।)**

# सुषमा बड़ाइक उर्फ पदमा बड़ाइक पर चलाई गई गोलियां

● गुड्डी साव

घटना झारखंड की राजधानी राँची अर गोड्डा थाना क्षेत्र स्थित सहजानंद चौक की है जहाँ बदमाशो ने सुषमा बड़ाइक नामक महिला को दिन दहाड़े सुबह के आस पास कई गोलियां मारी और अपराधी भाग निकले जिसमे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। उसके बाद तत्काल स्थानीय लोगो ने उसे मेडिको अस्पताल मे भर्ती कराया। घटना के बाद उस इलाके में अफरा तफरी मच गई और लोगो में दहशत का माहौल छा गया। उधर सुषमा बड़ाइक की बहन माया बडाइक ने मेडिका अस्पताल प्रबंधक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा की 4 घंटे बीत जाने पर भी इलाज शुरू नही हुआ इलाज के नाम पर इमार्जेंसि वार्ड मे भर्ती कर लिया गया है लेकिन अब तक सुचारु रूप से इलाज शुरू नही हुआ है इलाज के नाम पर सिर्फ टाल मटोल किया जा रहा है मेडिका अस्पताल के इमार्जेंसि वार्ड मे भर्ती करने के चार घंटे के बाद इलाज शुरू हुआ।

जानकारी के अनुसार ये बता दे की सुषमा बडाइक इससे पहले भी काफी चर्चा में रह चुकी है वर्ष 2005 में पचे नट राजन के साथ उनका यौन शोषण का मामला काफी चर्चा में रहा है। सुषमा बडाइक का पचे नट राजन के साथ वीडियो स्टिग होने के बाद मीडिया के जरिये प्रसारित हुआ था वीडियो जारी होने के बाद 2012 में पचे नट राजन को बर्खास्त कर दिया गया था।

✯ **घटनाक्रम :-** कांड के जख्मी सुषमा बड़ाइक अपने बॉडी गाड़ के साथ मोटर साइकल से पिता वीर कुंवर सिंह । हरमु के घर से न्यायालय के लिए सुबह जाने के क्रम में हरमु चौक से सहजानंद चौक के बीच मोटर साइकल पर सवार तीन अज्ञात अपराध कर्मियों के द्वारा हत्या करने के इरादे से सुषमा बड़ाइक पर कई गोलियां चलाई गई जिसमे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, महोदय द्वारा तकनीकी टीम सहित कई टीम का गठन किया गया। प्रत्येक टीम को विशिष्ट अनुसंधानिक कार्य सौपे गए। अनुसंधान के क्रम में अपराध में प्रयुक्त वाहन की रजिस्ट्रेशन नंबर (सत्यापन में यह रेजिस्ट्रेशन नंबर जाली पाया गया) की पहचान करते हुए अपराधियों के ठहरने वाले स्थान का पता लगाया गया उक्त

सुषमा बड़ाइक

पुलिस गिरफ्त में तीनों अभियुक्त

प्रेम प्रकाश ( आईओ ), अरगोरा थाना

दानिश रिजवान

विनोद कुमार
थाना प्रभारी, अरगोरा थाना

स्थल से अप्राधकर्मीयो की पहचान स्थापित करने वाले विवरनिया प्राप्त की गयी जिसके अनुसार घटना को अंजाम देने वाले तीनो अपराधकर्मी का नाम एवम् पता निम्न प्रकार है:-1. मो0 मुदसिर 2.फरहान खान एवं 3. गुड्डू उर्फ उमर तीनो लखनऊ (यू0पी0)। प्राप्त तकनीकी साक्ष्यो के विश्लेशण से पाया गया की फरहान का सम्बन्ध इस कांड के प्राथ0अभि0 दानीश रिज्वान है । प्राथमिकि मे कई आरोपियों के अलावे दानीश रिज्वान भी प्राथमिकि अभियुक्त के रूप मे नामित है जिसके विरूध वर्ष 2022 में कांड के जख्मी सुषमा बड़ाइक के द्वारा सचिवालय थाना ,पटना बिहार कांड संख्या-182/22,दि0 14. 09.2022 धारा-376(1) भा0द0वि0 दर्ज करायी है जो वर्तमान में अनुशन्धान अंतर्गत है । घटना के पुर्व जख्मी सुषमा बड़ाइक के द्वारा अपने बच्चे के डी0 एन 0ए0 टेस्ट के द्वारा दानीश रिज्वान के डी0एन 0ए0 से मिलान करने वाले हेतू माननीय उच्च न्यायालय में वाद दाखिल की है।

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायधीस-प्रथम, पटना के द्वारा दानीश रिज्वान का सचिवालय थाना काण्ड सं0-182/22 धारा -376(1) भा0द0वि0 में अग्रिम जमानत खारिज की गई है । तकनीकी विश्लेशण से प्राथ0अभि0 दानीश रिजवान एवं घटना में सम्मिलित अपराध कर्मी फरहान के बीच सम्पर्क होने का साक्ष्य पाया गया । छापामारी हेतू दो टिम यू0पी0 एवं बिहार भेजा गया।

लखनऊ में काण्ड में सम्मिलित दो अपराधकर्मियो फरहान खान एवं मो0 मुदसिर को गिरफ्तार किया गया । दोनो अपने-अपने स्वीकाररोक्ती बयान में गोलीबारी की घटना का अपराध अपने एक अन्य साथी गुड्डू उर्फ उमर के साथ कारित किये जाने की बात बतायी तथा फरहान खान ने यह भी बताया की उसकी छोटी बहन की शादी दानिश रिजवान से हुई है। दानिश रिजवान के कहने पर ही उसका साला फरहान अपने साथियों के साथ इस घटना को अंजाम देने की बात बतायी है। दोनो ने स्वीकारोक्ती बयान के आधार पर काण्ड में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को हिंड़पीढी थाना छेत्र से बरामद किया गया। दोनो अपराधकर्मियो की गिरफ्तारी अपराध की स्वीकारोकति बयान के आधार पर अपराध में प्रयुक्त वाहन की बरामदगी तथा अन्य साक्ष्य के आलोक में बिहार के आरा से काण्ड में प्राथ0अभि0 दानिश रिजवान की गिरफ्तारी की गयी। जिसको दि0 -06/01/2023 को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। अब तक के अनुसंधान एवं साक्ष्यो के विश्लेषण से पाया गया की काण्ड मे जख्मी सुषमा बड़ाइक के द्वारा प्राथ0अभि0 दानिश रिजवान के विरुद्ध सचिवालय थाना में बलात्कार के आरोप में दर्ज कराया गया काण्ड है जिसमे वादिनी सुषमा बड़ाइक अपने एक बच्चे का डी0एन0ए0 का मिलान प्राथ0अभि0 दनिश रिजवान से कराये जाने हेतू माननीय न्यायालय के माध्यम से कराया जा रहा प्रयास है। फरहान खान माह नवंबर में भी अपने साथी गुड्डू उर्फ उमर एवं अन्य साथी साद के साथ अपराध को अंजाम देने हेतू आया था जिसमे वह सफल नहीं हो पाया तथा पुन: माह दिसंबर में आकर इस घटना को अंजाम दिया।

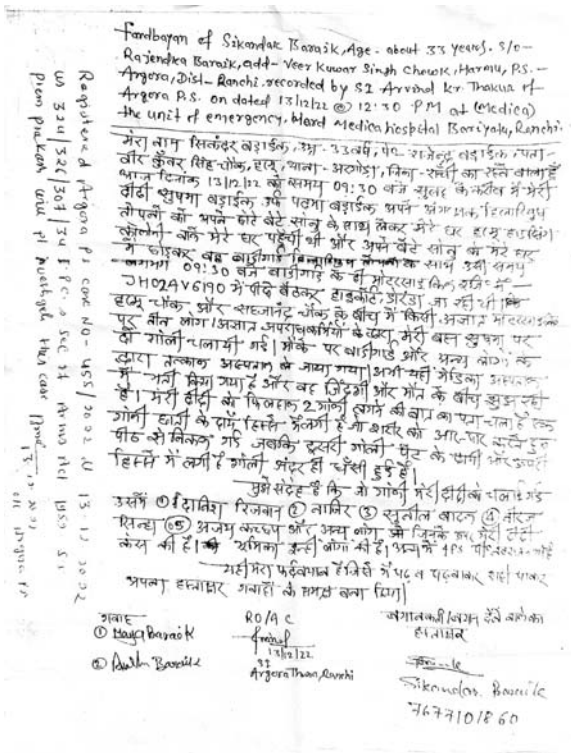

उल्लेखनीय है कि प्राथ0अभि0 दानिश रिजवान के विरुद्ध पुर्व में भी कई प्राथमिकि दर्ज है तथा इस काण्ड को कारित करने वाले गिरफ्तार दोनो प्राथमिकि अभियुक्त फरहान खान एवं मुदसिर कई गम्भीर काण्डो में आरोपित है।

**✯ अपराधिक इतिहास -**

**☞ दानिश रिजवान**

1. आरा नगर थाना काण्ड सं-379/12 दिनांक-16/12/12 धारा-341/323/307/379/34
2. आरा नगर थाना काण्ड सं-03/2002, धारा-341/323/504/34 भा0द0वि
3. आरा नगर थाना काण्ड सं0-492/14 दिनांक-26/12/14 धारा -447/461/379/504/34 भा0द0वि0
4. आरा नगर थाना काण्ड सं0-78/16 दिनांक-18.01.16 धारा 341/323/364/379/504/34 भा0द0वि0

5. आरा नगर थाना काण्ड सं0-532/05 धारा-506/427/34भा0द0वि0 एवं 3(1)(10) अनु0 जाति/जनजाति अधि0।
6. उद्वन्तनगर थाना कांड सं0 -395/16 धारा -147/148/149/341/323/ 379/383/504/427/120बी/468/470/471/386 भा0द0वि0
7. नगर थाना काण्ड सं0-366/17 दिनांक 2/07/17 धारा-302/120बी/34 भा0द0वि0 एवं 27 आर0 एक्ट
8. आरा नवादा काण्ड सं0-366/19 धारा-189/385/506/भा0द0वि0
9. सचिवालय थाना, पटना (बिहार) काण्ड सं0-182/22 दिनांक-14/09/2022 धारा 376(1) भा0द0वि0

☞ **फरहान खान**

1. हजरतगंज थाना कांड सं0-248/20 दिनांक-29.10.20 धारा -2/3 यू0पी0 गैन्गस्टर एक्ट ।
2. बाजारखाला थाना कांड सं0-24/17 दिनांक 27.01.17 धारा -2/3 यू0पी0जी0एक्ट
3.अमीनाबाग थाना कांड सं0-108/13 धारा-303/307 भा0द0वि0 एवं 3/25/27ए आ0एक्ट।

✯ **गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम एवं पता**

1. दानिश रिजवान, उम्र 33 वर्ष, पे0 स्व0 डॉ0 हाफीज रजा, पता तरी मुहल्ला, आरा (बिहार), दि0-06.01.2023 को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।
2. फरहान खान, उम्र 29 वर्ष, पे0 समीउल कदर खान, सा0 प्लॉट नं0-08, दुबग्गा बरौरा हुसैन बॉडी, थाना ठाकुरगंज, जिला लखनऊ।
3. मो0 मुदसिर, उम्र 33 वर्ष, पे0 अतीत अहमद, सा0म0सं0-294/78, बाजारखाला नियर चारमीनारी मस्जिद, धोबीसराय, थाना बाजारखाना, लखनऊ

✯ **जप्ती**- अपराध मे प्रयुक्त मोटरसाइकिल, सं0-यू0पी0-53 सी0एच0-1657 (अपराधकर्मियों के द्वारा यह वाहन यू0पी0 से ही अपने साथ लाया गया है) ●

# दरोगा का पिस्टल और नगदी उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची की चुटिया थाना पुलिस ने दरोगा के घर हुए चोरी मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को बंगाल से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार रांची से ही एक आरोपी के गिरफ्तार होने के बाद चुटिया पुलिस को जानकारी मिली कि दरोगा नवीन कुमार के घर चोरी करने वाला एक चोर बंगाल भाग गया है और वह बंगाल का ही रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी के लिए रांची पुलिस की एक टीम देर रात बंगाल पहुंची और दूसरे आरोपी को बंगाल से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि घटना में संलिप्त मुख्य आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। गिरफ्तार आरोपी के पास से चोरी की सरकारी पिस्टल, कारतूस, 5. लाख 40 हजार रुपये नगद, सोने की अंगूठी, सोने की चूड़ी, कंगन, मांग का टीका, चांदी का पायल और बिछिया सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में सदर थाना क्षेत्र के इलाही बख्श कॉलोनी निवासी शेख मकसूद उम्र (55) वर्ष ओर पुरुलिया जिले के हरिहरपुर थाना क्षेत्र सँकरा-बी निवासी शेख सदुरुद्दीन उम्र(34) वर्ष का नाम शामिल है। घटना में शामिल मुख्य आरोपी टेम्पो चालक शेख मकसूद का बेटा अफरोज शेख अब भी फरार है।

जानकारी के लिए आपको बता दें कि बीते 16 दिसंबर शुक्रवार को दरोगा नवीन कुमार के चुटिया स्थित घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के बाद दरोगा सहित रांची पुलिस के होश उड़ गए थे। इस संबंध में दरोगा नवीन कुमार ने चुटिया थाने में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार उन्होंने बताया कि वह मूल रूप से देवघर के निवासी हैं और वर्तमान में रांची के रिम्स में वार्ड प्रभारी के रूप में पुलिस अवर निरीक्षक के पद पर कार्यरत है और चुटिया थाना क्षेत्र के मां गायत्री सोसायटी कॉलोनी के हाउस नंबर 11 आंगन पैलेस के निकट के फ्लैट में ग्राउंड फ्लोर में किराए पर रहते हैं। बता दे की दरोगा नवीन कुमार किसी आवश्यक काम होने के कारण अचानक दिनांक 13/12/2022 को छुट्टी लेकर अपने रूम में सभी महत्वपूर्ण एवं कीमती सामान जिसमें 9 एमएम का पिस्टल गोली एवं नकद राशि अंदर के रुम में रखे अलमीरा में सुरक्षित तरीके से लॉक कर चाबी अपने साथ लेकर दिल्ली चले गए थे। फिर अचानक 16/12/2022 को उनके रूम पार्टनर के द्वारा बताया गया कि रूम का ताला टूटा हुआ है और अंदर घुसने पर हॉल में सामान इधर-उधर बिखरा हुआ है। हॉल में मौजूद अलमीरा का दरवाजा खुला हुआ है लॉकर भी टूटा हुआ है एवं लॉकर पूरी तरह से खाली है । अंदर वाले रूम में भी सामान बिखरा हुआ है तथा रूम में मौजूद अलमीरा का भी दरवाजा खुला हुआ है और लॉकर टूटा हुआ है। जानकारी प्राप्त होने के बाद दरोगा नवीन कुमार तत्काल फ्लाइट बुक कर 17/12/2022 को रांची वापस आ गए और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना के बाद सिटी डीएसपी दीपक कुमार के निर्देशन में चुटिया थाना प्रभारी बंकटेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने छापेमारी कर घटना का उद्भेदन किया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शेख मकसूद ने ही चोरी का समान छुपाने में मदद की थी। वही शेख मकसूद के निशानदेही पर उसके रिश्तेदार सदुरुद्दीन के घर से चोरी का सामान बरामद किया गया। पुलिस मुख्यआरोपी शेख मकसूद के बेटे को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने पहले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टेंपो की पहचान की, इसके बाद चालक शेख मकसूद को गिरफ्तार कर उसके निशानदेही पर पुरुलिया से उसके रिश्तेदार को गिरफ्तार किया और चोरी का सारा समान बरामद कर लिया। ●

# पुलिस ने लूटपाट करने वाले गिरोह का किया खुलासा

● ओम प्रकाश

रांची पुलिस ने लूटपाट करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। इस मामले में रांची पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के नाम आलम अंसारी, फिरोज अंसारी और सफल उद्दीन अंसारी है। पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त एक ओमनी गाड़ी जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 01 बीसी 8188 एवं सात हजार तीन सौ साठ रुपए नकद बरामद किया है। मांडर थाने में लातेहार जिले के निवासी पुनीत कुमार ने लिखित आवेदन दिया था कि 17 तारीख की देर रात्रि 12:00 बजे के आसपास मांडर इलाके में उसके साथ लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि रात्रि को जब मैने मांडर टोल गेट पार किया तो अज्ञात व्यक्तियों ने पीछा कर कान्डरी चौक के पास ओवरटेक कर मेरे कार को रोका, उसके बाद कार के कागजात मांगे। हालांकि जब तक कागजात दिखाते तब तक उन लोगो ने हमारे पॉकेट से 15700 रुपए के अलावा मोबाइल और अन्य कागजात लेकर अपनी मारुति ओमनी गाड़ी से चटवल की ओर फरार हो गए। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक खेलरी, अनिमेष नैथानी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसके बाद पुलिस की टीम ने त्वरित कार्यवाई करते हुए सोसई आश्रम कॉलेज गेट, माण्डर से अपराधी आलीम अंसारी को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर घटना में शामिल दो अन्य आरोपी, फिरोज अंसारी को उसके घर ग्राम हारिल कुम्बाटोली माण्डर से एंव सफरूद्धीन अंसारी को उसके घर ग्राम चामा पुरनाडीह से गिरफ्तार किया गया। पुछ-ताछ के दौरान इनलोगों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया तथा इस संबंध में माण्डर थाना कांड सं0- 224/22. दिनांक- 28.12.22. धारा- 392/511/34 भा०द०वि० दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त के विरूद्ध भी छापामारी की जा रही है।

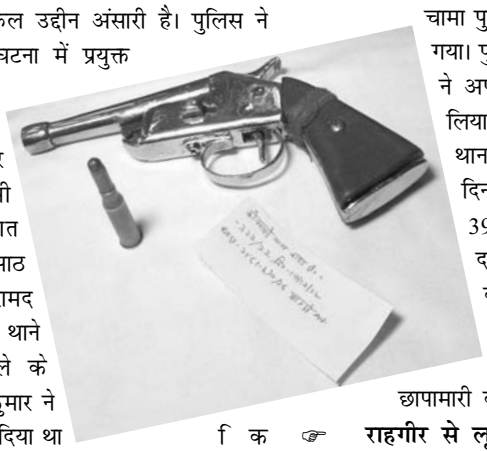

☞ **राहगीर से लूटपाट करने वाले तीन**

## देसी कारबाईन के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

रांची पुलिस ने देसी कारबाईन के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के नाम जुबेर अंसारी और सुभान अंसारी है। रांची के एसएसपी कौशल किशोर को जानकारी मिली थी कि किसी बड़े अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में दो अपराधी योजना बना रहे हैं। जिसके बाद ग्रामीण एसपी नौशाद आलम के नेतृत्व में एक टीम का गठित किया गया, उसके बाद पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर ठाकुर गांव से दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने एक देसी कार्रवाईन और तीन मोबाइल फोन जब्त किया है। गिरफ्तार अपराधियों का रांची के दो अलग-अलग थानों में मामले दर्ज है। इस छापेमारी दल में ग्रामीण एसपी के नौशाद आलम के अलावा खेलारी डीएसपी डीएसपी अनिमेष नैथानी, समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

**लुटेरे गिरफ्तार, भेजा गए जेल :-** राजधानी रांची के कांके थाना इलाके में 12 दिसंबर को ऑटो वाले ने एक राहगीर से लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। इस मामले की जानकारी 12 दिसंबर को ही अजय कुमार योगी ने कांके थाने में दी थी। अजय कुमार योगी धनबाद से बस पकड़कर खादगढ़ा बस स्टैंड रांची आए थे। फिर खादगढ़ा बस स्टैंड से ऑटो पकड़ कर आई0टी0आई0 बस स्टैण्ड जाने लगे, न्यू मार्केट चौक के पास पहुँच कर ऑटो ड्राईबर ने अजय कुमार को एक दुसरे ऑटो वाले से आई0टी0आई0 बस स्टैण्ड छोड़ने की बात कह कर दुसरे ऑटो में बैठा दिया, उस ऑटो में पहले से ही दो लड़के बैठे थे । फिर ऑटो ड्राईवर ने अजय कुमार को एक सुनसान रोड में ले गये, जहां इन सभी लुटेरों ने राहगीर अजय कुमार योगी को कांके थाना इलाके के रिंग रोड के नजदीक आइटीबीपी भवन के समीप लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। इन लुटेरों ने अजय कुमार योगी से एक लैपटॉप, एक लैपटॉप डिवाईस जिस पर इनलाईन लिखा हुआ था, कपड़ो का बैग, पचास हजार रुपए नकद, एक मोबाइल समेत पैन कार्ड लेकर फरार हो गए। इस मामले में रांची पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी के नाम अर्जुन सिंह, रोहित सिंह और राजू कुमार प्रसाद है। यह सभी लोग रांची जिले के ही रहने वाले है। इनकी गिरफ्तारी रांची के पंडरा इलाके से हुई है। रांची के एसएसपी किशोर कौशल को जब इस मामले की जानकारी मिली तब उन्होंने ग्रामीण एसपी नौशाद आलम के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया था। इस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए गुप्त सूचना एवं तकनिकी शाखा की मदद से काण्ड में शामिल तीन आरोपी को पण्डरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया । कड़ी पुछ-ताछ के दौरान इन लोगों ने अपना अपराध स्वीकार किया। फिर इनकी निशानदेही पर पुलिस ने इनके पास से लुट का सारा सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने घटना में शामिल तीनों लुटेरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

☞ **लूटपाट की योजना बना रहे अपराधी गिरफ्तार, हथियार बरामद :-** राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत अघोर बाबा आश्रम के पास कुछ अपराधी लूटपाट की योजना बना रहे थे। जिसकी जानकारी मिलने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक रांची कौशल किशोर के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नौशाद आलम रांची के द्वारा पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली प्रकाश सोए के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अघोर बाबा आश्रम के पास घेराबंदी की और उस एरिया को चारों तरफ से घेर लिया। जिसके बाद वहां अपराध की योजना बना रहे अपराधियों में खलबली मच गई और उन्होंने पुलिस को देखकर भागना शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस बल के जवानों द्वारा उनमें से एक अपराधी मोहम्मद इरफान उर्फ भोला उम्र लगभग 26 वर्ष को खदेड़ कर पकड़ लिया गया। पकड़े गए अपराधकर्मी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक लोडेड देसी कट्टा, एक जिंदा बोली और एक हौंडा शाइन बरामद किया गया है । पकड़ में आए अपराध कर्मी इरफान का पूर्व में भी अपराधिक इतिहास है। कोतवाली थाने में ही उसके दो मामले दर्ज हैं और पूर्व में भी वह आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है।●

## अपराधियों ने सीआरपीएफ जवान को मारी गोली

राँची के लालपुर थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ के जवान राजेश कुमार को अपराधियों ने गोली मार दी। यह घटना लालपुर थाना क्षेत्र के वर्धमान कम्पाउंड में खटाल के पास हुई घटी। जहां दो युवकों ने सीआरपीएफ के जवान राजेश कुमार को गोली मार दी। गोली राजेश कुमार की जांघ में लगी । जिसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा राजेश कुमार को रिम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद में गोली मारी गई है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बता दे की सीआरपीएफ का जवान राजेश कुमार छुट्टी पर अपने घर आया हुआ था। वहीं पर घात लगाकर बैठे दो अपराधियों ने उसे गोली मार दी। गोली चलने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। वहीं घटना को अंजाम देकर भाग रहे एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने साहस का परिचय देते हुए, दौड़ा कर पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया । फिर स्थानीय लोगों के द्वारा ही उसे रिम्स में भर्ती कराया गया। इधर घटना की जानकारी मिलने पर सिटी डीएसपी दीपक कुमार मौके पर पहुँचे और मामले का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई हैं। बताया जा रहा है की सीआरपीएफ का जवान राजेश कुमार जम्मू कश्मीर में पोस्टेड हैं। अपने भाई की शादी में छुट्टी लेकर वह रांची आया हुआ था। इसी बीच परिवार में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। रात करीब 10 बजे बाइक से दो लोग आए और जवान पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनते ही स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर बाइक सवार अपराधी को पकड़ लिया और पुलिस को सौप दिया। गोली चलाने वाले युवक का नाम गुडडू बताया जा रहा है। उसने चार गोली जवान पर चलाई थी जिसमें से एक गोली जवान की जांघ पर लगी जिससे वह घायल हो गया। अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

## बिल्डिंग रेगुलराइजेशन को मास्टर प्लान से नहीं जोड़ा जाना चाहिए

# खोदकर छोड़े गये गड्ढ़ों पर एक्शन ले विभाग : डिप्टी मेयर

● ओम प्रकाश

शहर में जहां-तहां गड्ढा करके कई विभागों के द्वारा सड़क के साइड स्पेस को बर्बाद करने का काम किया जा रहा है। वहीं पार्किंग चार्ज में मनमानी को लेकर डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को पार्किंग का टेंडर कैंसिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि काम करने वाली एजेंसियां सड़क खोद कर दुर्घटना के लिए भगवान भरोसे छोड़ दे रही है। बिजली विभाग के द्वारा केबल बिछाने का काम चल रहा है, तो दूसरी ओर टेलीकॉम कंपनियां केबल बिछा रही है। बिना किसी नोटिस के इस तरह के कार्य कराना जनता के साथ दुव्यवहार करने के बराबर है। तत्काल इस पर रोक लगाने हेतु संबंधित विभाग को कदम उठाने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो हम सभी सड़क पर उतरकर काम को बंद करा देंगे।

☞ **बिल बनाने के लिए सड़क के दूसरी ओर बिछाया जा रहा है पाइपलाइन :-** मोहल्लों में हर घर नल योजना के अन्तर्गत पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है। नई सड़कों पर गड्ढा करने का काम किया जा रहा है। सड़क के एक साइड पर पानी का पाइपलाइन बिछा हुआ है। इसके बावजूद सिर्फ बिल बनाने के लिए सड़क की दूसरी ओर पाइपलाइन बिछाने के लिए खुदाई की जा रही है। जुडको को इस पर संज्ञान लेने की जरूरत है। तत्काल सभी मोहल्लों का सर्वे नगर निगम और पीएचइडी के समन्वय से कराने की जरूरत है। नहीं तो मजबूरन हम जनप्रतिनिधियों को JUIDCO कार्यालय का घेराव करना पड़ेगा। इसके अलावा जो गड्ढे खोदकर छोड़े गए है उसे जल्द से जल्द पहले जैसी स्थिति में किया जाए।

☞ **पार्किंग को लेकर रोज मिल रही शिकायत :-** पार्किंग की वसूली पर रोज शिकायते आ रही है। उन्होंने आम लोगों से कहा कि रांची नगर निगम पहले दस मिनट के लिए फ्री है। इसके बाद कार के लिए पहले तीन घंटे के लिए 20 रुपए और बाइक के लिए पहले तीन घंटे के लिए पांच रुपए तय है। इसके बाद अगर किसी भी ठेकेदार द्वारा पार्किंग शुल्क बढ़ा कर लिया जा रहा है तो सरासर गलत है। अगर किसी भी ठेकेदार के द्वारा इस तरह का पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है तो उसकी निविदा को रद्द करने की अनुशंसा की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी

तरह की परेशानी होने पर 9431104429, 7004582752, 0651-2200011 पर शिकायत दर्ज करा सकते है।

गौरतलब हो कि राजधानी रांची में हजारों भवनों का नक्शा ही नहीं है। वहीं पुराने भवनों को भी रेगुलराइज करने को लेकर सरकार ने प्रस्ताव पारित कर दिया है। लेकिन इसमें कुछ बिंदुओं पर ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए प्रस्ताव में कुछ संशोधन को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया गया है। ये बातें डिप्टी मेयर संजीव विजवर्गीय ने कही। उन्होंने कहा कि भवन रेगुलराइजेशन का जो प्रस्ताव है उसे मास्टर प्लान से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। लोगों से एफिडेबिट के माध्यम से एक स्वेच्छा पत्र लेना चाहिए। शहर के विकास में अगर भविष्य में कोई बाधा आती है तो जिस अंश को विकास के लिए लिया जाना है, उसे स्वेच्छा से संबंधित निकाय में देने का वादारूपी Affidavit लिया जाना चाहिए।

☞ **5 हजार स्क्वायर फीट तर्कसंगत नहीं** :- उन्होंने कहा कि भवन के क्षेत्रफल को 5 हजार स्क्वायर फीट और 15 मीटर हाइट में बंधन तर्कसंगत नहीं है। अगर हम व्यवहारिक दृष्टि से देखे तो 3 हजार स्क्वायर फीट का 4 भवन A, B, C, D भू-स्वामियों के द्वारा बनाया गया है। उसको हम रेगुलर कर रहे है, तो चारों को एक साथ नियमित करने पर 12 हजार स्क्वायर फीट का भवन हो जाएगा। इसलिए केवल ऊंचाई सीमा को बांधना तर्कसंगत होगा।

☞ **अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो** :- प्रस्ताव में है कि 2019 तक बने भवनों को ही रेगुलराइज किया जाएगा जो कि तार्किक नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस दिन अधिसूचना जारी हुई है, उस दिन के पूर्व के बने हुए सभी भवनों पर ये नियम लागू होना चाहिए। उसके बाद अगर कोई निर्माण होता है तो संबंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बिना अनुमति के कोई भवन कैसे बन गया।

☞ **50 परसेंट भूखंड सीएनटी में** :- उन्होंने कहा कि रांची शहर में सीएनटी (भूईहरि) वाली लगभग 50 प्रतिशत से अधिक भूमि है। इस भूमि पर मकान बनाकर लोग लंबे समय से रह रहे है। ऐसे घरों की संख्या एक लाख से अधिक होगी। नगर निगम को उनके मालिकाना हक पर ना जाते हुए उन भवनों का भी उचित शुल्क लेकर रेगुलराइजेशन कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी सरकारी जमीन, नाला या रोड पर अतिक्रमण किया गया है उसे तत्काल मुक्त कराने की जरूरत है।●

# लालपुर थाना परिसर में लगी भीषण आग से कई वाहन जलकर राख

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के लालपुर थाना परिसर में अचानक भीषण आग लग जाने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया । बताया जा रहा है कि आग थाना परिसर में रखे कबाड़ में लगी। उसके बाद आग की लपटों ने वहाँ खड़ी कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। आग किस वजह से लगी है यह अब तक पता नहीं चल पाया है। थाना परिसर में सैकड़ों की संख्या में जब्त की हुई बाइक रखी हुई थी । एका-एक सभी अचानक से जलने लगे। जिसमे बाद कई दर्जन वाहन जलकर राख हो गए। मौके पर कई दमकल गाड़ियां पहुँचीं तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका और आग बुझ पाई । इधर आग लगने की सूचना लालपुर थाना की पुलिस ने तुरंत फायर ब्रिगेड की टीम को दी। मौके पर कई दमकल गाड़ियां पहुंची । तब जाकर आग को बुझाया गया । वहीं

आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि दूसरे वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर सिटी डीएसपी दीपक कुमार सहित कई पुलिस अधिकारी लालपुर थाना पहुंचे और मामले का जायजा लिया। थाना परिसर में आग लगने से आसपास के इलाकों में भी हड़कम्प गया ।बताया जा रहा है कि कम से कम 40 से 50 बाइक, स्कूटी सहित अन्य वाहन जल गए । कुछ लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर उधर भाग रहे थे तो, लो कुछ आग बुझाने के लिए पानी ढूंढ रहे थे। अगर आग बुझाने में कुछ मिनट की देरी और हो गई होती तो आग बगल के रूम में भी पकड़ लेती।जहां केस की फाइलें रखी हुई थी। आनन-फानन में फाइलें पुलिसकर्मियों ने हटाया और जलने से बचाया। फिलहाल आग किस वजह से लगी यह अब तक पता नहीं चल पाया है। किसी ने शॉर्टसर्किट तो किसी ने शरारती तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। ●

# सड़क सुरक्षा को मद्देनजर 400 हेलमेट का वितरण

● ओम प्रकाश

देशभर में सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की जाने जा रही है। जिसके बाद मृतक के परिवार वालों को कई तरह के कठिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क हादसा ना हो इसके लिए हेलमेट का क्या महत्व है, इस को लेकर पीवीसी उत्पाद कंपनी द सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड प्लास्टिक पाइपिंग विभाग द्वारा रांची में 400 लोगों में हेलमेट का वितरण किया गया। राँची शहर में एशिया की सबसे बड़ी पीवीसी उत्पाद कम्पनी द सुप्रिम इंडस्ट्रिज लिमिटेड के प्लास्टिक पाइपिंग विभाग द्वारा यातायात पुलिस कार्यालय के परांगण में - यातायात कर्मियों के बीच 400 हेलमेट का वितरण सफलतापुर्वक किया गया। इसके अलावा सड़क पर बिना हेलमेट के जा रहे लोगों को हेलमेट पहनाकर पुलिसकर्मियो द्वारा उसके महत्व को समझाया गया, साथ ही यातायात नियमों का पालन करने के लिए अनुरोध किया गया। इस समारोह को सफल बनाने में यातायात पुलिस विभाग का प्रयास सराहनिय रहा। इस मौके पर यातायात पुलिस की और से ग्रामीण एसपी रांची नौशाद आलम सहायक पुलिस अधीक्षक श्री मती मूमल राजपुरोहित, डीवाईएसपी श्री जीतवाहन उराव, श्री कपिंदर उराव, एवम् सभी यातायात थाना प्रभारी उपस्थित थे। इसके अलावा द सुप्रिम इंडस्ट्रिज लिमिटेड प्लास्टिक पाइपिंग विभाग से उप-महाप्रबंधक श्री देवेन्द्र कुमार सिंह, अमन शराफ, राजीव रंजन कुमार, श्याम कुमार, अंकित श्रीवास्तव, शुभांकर अभिषेक, पिंटू कुमार सिंह, पवन कुमार मिश्रा और मुकेश कुमार शामिल थे। ●

# तमाड़ के चिपड़ी गांव में अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राँची में, पुलिस अफीम तस्करों पर लगातार कार्यवाई कर रही है। रांची पुलिस की टीमें विभिन्न अफीम तस्करों पर नकेल कस रही है। रांची पुलिस की टीम ने बुंडू अनुमण्डल के तमाड़ थाना क्षेत्र के चिपड़ी गांव से दो युवकों को अफीम ले जाते हुए बीती देर संध्या रंगे हाथ पकड़ा है। पकड़े गए युवक चौका थाना क्षेत्र के चावलीबासा गाँव के बजरंग मंडल तथा कार्तिक चंद्र भुइयां है, जो बाइक में एक किलोग्राम अफीम टांग कर ले जाते हुए पकड़े गए है। इस मामले में ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने प्रेस वार्ता कर मीडिया को बताया कि राजधानी के ग्रामीण इलाकों में लगातार अफीम की तस्करी की जा रही है। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर समय करीब ढाई बजे एक व्यक्ति के द्वारा ग्राम पेल्काडीह और बुरगादीरी के बीच अफीम की तस्करी की जा रही है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण राँची के द्वारा श्री सिद्धार्थ आर, सहायक कमांडेट एस०एस०बी० बासुकोचा एवं श्री अजय कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू राँची के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर पेल्काडीह और बुरगादीरी के बीच एंटी क्राइम चेकिंग लगाया गया। चेकिंग के कम में करीब सवा तीन बजे एक मोटर साईकिल हिरो पैशन जिसका रजि० नं० - JH05 AL 8185 को आते देखा गया, जिसे बाद उसे रूकने का ईशारा करने पर वे लोग मोटरसाईकिल रोक कर भागने लगे, जिसे पुलिस बल की मदद से दौड़ाकर पकड़ लिया गया। पुछ-ताछ के दौरान इनलोगों के द्वारा अपना नाम बजरग मंडल एवं कार्तिक चन्द्र भुईयाँ बताया गया। इनकी तलाशी लेने पर इनके पास से करीब 970 ग्राम अफीम, एक आईटेल कंपनी का कीपैड मोबाईल ,नीले रंग का एक जियो कंपनी का कीपैड मोबाईल, एवं एक मोटर साईकिल हिरो पैशन के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों अफीम तस्करों से कई अहम जानकारियां हासिल की है, जिसके आधार पर और भी अफीम तस्करों की गिरफ्तारी के लिए रांची पुलिस छापेमारी कर रही है। ●

# आगाज : आवाज दो, आगाज हो महिलाओं को समर्पित

● ओम प्रकाश

नव वर्ष के अवसर पर कोकर स्थित इंद्रप्रस्थ उत्सव भवन में राँची के आयोजनकर्ता उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय के नेतृत्व में 'आगाज' आवाज दो, आगाज हो' कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रवजलन कर किया गया। कार्यक्रम में डांस (ग्रुप), डांस (सिंगल), पेंटिंग, फैंसी ड्रेस, नाटक एवं म्यूजिकल चेयर कंपीटिशन का आयोजन किया गया। आयोजन में गणेश वंदना के साथ बच्चों ने संस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य की प्रस्तुति दी। आयोजनकर्ता संजीव विजयवर्गीय' ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि, 'आगाज' 'आवाज दो, आगाज हो' का मकसद युवाओं और महिलाओं को एक नया मंच प्रदान करना है, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिले, युवाओं के कला को निखारा जा सके, उसे सशक्त बनाया जा सके, बच्चों की प्रतिभा निखरे, ताकि उनके माध्यम से राँची एक विकास की दिशा की ओर बढ़े। 'भाजपा राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश' ने कहा की, समाज को जोड़ने का कार्य है आगाज, उन्होंने कहा कि माता सरस्वती की पूजा ही सर्वप्रथम कला से होती है, और उस कला को आगाज ने, धरातल पर उतारा है। वही 'राँची लोकसभा के सांसद संजय सेठ' ने कहा कि, ऐसे आयोजन शहर में होते रहना चाहिये, ऐसे आयोजन से बच्चों एवं युवाओं का कला निखरता है। उन्होंने 'आगाज' के प्रथम संस्करण के लिए बधाई दिया। सीपी सिंह ने कहा कि, 'आगाज' कार्यक्रम विकास की नई यात्रा की नई शुरुआत है। उन्होंने कहा की, यह कार्यक्रम युवाओं को जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने आगे कहा की, 'आगाज' के कार्यक्रम से सशक्त समाज का निर्माण होगा। महापौर आशा लकड़ा ने कहा की झारखण्ड कला और संस्कृति से सुसज्जित राज्य है और इसमे हम सभी की सहभागिता समान रूप से होनी चाहिए ताकि भावी भविष्य अपने संस्कारो को पहचानते हुए आगे बढ़े। पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार' ने कहा कि, यह कार्यक्रम युवाओ को समर्पित है। उन्होंने कहा की, झारखण्ड और राँची के युवाओ में कला की कमी नही बस उन्होंने जरूरत है एक मंच की जरूरत और आज वो सपना आगाज के माध्यम से साकार होते दिख रहा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा' ने कहा की, आगाज ने एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमे सभी रंग समाहित है, और सभी रंगों को जोड़कर ही संस्कृति का निर्माण होता है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, महामंत्री प्रदीप वर्मा, महापौर आशा लकड़ा, राँची लोकसभा के सांसद संजय सेठ, राँची विधायक सीपी. सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चौम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर , भाजपा के वरिष्ठ नेता राधेश्याम केशरी के अलावा वार्ड पार्षद अर्जुन यादव, सुजाता कच्छप, अरुण झा, रौशनी खलखो, अर्जुन राम एवं सुनील साहू, उपस्थित रहे। ●

# आईजी ने नवनिर्मित बैरक का किया उद्घाटन

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के कांके रोड स्थित न्यू पुलिस लाइन में रांची रेंज के आईजी पंकज कंबोज के द्वारा न्यू पुलिस लाइन में पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों के आवासन हेतु झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के द्वारा नवनिर्मित 4 बैरक एवं बड़े वाहनों के लिए नवनिर्मित सेड का उद्घाटन किया गया। बता दें कि पुलिस लाइन में बैरक के अभाव में 300 जवान टेंट में रहने को मजबूर थे। जवान किसी तरह टेंट में रात बिताते हैं और सुबह तय समय पर अपनी ड्यूटी के लिए निकल जाते है। टेंट में जगह की कमी होने के कारण जवान बेड के ऊपर रस्सी बांधकर वर्दी टांगते थे। बेड के नीचे जूता और जरूरी सामान रखते थे। बेड के बगल में ही छोटे से स्थान पर गैस चूल्हा रखकर खाना भी बनाते थे।

हालांकि मामला जब वरीय अधिकारी के पास पहुंचा तो उन्होंने इस समस्या का स्थायी समाधान होने का आश्वासन दिया था। जिसके बाद नए बैरक का निर्माण कराया गया। इस दौरान रेंज के डीआईजी अनीश गुप्ता, एसएसपी किशोर कौशल, ग्रामीण एसपी नौशाद आलम, हेड क्वार्टर वन टू के डीएसपी, कोतवाली एवं हटिया डीएसपी, गोंदा, लालपुर, कोतवाली, जगन्नाथपुर सहित कई अन्य थाना के थाना प्रभारी मौजूद थे। करीब ढाई सौ बेड क्षमता वाली बैरक बनने से कई पुलिसकर्मी को सुविधा मिलेगी। अब नए बैरक निर्माण के बाद पुलिसकर्मियों को रहने के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। ●

# बिहार डायरी एवं कैलेण्डर 2023 का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

शुरूआती वर्ष के 3 जनवरी को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बिहार सरकार के सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित बिहार डायरी 2023 एवं कैलेण्डर 2023 का लोकार्पण कर राज्य की जनता को समर्पित किया। इस बार बिहार डायरी 2023 मधुबनी पेंटिंग की कारीगरी से आकर्षक कलेवर में है तथा इसमें जल–जीवन–हरियाली के तथ्यों को भी प्रचारित किया गया है। कैलेन्डर में भी प्रत्येक वर्ष की भांति बिहार के विविध खूबसूरत दृश्यों को उकेरा गया है। बिहार द्वारा अपने सीमित संसाधनों के बूते सभी क्षेत्रों में विकास की अद्भूत मिसाल को दर्शाया गया है। कोविड काल की विषम परिस्थितियों में भी आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तय सीमा में कार्यों को पूरा करना अद्वितीय संकल्प शक्ति का परिचायक है। इसी तरह विकास की नई राह बनाता जे0पी0 गंगा पथ, मोक्षदायिनी फल्गू में तर्पण के लिए सालों भर जल की उपलब्धता हेतु बनाया गया गयाजी रबर डैम, पर्यटन को नई ऊँचाई प्रदान कर रही राजगीर वन्य प्राणी सफारी, महिला सशक्तिकरण का अद्भूत प्रतीक जीविका, स्वास्थ्य सेवाओं में हुए विकास, नई नियुक्तियाँ एवं रोजगार के अवसर, इमरजेंसी रिस्पॉस सपोर्ट सिस्टम के रूप में कार्यरत डायल 112 सेवा, 7 निश्चय–2 के सभी सातों आयाम, स्टार्ट अप नीति एवं औद्योगिक विकास, सिग्नेचर बिल्डिंग्स, एलिवेटेड सड़कें एवं फ्लाईओवर आदि कुछ ऐसे प्रतिमान हैं जिन्हें इस कैलेन्डर के प्रत्येक पृष्ठ पर दर्शाया गया है जो विकास के नये प्रतिमानों के रूप में प्रगतिमान बिहार के सोपान–दर–सोपान बढ़ने की कथा बताता है।

माह जनवरी के पृष्ठ पर राजगीर वन्य प्राणी सफारी जो पर्यटकीय सुविधाओं से युक्त अपने मनोरम वातावरण एवं प्रकृति के अनुपम सानिध्य के कारण पर्यटको के आकर्षण का केंद्र है, उसकी कहानी चित्रित है। माह फरवरी के पृष्ठ पर बिहार में हाल में नए उत्कृष्ट भवनों (सरदार पटेल भवन, सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र, राजगीर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, सभ्यता द्वार, महाबोधि सांस्कृतिक केन्द्र, बोधगया, अंजुमन इस्लामिया हॉल, पटना, प्रकाश पुंज, पटना, बिहार सदन, नई दिल्ली आदि) के चित्र हैं। माह मार्च पृष्ठ पर पटना में दीघा से दीदारगंज तक 20.5 किमी तक विस्तृत जे0पी0 गंगा पथ की भव्यता चित्रित है। माह अप्रैल पृष्ठ पर सरकारी महकमों में बढ़ती नियुक्तियों से खिले चेहरे चित्रित हैं। माह मई पृष्ठ पर जीविका संगठन द्वारा बिहार में महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सफलता की कई इबारतें हैं जिसमें सरकारी अस्पतालों में 'दीदी की रसोई' के संचालन का बेहतरीन मिसाल प्रदर्शित है। कोरोना के संक्रमण काल में 'दीदी की रसोई'के संचालन से ना केवल हेल्थकेयर के बेहतर प्रबंधन में मदद मिली बल्कि महिला समूहों की आत्मनिर्भरता में भी वृद्धि हुई। मास्क निर्माण से लेकर सिलाई के क्लस्टर तथा शराब की बोतलों से चूड़ी का निर्माण जीविका संगठन की अद्यतन पहल है। माह जून पृष्ठ पर अब आगजनी, दुर्घटना, पुलिस सहायता एवं मेडिकल इमरजेंसी समेत किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए सिर्फ 112 नम्बर को डायल करना होगा। यह निःशुल्क सेवा है। इस पर आपात समय में कॉल करने पर महज 15 मिनट के अंदर मदद पहुँचायी जाती है। इस सेवा के सुगम संचालन के लिए बिहार पुलिस रेडियो कैम्पस स्थित नवनिर्मित इमरजेंसी रिस्पान्स सपोर्ट सिस्टम के कमांड एवं कन्ट्रोल सेन्टर की शुरूआत की गयी है। इस कमांड एवं कंट्रोल सेन्टर का पूरा संचालन हमारी दक्ष महिला पुलिस कर्मियों के हाथों में है। माह जुलाई पृष्ठ पर राज्य को विकास की और ऊंचाईयों तक पहुंचाते हुए सक्षम एवं स्वावलंबी बिहार बनाने के निश्चय के साथ 07 निश्चय भाग–2 का क्रियान्वयन किया गया है। बहुआयामी विकास की अवधारणा को संजोती सात निश्चय–2 की योजनाओं में युवा शक्ति बिहार की प्रगति, सशक्त महिला सक्षम महिला, हर खेत तक सिंचाई का पानी, स्वच्छ गांव समश्द्ध गांव, स्वच्छ शहर–विकसित शहर, सुलभ सम्पर्कता तथा सबके लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा के निश्चय शामिल हैं। माह अगस्त पृष्ठ पर बदले हुए बिहार का परिचायक एक महत्वपूर्ण यहाँ की सड़कें हैं। नई एवं महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण ने न केवल आवागमन सुगम किया है अपितु अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान की है। पटना में पाटलि पथ तथा अटल पथ इसका उदाहरण है। एम्स–दीघा एलीवेटेड रोड का नामकरण पाटलि पथ किया गया है। बिहार में पटना में कई महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान मौजूद हैं। पटना शहर खासकर एम्स

से उत्तरी बिहार को बेहतर संपर्कता प्रदान करने के लिए इस एलिवेटेड रोड का निर्माण कराया गया। करीब 11 किलोमीटर लम्बा यह फ्लाईओवर, शहर में अवस्थित पूर्वी क्षेत्र का सबसे लम्बा अलिवेटेड मार्ग है। इसके बनने से उत्तरी पटना और दक्षिणी पटना को कई वैकल्पिक मार्ग मिल जाते है। माह सितम्बर पृष्ठ पर मुख्यमंत्री जी के प्रयास से गया में मोक्षदायिनी फल्गू नदी पर निर्मित देश का सबसे बड़ा रबर डैम अभिचित्रित है। माह अक्टूबर पृष्ठ पर मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना में जल– जीवन–हरियाली अभियान के तहत सतत् सौर ऊर्जा अभियान स्वरूप' ऊपर बिजली नीचे मछली' को दर्शाया गया है। माह नवम्बर पृष्ठ पर राज्य में बढ़ती औद्योगिक गतिविधियाँ दर्शायी गई है। जिसमें राज्य में औद्योगिक विकास को सुनिश्चित करते हुए नीतिगत ढ़ाँचे में बदलाव करते हुए इथेनॉल पॉलिसी, टेक्सटाइल एवं लेदर पॉलिसी साथ–साथ स्टार्टअप पॉलिसी

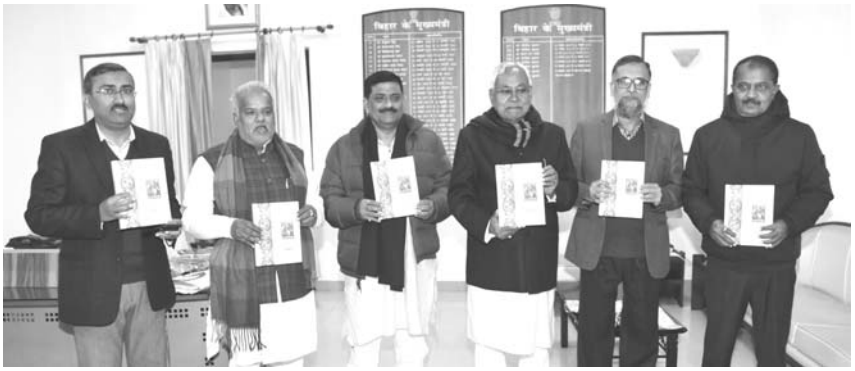

निरूपित है। माह दिसम्बर पृष्ठ पर चिकित्सा सेवाओं हेतु आधारभूत संरचना स्वरूप नवनिर्मित राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पैठना भागनबिगहा, रहुई नालंदा तथा बिहार राज्य मानसिक स्वास्थ्य एवं सहबद्ध विज्ञान संस्थान कोइलवर भोजपुर के चित्र दर्शाये गये हैं। बिहार डायरी एवं कैलेण्डर के लोकार्पण के अवसर पर जल संसाधन सह सूचना एवं जन–सम्पर्क मंत्री श्री संजय कुमार झा, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, मुख्यमंत्री के सचिव सह सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के सचिव श्री अनुपम कुमार एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह उपस्थित थे। ●

# सेवानिवृत कर्मियों को सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा दी गई भावपूर्ण विदाई

● **अमित कुमार**

दिसंबर, 2022 में सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के दो कर्मी (श्री जयशंकर कुमार–सहायक निदेशक तथा श्री रजनीकांत अरूण– हारमोनियम वादक) सेवानिवृत्त हो गए थे। जिन्हें बीते 4 जनवरी को सम्पूर्ण विभाग की ओर से भावभीनी विदाई समारोहपूर्वक दी गई। इस अवसर पर श्री जयशंकर कुमार (सहायक निदेशक) के लिए उपसचिव श्री संजय कृष्ण, विशेष कार्य पदाधिकारी श्री अशोक कुमार ने अपने विचार रखे तथा उनके सहज तथा सरल व्यक्तित्व के कई पहलुओं की जानकारी दी। हारमोनियम वादक श्री रजनीकांत अरूण के लिए गीत नाट्य प्रभाग के उनके सहकर्मियों ने अपनी बातें साझा करते हुए उनकी कला–साधना की सराहना की जब वे खाली वक्त में हारमोनियम की तानें छेड़ा करते थे।

इस अवसर पर सेवानिवष्त पदाधिकारी श्री जयशंकर कुमार ने अपने 28 वर्शों के सेवाकाल के कुछ सुखद क्षणों को साझा करते हुए सेवानिवृत्ति को जीवन के दूसरे अवसर के रूप में लिए जाने की बात कही। गीत नाट्य प्रभाग से सेवानिवष्त हारमोनियम वादक श्री रजनीकांत अरूण ने विभाग के प्रति बहुत आभार व्यक्त किया।

ध्यातव्य है कि श्री रजनीकांत अरूण विभाग में एकमात्र म्यूजिक कम्पोजर के रूप में कार्य करते थे। इससे इतर कई भोजपुरी फिल्मों में भी उन्होंने सफलतापूर्वक म्यूजिक निर्देशन का काम किया था। वर्श 1992 से सदस्य मोदमंडली के रूप में विभाग में नियुक्त श्री रजनीकांत अरूण एक श्रेष्ठ हारमोनियम वादक थे। कार्यक्रम में संभाशण के अंतिम चरण में सभाध्यक्ष संयुक्त सचिव–सह–निदेशक श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों के शेष जीवन हेतु मंगलकामना करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

सेवानिवष्त कर्मियों के विदाई समारोह का संचालन सहायक निदेशक डॉ0 नीना झा ने किया तथा उन्होंने बैचमेट रहे श्री जयशंकर कुमार तथा अधीनस्थ कर्मी कलाकार श्री रजनीकांत अरूण की काबिलियतों उनकी सौम्य शख्सियतों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपनिदेशक श्रीमती माला कुमारी, उपनिदेशक श्री रविभूशण सहाय, सहायक निदेशक श्री लाल बाबू सिंह, सहायक निदेशक श्री सुनील कुमार पाठक, अवर सचिव श्री विनोद पाठक, अवर सचिव श्री विजय बहादुर सहित विभाग के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपसिथत थे। समारोह में पारम्परिक विधिपूर्वक माल्यार्पण, दोनों सेवानिवष्त कर्मियों को मोमेंटो, शॉल तथा बुके प्रदानादि सहित अल्पाहारादि के साथ कार्यक्रम संपन्न किया गया।●

# जल-जीवन-हरियाली दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का किया शुभारंभ

## जल संरक्षित रहेगा और हरियाली रहेगा तभी जीवन सुरक्षित रहेगा- मुख्यमंत्री

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

शुरूआती वर्ष के 3 जनवरी मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र स्थित ज्ञान भवन में जल–जीवन–हरियाली दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का पौधे में जल अर्पण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सभी लोगों ने इस अभियान के मकसद से जुड़ी अपनी बातें रखी है। वर्ष 2019 में सभी पार्टियों के विधायकों एवं विधान पार्शदों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर बैठक किया और जल–जीवन–हरियाली अभियान की शुरुआत की गई। इसमें हमलोगों ने 11 अवयव निर्धारित किये हैं। जो काम किए जा रहे हैं उसका समय पर मेंटेनेंस भी होना चाहिए। महीने के पहले मंगलवार को इस कार्यक्रम को करना है। नये साल के पहले महीने का यह पहला मंगलवार है जिसमें आयोजित कार्यक्रम में मुझे भी शामिल होने का मौका मिला है। सभी लोगों को इसे पूरी गंभीरता से जानना और समझना चाहिए। इसके लिए जिनको जो दायित्व दिया गया है, उसे पूरा करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 18,259 सार्वजनिक आहर, पईन, पोखर, तालाब इत्यादि को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। सार्वजनिक आहर, पईन, पोखर, तालाब इत्यादि का जीर्णोद्धार भी कराया जा रहा है। हमलोगों ने तय किया था कि तीन साल में इस अभियान को पूरा कर लेंगे लेकिन कोरोना के आने से इसका काम प्रभावित हुआ इसलिए इसको दो साल के लिए और आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक आहर, पईन, पोखर, तालाब इत्यादि को अतिक्रमण मुक्त कराने के दौरान गरीब गुरबा तबके के लोगों को घर बनाने के लिए अलग जगह उपलब्ध काराया जाना है और घर बनाने के लिए पैसा भी दिया जाना है। इस संबंध में हर जिले से एक–एक चीज की जानकारी ले लेनी है। यह भी देख लेना जरूरी है कि जरुरतमंदों लोगों को इसका लाभ मिला या नहीं। हर सप्ताह इसका जायजा लीजिए। बैठक में हर बिंदुओं पर चर्चा कर देखना चाहिए कि किसको क्या जरूरत है, किसको क्या ऐतराज है। जिनलोगों ने जलस्रोतों के आसपास अतिक्रमण किया है या अवैध निर्माण किया है, उनके संबंध में भी जानकारी लें। जल संरचनाओं को विकसित करने के लिए स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराना है। जल–जीवन– हरियाली अभियान से संबंधित सभी विभागों के अधिकारी अपने–अपने विभागों में किए जा रहे कार्यों का ठीक से आकलन करें। आपके विभाग में कौन काम पूरा नहीं हो पाया है, क्या दिक्कत है, इन सभी चीजों का ख्याल रखना है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक कुंओं तथा चापाकल को सुरक्षित रखना है। सार्वजनिक कुंओं तथा चापाकल के किनारे सोख्ता का निर्माण हो रहा है। सोख्ता इसलिए बनाया जा रहा है, इससे भू–जल स्तर मेंटेन रहेगा। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों के माध्यम से जल–जीवन–हरियाली अभियान का घर–घर में प्रचार–प्रसार करवायें। लोगों को प्रेरित करवाएं। पर्यावरण को किस प्रकार से सुरक्षित रखना है इसकी जानकारी दिलवायें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1998 में श्रद्धेय अटल जी की सरकार में हम केंद्र में मंत्री थे। उस समय जार्ज फर्नांडिस साहब रक्षा

मंत्री थे। राजगीर में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का शिलान्यास हो रहा था, उस कार्यक्रम में हम भी थे। उस समय वहां पर जो अधिकारी आए थे उनसे हमने कहा था कि इस फैक्ट्री के बगल में पहाड़ है, यहां तालाब का निर्माण कराया जाए। उनलोगों ने मेरी बात मानी और चार जगह तालाबों का निर्माण करा दिया। अगर दो साल बारिश नहीं होगी तो भी राजगीर में दो सालों तक इन तालाबों से पानी की कमी को पूरा किया जा सकता है। वर्श 1998 में मेरी बात को उनलोगों ने मान लिया तो आज काफी फायदा हो रहा है। पहाड़ों के किनारे जल संचयन को लेकर इसी तरह का काम आपलोग करें। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक तालाब, पोखर, पईन, आहर, कुंओं का पुनर्रूद्धार कराइएगा तो जल संचयन ठीक ढंग से होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी भवनों में छत वर्शा जल संचयन का निर्माण हुआ है। निजी भवनों को भी सुझाव दीजिए कि छत वर्शा जल संचयन का काम कराएं। इससे भू–जल स्तर ठीक रहेगा। जल संरक्षित रहेगा और हरियाली रहेगा तभी जीवन सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। वर्श 2012 में हरियाली मिशन की स्थापना की गई और वृक्षारोपण का काम हमलोगों ने शुरु कराया। बिहार से झारखंड अलग होने के बाद बिहार में हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत था। 24 करोड़ पौधा लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें वर्श 2019 तक 22 करोड़ पौधारोपण करा लिया गया था। अब हरित आवरण क्षेत्र 15 प्रतिशत हो चुका है, इसको 17 प्रतिशत से भी आगे ले जाना है। सड़कों के किनारे पौधे जरुर लगवाना है। सबको प्रेरित करें कि अपने घर के पास पेड़ जरूर लगाएं। वृक्षारोपण से वातावरण बेहतर हो रहा है और बिहार का दृश्य भी अच्छा लग रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम के अनुकूल कृशि का काम किया जा रहा है। फसल अवशेश प्रबंधन पर भी काम करते रहने की जरुरत है। वर्श 2018, 2019 में बैठक कर हमलोगों ने कहा था कि फसल अवशेश जलाने से सबको रोकें। पहले चार ही जिला इससे प्रभावित था लेकिन अब तो नालंदा एवं पटना में भी फसल अवशेश जलाने का मामला बढ़ गया है इसलिए इन सब चीजों की जानकारी घर–घर तक पहुंचाना है। लोगों को समझाना है कि खेत खराब हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकारी भवनों में सोलर प्लेट लगाया जा रहा है। हर घर में सोलर प्लेट लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। जब तक धरती रहेगी सौर ऊर्जा का लाभ लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान के लिए

जन जागरुकता अभियान चलाते रहने की जरुरत है। लोगों को लगातार प्रेरित करते रहने की जरुरत है जो भी काम हो रहा है उसके मेंटनेंस पर काम करते रहने की जरुरत है। जो काम हो रहा है उसको और तेजी से बढ़ाने की जरुरत है। 2025 तक इसके कामों को पूरा करना है, इसके लिए लक्ष्य पर तेजी से काम करना है। जल–जीवन–हरियाली अभियान का मकसद है लोगों का जीवन सुरक्षित रहे। आप सबलोगों से आग्रह है कि लोग खुद भी जागरुक रहें और दूसरों को भी जागरुक करते रहें।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से आग्रह करते हुए कहा कि जितना काम किया जा रहा है उसके बारे में बताएं। लोगों को इस अभियान के मकसद के बारे में बताएं, जो काम बाकी है उसके बारे में बताएं, ठीक ढंग से इसे प्रचारित करें। नए वर्श में आप सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। आपलोग आगे बढ़ें, खुद को आगे बढ़ाएं तथा राज्य और देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करें। कार्यक्रम को वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, विकास आयुक्त श्री विवेक कुमार सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह मनरेगा आयुक्त सह मिशन निदेशक जल–जीवन–हरियाली श्री राहुल कुमार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में अररिया जिले के नारायणपुर गांव की लाभुक जीविका दीदी श्रीमती वंदना देवी, मधुबनी जिला के विरौल गांव के किसान श्री कपिलदेव झा, नालंदा जिला के किसान श्री दिनेश कुमार ने भी अपने–अपने अनुभव साझा कर जल–जीवन–हरियाली अभियान की उपयोगिता बतायी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह मनरेगा आयुक्त सह मिशन निदेशक जल–जीवन–हरियाली श्री राहुल कुमार ने पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया। कार्यक्रम में जल–जीवन–हरियाली अभियान की उपलब्धियों पर केंद्रित वीडियो फिल्म की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री ने जल–जीवन–हरियाली अभियान पर आधारित कॉफीटेबल बुक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य सह पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, लघु जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री रवि मनुभाई परमार, पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री आनंद किशोर, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्री संजीव हंस, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव श्री जीतेन्द्र श्रीवास्तव, कृशि सह पशु एवं मत्स्य विभाग के सचिव श्री सरवन कुमार, जल संसाधन सह आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री कुमार रवि, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव श्री जय सिंह, लघु जल संसाधन विभाग के सचिव श्री बिनोद गुंजियाल, मुख्यमंत्री के विशेश कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी श्री चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मानवजीत सिंह ढिल्लो सहित संबद्ध विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी जुड़े हुए थे। ●

# कानूनी सलाह

## शिवानंद गिरि

( अधिवक्ता )

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

**✯ भारत में वकालत की शुरुआत कब से हुई एवं इसका क्या इतिहास रहा है?**

विधि व्यवसाय एक पवित्र एवं आदर्श व्यवसाय है। अधिवक्ताओं को साधु, संत, विद्वान, क्षमा,दान, ध्यान, दया, त्याग एवं धैर्य का स्वरूप माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट भी अपने कई निर्णयों में अधिवक्ताओं को अफसर ऑफ द कोर्ट कहती है, तो जानते हैं आखिर ये वकील अर्थात अधिवक्तागण कौन होते हैं तथा वे विधि व्यवसाय किस प्रकार करते हैं एवं विधि व्यवसाय क्या है तथा भारत में विधि व्यवसाय का क्या इतिहास रहा है? विधि व्यवसाय एक कठिन विषय है। इसकी भाषा एवं उपबंध अत्यंत कलिस्ट माने जाते हैं। विधि का अध्ययन कर पाना हर व्यक्ति के लिए संभव नहीं है, योग्य अनुभवी एवं प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति ही इसे आसानी से समझ सकते हैं, यही कारण है कि विधि का अपना एक अलग ही अध्याय है। जो व्यक्ति इसका अध्ययन करता है वह व्यक्ति अधिवक्ता कहलाता है।

☞ **विधि व्यवसाय :-** अधिवक्ता द्वारा न्यायालय के समक्ष अपने पक्षकार के पक्ष को प्रस्तुत करना तथा उसकी ओर से पैरवी करना है। विधि व्यवसाय लीगल प्रोफेशन कहलाता है, क्योंकि अधिवक्ता का यह एक तरह से व्यवसाय होता है और इसके लिए वह अपने पक्षकार से शुल्क प्राप्त करता है। विधि व्यवसाय को अधिवक्ता, एडवोकेट, वकील, प्लीडर आदि के नामों से जाना जाता है। विधि व्यवसाय से अभिप्राय मात्र- राय हेतु प्राइस तौर पर न्यायालय परिसर का भ्रमण करने से नहीं है अपितु न्यायालयों में नियमित रूप से पैरवी करने से है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया बनाम बालाजी एआईआर 2018 SC 1382 के अनुसार न्यायालयों में नियमित रूप से पैरवी अथवा प्रैक्टिस करना ही अधिवक्ता का कार्य है। भारत में विधिक व्यवसाय की जड़े अतीत की गहराइयों में छिपी है। सामान्यतः भारत में इसका श्रीगणेश ब्रिटिश काल में माना जाता है। इससे पूर्व विधिक व्यवसाय जैसी कोई बात भारत में नहीं थी। हिंदू काल में इसका अस्तित्व नहीं था, क्योंकि राजा ही न्यायधीश हुआ करता था। वहां किसी प्रकार की विधिक औपचारिकताएं नहीं हुआ करती थी।

☞ **भारत में विधि व्यवसाय का विकास :-**

**( 1 ) मेयर कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट-** भारत में विधि व्यवसाय का आरंभ 1926 के चार्टर द्वारा प्रथम बार मेयर न्यायालयों की स्थापना के साथ माना जा सकता है, इन न्यायालयों में न्याय प्रशासन का संचालन एक सुनिश्चित प्रक्रिया के अंतर्गत किया जाता था। न्यायालयों का गठन एवं प्रक्रिया इंग्लैंड के न्यायालयों के समान थी। सन् 1773 के रेगुलेटिंग एक्ट तथा सन् 1774 के चार्टर द्वारा विधि व्यवसाय को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया गया। इन्हीं के अंतर्गत भारत में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई थी।

**( 2 ) कंपनी न्यायालयों में विधि व्यवसाय-** मेयर कोर्ट की स्थापना के साथ विधि व्यवसाय का सूत्रपात हो गया था लेकिन नियमित एवं व्यवस्थित स्वरूप में नहीं होने के कारण सन् 1793 में एक रेगुलेशन पारित किया गया, जिसमें बंगाल में सदर दीवानी अदालत के लिए वकीलों को प्रथम बार सूचीबद्ध किया गया, कालांतर में सन 1814 के बंगाल रेगुलेशन में विधिक व्यवसाय के संबंध में कतिपय उपबंध किए गए, जिन्हें सन् 1833 के रेगुलेशन द्वारा परिष्कृत किया गया।

**( 3 ) भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम 1861 के अधीन विधि व्यवसाय-** सन् 1861 में भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम इंडियन हाई कोर्ट्स एक्ट पारित किया गया और इस अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक प्रेसिडेंसी नगर में एक उच्च न्यायालय की स्थापना की गई, इस अधिनियम द्वारा सुप्रीम कोर्ट एवं सदर अदालतों को समाप्त कर दिया गया, इस अधिनियम तथा अन्य छात्रों द्वारा उच्च न्यायालयों को वकील अटॉर्नी एडवोकेट आदि को सूचीबद्ध करने तथा अनुमोदित करने की शक्तियां प्रदान की गई। इन न्यायालयों में सूचीबद्ध व्यक्तियों को ही वकालत करने का अधिकार था।

**( 4 ) लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट के अधीन विधि व्यवसाय-** विधि व्यवसाय को बढ़ाने के लिए समय-समय पर लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट पारित किए गए, जैसे- लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट 1846, लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट 1853, लीगल प्रैक्टिशनर्स एक्ट 1793 ।

1846 के एक्ट के अनुसार केवल सूचीबद्ध वकील ही न्यायालयों में प्रैक्टिस कर सकते थे। 1853 के एक्ट द्वारा सुप्रीम कोर्ट के अटॉर्नी तथा बैरिस्टर को कंपनी की सदर न्यायालयों में पैरवी करने की इजाजत प्रदान की गई, लेकिन भारतीय वकील सुप्रीम कोर्ट में पैरवी नहीं कर सकते थे, इस एक्ट द्वारा विधि व्यवसायियों को दो वर्गों में रखा गया था-

(1) एडवोकेट- एडवोकेट आयरलैंड या इंग्लैंड का बैरिस्टर या स्कॉटलैंड के प्लीडर संकाय का सदस्य होता था।

(2) वकील- वकील भारतीय विश्वविद्यालयों के विदेश के नागरिक हुआ करते थे।

**( 5 ) इंडियन बार काउसिल एक्ट 1926 के अधीन विधि व्यवसाय-** सन् 1923 में सर एडवर्ड चामियार की अध्यक्षता में एक इंडियन बार कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी को निम्नांकित के बारे में सुझाव देने का काम सौंपा गया।

**बार का गठन एवं हाईकोर्ट के लिए अखिल भारतीय स्तर पर बार काउंसिल की स्थापना :-** इस कमेटी द्वारा अनेक सुझाव दिए गए। कमेटी के सुझावों को लागू करने के लिए 1926 में इंडियन बार काउंसिल एक्ट पारित किया गया। मुफस्सिल कोर्ट में कार्य करने वाले वकील एवं मुख्तार इस एक्ट की परिधि में नहीं आते थे।

**( 6 ) स्वतंत्र भारत में विधि व्यवसाय-** विधि व्यवसाय को संगठित एवं व्यवस्थित स्वरूप स्वतंत्र भारत में मिला। सन् 1951 में न्यायमूर्ति एस आर दास की अध्यक्षता में एक अखिल भारतीय विधिक कमेटी का गठन किया गया, इस कमेटी द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए :-

(1) भारतीय विधिक परिषद (बार काउंसिल ऑफ इंडिया)

(2) राज्य विधिक परिषद (स्टेट बार कौंसिल)

कमेटी ने इन परिषदों को और अधिक शक्तियां प्रदान करने की सिफारिश की गई। इसी अनुक्रम में सन् 1961 में अधिवक्ता अधिनियम एडवोकेट एक्ट 1961 पारित किया गया, जिसमें अधिवक्ताओं की आचार संहिता, पंजीयन भारतीय विधिक परिषद राज्य विधिक परिषद के बारे में विस्तृत व्यवस्था की गई है। **( शेष जानकारी अगले अंक में )**

## Foundation Classes

एक मात्र स्कूल जो कक्षा - 6 से ही विद्यार्थियों को NEET, IIT, UPSC एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करवाता है।

A Co - Educational CBSE Affiliated 10+2 School
(Affiliation No. 330867)

School Bus Facility Available

Academic Culture Powered by KOTA'S Education Pattern

ADMISSION OPEN P.G to IX$^{th}$

HOSTEL Available

नवादा का सबसे अनुशासित स्कूल

# R.P.S. SCHOOL, NAWADA

web.: www.rpsconvent.com
Email: rpsschoolnawada@gmail.com

NO. 1 SCHOOL

Mob.: 7909097382
9162651640-41

Add.: Near ITI Gonawan, Nawada. New Building - RPS Nagar, Ataua Road, Gonawan, Nawada



# गणतंत्र दिवस एवं बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

# कन्हाई लाल साहु कॉलेज नवादा

(मगध विश्वविद्यालय की अंगीभूत ईकाई)
website :- www. klscollegenawada.org
E-mail :- klscollegenwd@gmail.com

8 वर्षों से व्यवसायिक शिक्षा

BCA, BBA, BBM और MB.Sc-IT की पढ़ाई की व्यवस्था

डॉ० विनोद कुमार
प्राचार्य के.एल.एस.

## प्राक परीक्षा प्रशिक्षण योजना

पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के प्रवेशिकोत्तर छात्र/छात्राओं को संघ लोक सेवा आयोग/बिहार लोक सेवा आयोग/रेलवे/बैंकिंग/एस. एस. सी. एवं अन्य प्रतियोगिता परिक्षाओं में चयनित होने के लिये परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण (कोचिंग) हेतु कन्हाई लाल साहु कॉलेज नवादा **(K.L.S. College)** में प्राक प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन किया जाता है। नामांकन हेतु ऑनलाईन/ऑफलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं।

### निःशुल्क प्रशिक्षण (कोचिंग) हेतु पात्रताः-

1. छात्र/छात्रा बिहार राज्य के निवासी हों।
2. पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के सदस्य हों।
3. छात्र/छात्रा अथवा उनके अभिभावक की अधिकतम वार्षिक अद्यतन आय सभी स्रोतों को मिलाकर रू0 3,00,000/- तक होनी चाहिए।
4. छात्र/छात्रा की आयु सीमा एवं न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता संबंधित कोर्स के अन्तर्गत होने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम अर्हता के अनुरूप होनी चाहिए।
5. प्रत्येक प्रशिक्षण केन्द्र पर 60-60 (कुल-120) छात्र/छात्राओं के दो बैच (प्रशिक्षण अवधि 06-06 माह) संचालित कराये जायेंगे।
6. प्रत्येक केन्द्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये कुल उपलब्ध सीटों में से 40 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग एवं 60 प्रतिशत अति पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्राओं के लिये अनुमान्य होगें। पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के अनुपलब्धता की स्थिति में अति पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्राओं को एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं की अनुपलब्धता की स्थिति में पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं का नामांकन किया जा सकेगा।

### आवेदन कैसे करें:-

आवेदन प्रपत्र **http://bcebcwelfare.bih.nic.in** से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन संबंधित निदेशक, कन्हाई लाल साहु कॉलेज नवादा **(K.L.S. College)** प्राक प्रशिक्षण केन्द्र को निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से समर्पित किया जा सकता है। अभ्यर्थी स्वयं भी संबंधि प्राक प्रशिक्षण केन्द्र के कार्यालय में आवेदन समर्पित कर सकते है। ऑनलाईन आवेदन वेब पोर्टल लिंक **http://bcebcwelfare.bih.nic.in** के माध्यम से किया जा सकता है।

नवादा जिला में संचालित प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र की विस्तृत जानकारी जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी, नवादा अथवा प्राचार्य, कन्हाई लाल साहु कॉलेज, नवादा से सम्पर्क किया जा सकता है।

निःशुल्क परिशिक्षण (कोचिंग) योजना हेतु विभागीय वेबसाईट http://bcebcwelfare.bih.nic.in तथा बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, चतुर्थ तल, सोन भवन, वीरचन्द पटेल मार्ग पटना (दूरभाष संख्या- 0612-2226099) से भी प्राप्त किया जा सकता है।



# JEEVAN DEEP PUBLIC SCHOOL

Established 1993 | Affiliated to CBSE Since 1997

More than 1500 students serving India by becoming excellent Doctors, Engineers, Advocates, Officers in Defense, Chartered Accountants, Civil Service Officers, Architects etc.

In SESSION 2021-22 more than 60% Students secured above 95% in CLASS : X & XII

CCTV in each Class Room | Every Class is Smart Class

ADMISSION OPEN

*30 Years of Excellence*

प्रो. सुनैना सिंह (नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, विदेश मंत्रालय) का स्वागत करते हुए कार्यकारी निदेशक डॉ. एकलव्य भगत

हमारे छात्र IPS आलोक राज नारायण को सिविल सर्विसेज परीक्षा की सफलता के लिए आशीर्वाद देते हुए निदेशक डॉ. एकलव्य भगत।
सिविल सर्विस परीक्षा UPSC, All India Rank -346

BHAGAT NAGAR, PATNA-RANCHI BYPASS ROAD, NAWADA
9431058856, 7903584282

# WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

## (Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL


WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008